पारा आपडेट
मैक्सिमम 29.00 | मिनीमम 14.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.29
सूर्योदय (कल) ▸ 06.23
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 76,404.99 ● निफ्टी 23,155.35 ● डॉलर 86.33₹ ● सोना 79,538₹ ● चांदी 92,294₹
पेज 06 बारूदी धुएं में कराह रही .. पेज 08 फारबिसगंज आरओबी निर्माण ..

हिन्दी दैनिक झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

माघ कृष्ण पक्ष नवमी, विक्रम संवत 2081

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 201 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

रेलवे क्लेम घोटाला: पांच ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेलवे क्लेम घोटाला मामले में बुधवार को बिहार के पटना और नालंदा समेत देश के पांच स्थानों पर छापेमारी की है। पटना और नालंदा के अलावा बेंगलुरु में भी ईडी की छोपमारी चल रही है। पटना में तीन, नालंदा में एक और बेंगलुरु में एक स्थान पर छापेमारी की। रेलवे क्लेम घोटाला 100 करोड़ से अधिक का माना जा रहा है। यह घोटाला रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के सहारे किया गया है। ईडी इस मामले में कई न्यायिक अधिकारियों, वकीलों और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है। खासकर, रेलवे न्यायिक अधिकारी रहे आरके मित्तल और वकील बीएन सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। आरके मित्तल को कुछ साल पहले भ्रष्टाचार के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया था।

पंजाब में आम आदमी क्लीनिक अब होंगे आयुष्मान अरोग्य केंद्र

चंडीगढ। पंजाब में आम आदमी क्लीनिक खोलने के नाम पर बैकफुट पर आ गई है। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद सरकार ने आम आदमी क्लीनिक के बोर्ड उतारने शुरू कर दिए हैं। अब यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान अरोग्य केंद्र के नाम से जाने जाएंगे। पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 242 आम आदमी क्लीनिक और 2889 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (2403) सब सेंटर और 266 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के बोर्ड उतारने का काम लुधियाना जिले से बुधवार को शुरू हो गया। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार इन केंद्रों के नाम बदलने शुरू कर दिए हैं। लुधियाना में 94 में से 65 आम आदमी क्लीनिक अब आयुष्मान आरोग्य केंद्र के नाम से जाने जाएंगे। इन क्लीनिकों पर नए बोर्ड लगाए गए हैं।

केजरीवाल के खिलाफ 100 करोड़ रु. का मानहानि का मामला दायर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दायर किया है। वर्मा ने दोनों नेताओं पर उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाने की बात कही। वर्मा ने कहा कि यदि वह मुकदमा जीत जाते हैं तो वह इस धनराशि का उपयोग अपने नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों में करेंगे, जहां से वह पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। केजरीवाल के इस आरोप पर कि वर्मा ने पंजाबियों को देश के लिए खतरा बताया है।

बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को नरेन्द्र मोदी ने दिया जीत का मंत्र

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नमो एप के माध्यम से मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत दिल्ली भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद किया और पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जीत का मंत्र दिया। बूथ कार्यकर्ता को पार्टी की असली शक्ति बताया और प्रत्येक बूथ पर मतदान के सारे रिकॉर्ड तोड़ेने और हर बूथ पर 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने के लिए बूथ में रहने वाले सभी नागरिकों का दिल जीतने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही दिल्ली सरकार के घोटालों से भी अवगत कराने की जरूरत बताई।

कर्नाटकः एल्लापुरा में ट्रक खाई में गिरा, नौ की मौत , दस घायल

● ट्रक से कुछ लोग फल बेचने के लिए सावनूर जा रहे थे

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु और कर्नाटक को जोड़ने वाले सावनूर-हुबली मार्ग पर कर्नाटक घाटी के एल्लापुरा में बुधवार सुबह एक ट्रक गहरी खाई में गिर जाने से नौ लोगों की मौत हो गई। अन्य दस लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना में पीड़ित फल विक्रेता थे, जो सावनूर से फल बेचने के लिए जा रहे थे। घायलों को हुबली के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने बताया कि सावनूर-हुबली मार्ग पर एक ट्रक से कुछ लोग फल बेचने के लिए सावनूर जा रहे थे। एल्लापुरा में जंगल वाले इलाके में सुबह करीब 5.30 बजे के लगभग दूसरे वाहन को साइड देने के प्रयास में ट्रक बाईं ओर चला गया और अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया।

उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।इस दुर्घटना में दस लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर हैं।पुलिस ने बताया कि शवों को बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद ली। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान फैयाज जमखंडी, वसीम मुदगेरी, एजाज मुल्ला , सादिक बाशा, गुलाम हुसैन जावली, इम्तियाज मुलाकेरी, अल्फाज जाफर मंडक्की, जिलानी अब्दुल जखाती और असलम बाबुली बेनी के रूप में हुई है। घायलों को हुबली के केआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिंधनूर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

राष्ट्रपति और पीएम ने कर्नाटक बस दुर्घटना पर जताया शोक, अनुग्रह राशि घोषित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूऔर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ में हुई बस दुर्घटना में जनहानि पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये तथा घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में सड़क दुर्घटना में हुई दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से मैं दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हवाले से लिखा,कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में हुए हादसे में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

बेरमो में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

मुठभेड़ में मारे गये दो नक्सली

संवाददाता

बोकारो। जिले के बेरमो में बुधवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुठभेड़ बेरमो अनुमंडल के ऊपरघाट में हुई है। बेरमो अनुमंडल के नक्सल प्रभावित पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊपरघाट के बंशी एवं जरवा के जंगल में सुरक्षा बलों के जवानों की प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के साथ बुधवार अहले सुबह मुठभेड़ हो गई।

मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक महिला एवं एक पुरुष नक्सली को ढेर कर दिया। मुठभेड़ में मारी गई महिला नक्सली मंगलवार को चंद्रपुरा से पकड़े गए 15 लाख के इनामी हार्डकोर नक्सली रणविजय महतो की पत्नी बतायी जा रही है। बोकारो एसपी को सूचना मिली थी कि रणविजय महतो की गिरफ्तारी के बाद छह नक्सलियों का सशस्त्र दस्ता ऊपरघाट के जरवा एवं बंशी के जंगल में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस, सीआरपीएफ और जगुआर के जवानों के साथ बोकारो एसपी ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को देखकर नक्सलियों ने उनको निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभाल लिया और देखते ही देखते दोनों ओर जमकर गोलीबारी शुरू हो गई।

लातेहार: मुठभेड़ में एक नक्सली को लगी गोली

लातेहार। लातेहार-लोहरदगा के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित सेमरखाड़ के पास देर रात पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली को गोली लगी। जबकि अन्य नक्सली अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। घटना के बाद बुधवार की सुबह पुलिस ने घटनास्थल पर सर्च अभियान चलाकर एक हथियार बरामद किया है। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के सेमरखाड़ गांव के निकट जंगल में जेजेएमपी नक्सलियों का एक दस्ता जमा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस की टीम छापामारी अभियान चलाते हुए जंगल में पहुंची। लेकिन पुलिस को देखकर नक्सलियों ने फायरिंग आरंभ कर दिया। जबाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस दौरान एक नक्सली को गोली लगी इसके बाद अन्य नक्सली जंगल और अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। एसपी ने कहा कि पुलिस के द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घटना के विस्तृत जानकारी सर्च अभियान के बाद दी जाएगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक, प्रस्तावों को मंजूरी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का विस्तार पांच वर्ष तक

● स्वास्थ्य मिशन के तहत देश ने कई ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देश में प्राप्त उपलब्धियों को स्वीकारते हुए इसे अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मिशन के तहत देश ने कई ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। इससे देशभर में करीब 12 लाख स्वास्थ्यकर्मी जुड़े हैं। कोविड के भयावह काल का सामना करने में मिशन ने बड़ी भूमिका निभाई है और देश को 2.20 अरब कोविड टीके लगाए तथा सर्टिफिकेट बांटे गए हैं। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रिमंडल को वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रगति से अवगत कराया गया।

मंत्रिमंडल को मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मृत्यु दर और कुल प्रजनन दर में त्वरित गिरावट तथा टीबी, मलेरिया, कालाजार, डेंगू, तपेदिक, कुष्ठ रोग, वायरल हेपेटाइटिस आदि जैसे विभिन्न रोगों के कार्यक्रमों के संबंध में प्रगति और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जैसी नई पहलों से भी अवगत कराया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्राप्त उपलब्धियां

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देशभर में 220 करोड़ कोविड-19 वैक्सीन की खुराकें दी गईं।
- वर्ष 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- वर्ष 1990 के बाद से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 75 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है।
- टीबी के मामले 2015 में प्रति एक लाख में 237 से घटकर 2023 में 195 हो गए हैं। वहीं इससे मृत्यु दर 28 से घटकर 22 हो गई है।
- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 1.56 लाख निक्षय मित्र स्वयंसेवक 9.4 लाख से अधिक टीबी रोगियों की सहायता कर रहे हैं।
- वित्त वर्ष 2023-24 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों की संख्या 1.72 लाख तक पहुँच जाएगी।
- राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन ने 2.61 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की।
- भारत ने खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान में 97.98 प्रतिशत कवरेज हासिल किया।
- मलेरिया नियंत्रण प्रयासों से मृत्यु दर और मामलों में कमी आई है।
- कालाजार उन्मूलन लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4.53 लाख से अधिक डायलिसिस रोगियों को लाभान्वित किया है।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरूआत 2005 में की गई थी, जिसका उद्देश्य जिला अस्पताल (डीएच) स्तर तक ग्रामीण आबादी, विशेष रूप से कमजोर समूहों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना था। वर्ष 2012 में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की अवधारणा बनाई गई और एनआरएचएम को दो उप-मिशनों यानी एनआरएचएम और एनयूएचएम के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में पुनः नामित किया गया।

जूट के एमएसपी में 315 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट के एमएसपी को मंजूरी प्रदान की है। 2025-26 के सीजन के लिए कच्चे जूट का एसपी 5650 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। पिछले सीजन 2024-25 के मुकाबले जूट के मूल्य में 315 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि है।
केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि 2014-15 के बाद से 2025-26 के दौरान जूट के खरीद मूल्य को 2400 रुपये से बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यानि इन सालों में एमएसपी में 2.35 गुना की वृद्धि की गई है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने लैंगिक भेदभाव को दूर किया: पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओअभियान के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह एक परिवर्तनकारी और जन-शक्ति से संचालित पहल बन गई है। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने और बालिकाओं को सशक्त बनाने

में सहायक रहा है। मोदी ने कहा कि इस पहल से कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने वाले सभी हितधारकों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार अपनी पोस्ट में लिखा, आज हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पिछले एक दशक में यह एक परिवर्तनकारी, जन-संचालित पहल बन गई है और इसमें सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी रही है।

उन्होंने लिखा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने में सहायक रहा है और साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के लिए सही माहौल तैयार किया है कि बालिकाओं को शिक्षा और अपने सपनों को पूरा करने के अवसरों तक पहुंच मिले।

बहुराष्ट्रीय अभ्यास ला पेरोस में भारत ने दिखाई समुद्री ताकत

● स्वदेशी विध्वंसक आईएनएस मुंबई के साथ लंबी दूरी के समुद्री निगरानी पी-8आई विमान ने लिया हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी महासागर क्षेत्र में तैनात भारतीय नौसेना का स्वदेशी विध्वंसक पोत आईएनएस मुंबई इंडोनेशिया के जकार्ता में बहुराष्ट्रीय अभ्यास ला पेरोस में हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मकसद इंडो-पैसिफिक में समुद्री संबंधों को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल बढ़ाना और अपने कौशल को एक साथ निखारना था।

स्वदेशी विध्वंसक के साथ लंबी दूरी के समुद्री निगरानी पी-8आई विमान ने फ्रेंच-सीएसजी, रॉयल नेवी और रॉयल कैनेडियन नौसेना इकाइयों के साथ बहुराष्ट्रीय अभ्यास के समुद्री चरण में भाग लिया।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बुधवार को बताया कि अभ्यास के इस संस्करण में रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना, फ्रांसीसी नौसेना, रॉयल नौसेना, संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना, इंडोनेशियाई नौसेना, रॉयल मलेशियाई नौसेना, सिंगापुर गणराज्य की नौसेना और रॉयल कनाडाई नौसेना सहित विभिन्न समुद्री भागीदारों के कर्मियों, सतह और उप-सतह परिसंपत्तियों ने भागीदारी की। इस अभ्यास में भाग लेने के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मुंबई 17 जनवरी को इंडोनेशिया के जकार्ता पहुंचा। इसके बाद वायु रक्षा अभ्यास, सतह पर हमले, बोर्डिंग ऑपरेशन, क्रॉस डेक लैंडिंग और सामरिक युद्धाभ्यास जैसे क्षेत्रों में कई तरह के अभ्यास हुए, जिसमें समन्वय और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया।

हादसा आग की अफवाह के बाद ट्रेन से कूदे थे लोग, दूसरी तरफ से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने कुचला

11 यात्रियों की मौत, गंभीर रूप से दर्जनों यात्री घायल

● घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

एजेंसी

मुंबई। जलगांव जिले में परधाड़े स्टेशन के पास बुधवार को लखनऊ से मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से यात्री ट्रेन कूदने लगे। उसी समय बहुत से यात्री दिल्ली की ओर जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में 11 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों से अधिक यात्री घायल हो गए। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता स्वप्निल लीला ने बताया कि लखनऊ से

मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस की एक बोगी के नीचे से धुंआ निकलने लगा, इसकी भनक लगते ही ड्राइवर ने ट्रेन ब्रिज पर रोक दी। इसके बाद ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैल गई और यात्री ट्रेन से बाहर कूदने लगे। इसी दौरान दिल्ली की ओर जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में यात्री आ गए। जलगांव से बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा है, मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। जलगांव के जिलाधिकारी आयुष प्रसाद ने बताया कि लखनऊ से मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस आज देरी से चल रही थी। ट्रेन जैसे ही परधाड़े स्टेशन से मुंबई को चली, उसी समय पुल के पास एक बोगी में ट्रेन के नीचे से धुंआ दिखा। इससे उस बोगी के यात्रियों ने शोर मचाना शुरू करके चेन पुलिंग कर दी। इससे ड्राइवर ने पुल पर ही ट्रेन को रोक दिया। पुल पर एक तरफ नदी होने की वजह से यात्री दूसरी तरफ रेलवे ट्रैक पर कूदने लगे। इसी दौरान दिल्ली की ओर जा रही तेज रफ्तार कर्नाटक एक्सप्रेस ने यात्रियों को कुचल दिया।

उन्होंने बताया कि इस घटना में अब तक 11 यात्रियों की मौत हो गई है। घटनास्थल पर पहुंचीं आठ से अधिक एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है।

सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर दुख जताया और कहा कि जलगांव जनरल अस्पताल और आसपास के अस्पतालों को हादसे में घायल यात्रियों के उपचार के लिए तैयार रखा गया है। दावोस गए फडणवीस ने एक्सपर लिखा, जलगांव जिले में पचोरा के पास बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्री गिरीश महाजन और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंच गए हैं और जिलाधिकारी भी पहुंचते होंगे। उन्होंने कहा कि जलगांव जिला प्रशासन रेलवे के साथ मिलकर काम कर रहा है और घायलों के उपचार के लिए तत्काल बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी के घर एसीबी की छापेमारी

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में बुधवार की सुबह से कार्रवाई कर रही है। एसीबी की टीम नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार के मोरहाबादी के रामकृष्ण मिशन के पास स्थित आवास और गुमला के घाघरा में स्थित आवास पर पहुंचकर छापेमारी कर रही है। इसकी पुष्टि निगरानी के एसपी ने की है।
उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए रांची के सदर सीओ को 37 हजार रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया था।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

हटिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के दिव्यांग कोच से सात किलो गांजा बरामद

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से सात किलो गांजा जब्त किया है। यह गांजा एक्सप्रेस ट्रेन के दिव्यांग कोच से बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 70 हजार रुपये है। हटिया के उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट हटिया और जीआरपी हटिया ने हटिया स्टेशन पर संयुक्त जांच अभियान चलाया, जिसमें एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15027 के दिव्यांग कोच में एक भारी ट्रॉली बैग बर्थ के नीचे पड़ा मिला। सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ अशोक कुमार सिंह की मौजूदगी में बैग में दो पैकेट में सात किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा को जीआरपी हटिया ने जब्त कर लिया। इस मामले में जीआरपी हटिया ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा के तहत मामला दर्ज किया है।

भाजपा ने रिम्स में अव्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने राज्य की चिकित्सा व्यवस्था के मुद्दे पर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार रिम्स पार्ट-2 की नींव रखने की बात कर रही है जबकि रिम्स की मौजूदा स्थिति दिन-प्रतिदिन और भी बदतर होती जा रही है। महतो ने कहा कि राज्य सरकार को पहले रिम्स की वर्तमान व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना चाहिए, न कि नया प्रोजेक्ट सब्जबाग दिखाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में कुव्यवस्था मुंह मोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिम्स की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। रिम्स में न दवाइयां और न ही बेड मिल पा रहे हैं। कई जांच मशीनें खराब पड़ी हैं। महतो ने रिम्स में हाल में हुई महिला के साथ दुष्कर्म की घटना पर भी चिंता जताते हुए कहा कि यह घटना यह साबित करती है कि रिम्स में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महतो ने यह भी कहा कि रिम्स में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन भी समय पर नहीं मिल पाता, जिससे वहां काम करने वाले कर्मचारियों की स्थिति और भी खराब हो रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्ता में बैठे कुछ नेताओं ने निजी डाइग्नोस्टिक कंपनियां बना रखी हैं और उनका उद्देश्य रिम्स में अपने उत्पादों की आपूर्ति करना है। साथ ही सवाल किया कि क्या यह भ्रष्टाचार का खेल नहीं है।

सभी राजनीतिक दल अल्पसंख्यकों को नजर अंदाज करते है: तनवीर

रांची। झारखंड अलग राज्य बननें के बाद जितने भी मुख्यमंत्री बने आज तक किसी ने भी मुसलमान के बारे में नहीं सोचा । उपयुक्त बातें कांग्रेस के नेता सह समाजसेवी तनवीर खान ने कही। उन्होंने दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री यूसुफ हारून चौधरी और मकराना के विधायक जाकिर खान से मुलाकात के दौरान बताया। कि अल्पसंख्यकों की भागीदारी सुनिश्चित हो। अल्पसंख्यकों को लेकर भले सियासत होती हो मगर जब भागीदारी की बात होती है तो यह तबका कहीं ना कहीं झारखंड की आबादी के अनुपात में पिछड़ जाता है । बताया कि आंकड़े के मुताबिक झारखंड में मुस्लिम जनसंख्या 15 फीसदी है जो चुनाव में निर्णायक की भूमिका निभाती हैं । मगर जब राजनीतिक दलों के द्वारा प्रत्याशी उतारने की बात होती है तो कहीं ना कहीं इस समुदाय को नजरअंदाज कर दिया जाता है ।

हर इंसान को समय-समय पर करना चाहिए रक्तदान : विनिता

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के 41 वें स्थापना दिवस के मौके पर झारखंड प्रांत द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को मंच की अध्यक्ष विनिता सिंघानिया के नेतृत्व में रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन एस्टर ग्रीन अपार्टमेंट, कांके रोड में किया गया जिसमें 11 रक्त दाताओं ने रक्त दान किया। इस मौके पर विनिता सिंघानिया ने कहा की मंच अपने स्थापना काल से ही समय-समय पर जन सेवा के कार्य करती है। जिसका लाभ समाज के हर वर्ग के लोगों को मिलता है। उन्होंने कहा की रक्तदान महादान है। आपके हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरुरतमंद की जान बचाने में सहायक होता है। हर इंसान को समय-समय पर रक्तदान करने की जरुरत है। इस मौके पर श्वेता भाला,कंचन सोमानी,रोजी खंडेलवाल ,कोमल पोद्दार, स्मिता अग्रवाल, सरिता बथवाल सहित कई अन्य सदस्यों ने शिविर के सफल संचालन में सहयोग किया।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन विधायक आवासीय परिसर के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को रांची के जगन्नाथपुर स्थित निर्माणधीन विधायक आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि जल्द से जल्द इसके हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर विधायकों को ये आवास आवंटित किए जा सकें। नरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों के लिए बन रहे आवास, हेल्थ सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, चिल्ड्रन पार्क, प्ले ग्राउंड, बिजली, पानी, सड़क, पार्किंग और सीवरेज-ड्रेनेज

सिस्टम समेत अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री से निर्माण कार्य कर रहे कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इस वर्ष जून माह तक सभी निर्माण कार्य पूरा हो जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने विधायक आवासीय परिसर में बड़े पैमाने पर प्लांटेशन करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी विधायकों के लिए आवासीय व्यवस्था व्यवस्थित नहीं है। राजधानी रांची के अलग-अलग क्षेत्रों में उनके रहने के लिए आवास उपलब्ध कराया गया है। विधायक आवासीय परिसर के निर्माण होने से सभी विधायकों को एक ही कैंपस में रहने के लिए एक बेहतर, व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त आवास मिलेगा।
निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, केंद्रीय कमेटी और केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ने गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के सिरसी गांव में तीन फरवरी को आयोजित होने वाले सिरसी-ता-नाले दर्शन यात्रा (वार्षिक पूजा-प्रार्थना कार्यक्रम) में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति ने अपनी मांगों से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, कोषाध्यक्ष प्रकाश हंस, संरक्षक सचिन कच्छप, मुन्ना उरांव एवं राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज मुंडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छोटेलाल करमाली, राष्ट्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव, राष्ट्रीय सचिव करमा उरांव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बिरसा उरांव, प्रदेश धर्मगुरु राजेश लिंडा, रामगढ़ राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला धर्मगुरु संदीप उरांव, लोहरदगा जिला धर्मगुरु फुलेश्वर उरांव के अलावा सोमदेव उरांव, बुंडू सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष एतवा उरांव, नूतन कच्छप सुधु भगत एवं भूलेश्वर भगत प्रमुख रूप से शामिल थे।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 26 मार्च को

संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या न्यायिक जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 मार्च की तिथि निर्धारित की है।
सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि मामले में सीआईडी के अनुसंधान जारी है। मोबाइल सहित कुछ डिजिटल उपकरण को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट में चार सप्ताह का समय लगेगा। इस पर कोर्ट ने सरकार को समय प्रदान करते हुए सुनवाई की अगली तिथि 26 मार्च निर्धारित की। साथ ही राज्य सरकार को अनुसंधान की अपडेट रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने परीक्षाफल प्रकाशन पर अगले आदेश तक रोक बरकरार रखा है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखा।
पिछली सुनवाई में झारखंड हाई कोर्ट ने सामान्य

स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक होने के संबंध में दर्ज शिकायत पर परीक्षा संचालन अधिनियम-2023 के तहत पुलिस एफआईआर दर्ज करें और अनुसंधान कर अपनी रिपोर्ट दे।
उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले की जांच सीआईडी कर रही है। सीजीएल परीक्षा-2023 में गड़बड़ी के आरोप में सीआईडी ने दो केस दर्ज कर लिए हैं। इस मामले के अनुसंधान के लिए डीजीपी सह सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने एसआईटी भी गठित कर दी है।

असलम पार्षद पर चकू से हमला, आरोपी की जम कर पीटाई, अस्पताल में भर्ती

रांची। हिंदपीढ़ी बेनी माधव प्रेस के पास पार्षद असलम पर वहां जमे अपराधियों चाकू से हमला कर दिया,जिससे उन्हे मामुली चोट लगी, बाद में उन्होंने हमला करने वाले आरोपी को पकड़ कर पीटाई कर दी जिससे वह घायल हो गया बाद में उसे अस्पताल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक असलम पार्षद बेनी माधव प्रेस के पास से गुजर रहे थे उसी दौरान वहां पर कुछ युवक जमा हो कर नशा और बदमाशी कर रहे थे जिसे उन्होंने मना किया तो नशेड़ी उनसे उलझ गये,उसी में से एक ने उन पर चाकू से हमला कर दिया,जिसे उन्होंने रोक लिया जिससे उनके हाथ में मामुली चोट लगी। बाद में उन्होंने आरोपी पर हमला किया जिसके दांत से भी इन्हें चोट लग गयी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने पर निकाली गई बाईक रैली

संवाददाता

रांची। राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में बुधवार को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किशोरी बालिकाओं, उनके अभिभावक, आंगनवाड़ी सेविकाएं आदि को उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का शपथ दिलाई गयी, साथ ही हरी झंडी दिखाकर बाईक रैली को रवाना किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित किशोरी बालिकाओं को बीच सैनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कलयाण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, वन स्टॉप सेन्टर, रांची के केन्द्र प्रशासक, एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रांची के कर्मी उपस्थित थे।

रिंकू हत्या कांड के तीन आरोपियों को उम्र कैद की सजा

संवाददाता

रांची। शहर के बहु चर्चित रिंकु हत्या कांड का कोर्ट ने बुधवार फैसला सुना दिया। इस कांड को अंजाम देने वाले तीन हत्यारों को दोषी मानते हुए उन्हें उम्र कैद की सजा सुनायी गयी है। मालूम हो कि वार्ड 16 के पूर्व पार्षद संजू उर्फ सलाउद्दीन के बड़े भाई रिंकु उर्फ फिरोज असलम को 16 अप्रैल 2022 की शाम सात बजे हिंदपीढ़ी में बाइक से पीछा कर रहे दो शूटरों ने आधा दर्जन गोली मारी थी जिससे मौके पर ही रिंकू की मौत हो गयी थी। मालूम हो कि जमीन दलाल मुर्शीद ने रिंकु को उसके बकाये रुपये देने के लिए अपने घर हिंदपीढ़ी बुलाया था उसके बाद बैंक से रुपये निकालने का बहाना और रोजा खोलने की बात बोल कर शाम तक घर में ही रोके रखा, बाद में संदेह होने पर शाम सात बजे रिंकू वहां से अपने दोस्त के साथ बाइक से निकल गया, कुछ ही दूर पहुंचते ही घात लगाये बाइक सवार दो शूटरों ने उस पर गोलियों की बौछार कर दी। जिससे मौके पर ही रिंकु की मौत हो गयी थी। इस मामले में मृतक के साथी नौशाद के बयान पर मुर्शीद खान सहित अन्य के खिलाफ हिंदपीढ़ी थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इस केस का अनुसंधान तत्कालीन थाना प्रभारी विनय कुमार, एसआई रंजन कुमार और एसआई और केस के आईओ होसेंग डांग कर रहे थे, तीनों पदाधिकारियों की अथत कोशिशों से पांच अपराधी पकड़े गये, पुलिस द्वारा कोर्ट में हत्या के सारे सबूत भी पेश किये गये जिसके आधार पर अदालत ने तीनों को उम्र कैद की सजा सुनायी।

एक को उपराष्ट्रपति, पांच को पीएम और 10 को राष्ट्रपति जायेंगे महाकुंभ

संवाददाता

रांची। महाकुंभ में 9 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक 1 फरवरी को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, 5 फरवरी को पीएम मोदी और 10 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का महाकुंभ का दौरा प्रस्तावित है। वहीं डॉक्टरों की टीम लगातार महाकुंभ में गंगाजल की जांच कर रही है। इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और कई छोटे-बड़े नेता महाकुंभ के दर्शन कर चुके हैं।

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़कर लोग गर्व महसूस कर रहे हैं : रोहित शारदा

रांची। भाजपा झारखंड प्रदेश के युवा नेता रोहित शारदा के नेतृत्व में डोरंडा बाजार स्थित श्री राम भरत मिलाप कार्यालय के समीप भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व सदस्यता अभियान के तहत सदस्यता अभियान चलाकर सैकड़ो लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई । इस मौके पर श्री शारदा ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और इस पार्टी से जुड़कर सभी खुद में गौरव महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर डॉ. तानिया चतुराज महिला मोर्चा महानगर की अध्यक्ष पायल सोनी, नम्रता सोनी डोरंडा मंडल भाजपा के अध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता मोटे सहित अन्य सदस्य , सदस्याता अभियान में अपना योगदान दिया।

पूर्व सीएम, सांसद, विधायक ने की हनुमान जी की पूजा-अर्चना

रांची। राजधानी के मेन रोड अल्बर्ट एक्का चौक स्थित नव निर्मित हनुमान मंदिर में पूर्व सीएम व पूर्व राज्यपाल रघुवर दास, सांसद संजय सेठ, रांची विधायक सीपी सिंह, भाजपा कार्य समिति सदस्य संजय जायसवाल ने राम भक्त हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सभी भक्तों के कल्याण की कामना की।

पूर्ण तन्मयता एवं विशेष सतर्कता के साथ नियमानुसार करे अपना काय : डीडीसी

संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार द्वारा महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड के द्वारा संचालित विभिन्न गृहों सम्प्रेक्षण गृह डुमरदगा रांची, राजकीय नेत्रहीन एवं मुकबधिर मध्य विद्यालय हरमू, रांची एवं सहयोग विलेज, विशेष दत्तक ग्रहण संस्था का निरीक्षण किया गया।
जहां उप विकास आयुक्त द्वारा निरीक्षण के समय उक्त गृहों के कर्मियों को पूर्ण तन्मयता एवं विशेष सतर्कता के साथ नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया।
निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती सुरभि सिंह एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने पर निकाली गई बाईक रैली
रांची। राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में बुधवार को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किशोरी बालिकाओं, उनके अभिभावक, आंगनवाड़ी सेविकाएं आदि को उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का शपथ दिलाई गयी, साथ ही हरी झंडी दिखाकर बाईक रैली को रवाना किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित किशोरी बालिकाओं को बीच सैनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कलयाण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, वन स्टॉप सेन्टर, रांची के केन्द्र प्रशासक, एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रांची के कर्मी उपस्थित थे।

मंत्री ने किया हाजी हुसैन अंसारी कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

संवाददाता

रांची। जिनकी आंख नहीं है जो दुनिया को देख नहीं सकते मौलाना मुशर्रफ वह दीनी शिक्षा को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हम लोगों के पास आंखें हैं मगर फिर भी हम दीन का काम नहीं कर रहे हैं। उक्त बातें झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने बुधवार को जामिया अरबिया कासिमुल उलूम ब्यासी रांची में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।
उन्होंने कहा कि मैं एक मुहीम छेड़ रहा हूं कि लोग अपने वलीमा के खर्च का 5% हिस्सा शिक्षा में लगाए। अब समय ऐसा

है कि दीन और दुनिया दोनों तालीम को हासिल करना जरूरी है।
जामिया अरबिया कासिमुल उलूम बेयासी में एक दिवसीय वार्षिक समारोह और हाजी हुसैन अंसारी के याद में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र सह पुस्तकालय का उद्घाटन मंत्री ने फीता काट कर किया।
साथ ही 50 बेड का छात्रावास देने का वादा किया। विशिष्ट अतिथि मौलाना नसीम अनवर नदवी डायरेक्टर फातिमा गर्ल्स एकेडमी ने कहा इस तरह के एदारो को जो शिक्षा पर काम कर रहा है उसे बढ़ाने की जरूरत है। जहां शिक्षा होगी वहां अंधकार नहीं होगा। मौके पर बोलते हुए मदरसा के संस्थापक मौलाना मुशर्रफ जमाल कासमी ने कहा कि मदरसा 21 सालों से दीनी और दुनियावी तालीम दे रहा है। उर्दू के साथ हिंदी, इंग्लिश, मैथ, साइंस, कंप्यूटर की पढ़ाई कराई जाती है। मौलाना असगर मिस्बाही ने कहा कि ऑल इंडिया दीनी तालीमी बोर्ड जमीयत उलेमा हिंद शिक्षा पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर भी बने इंजीनियर भी बने खूब पढ़े लेकिन दुनिया के साथ दिनी तालीम भी हासिल करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना मुशर्रफ जमाल कासमी ने किया और संचालन मौलाना रिजवान दानिश ने किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प ुरस्कार देकर नवाजा गया। मंच पर रांची जिला जेएमएम अध्यक्ष मुश्ताक आलम, मो अर्शी, मोहम्मद परवेज आलम सचिव जमियतुल एराकीन देही हल्का छोटानागपुर, मौलाना नुरुल्लाह नदवी, मो जावेद बयासी, मौलाना डॉक्टर शौकत, हाजी जहीर, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

संवाददाता

रांची। गणतंत्र दिवस के आयोजन को लेकर बुधवार को उपायुक्त, मंजूनाथ भजंत्री ने गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर विभागीय झांकी प्रदर्शित किये जाने से संबंधित बैठक की। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभा कक्ष में आयोजित बैठक में विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन से संबंधित बनाए गए नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे।
बैठक में उपायुक्त ने विभागों द्वारा झांकी प्रदर्शन से संबंधित बनाये गए नोडल पदाधिकारियों से अब तक की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने सभी नोडल पदाधिकारियों को 25 जनवरी तक पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान सुव्यवस्थित तरीके से ससमय सभी नोडल पदाधिकारी झांकी का प्रदर्शन पूरा कराएं। झांकी निर्माण के लिए उपायुक्त द्वारा वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया। वाहनों की फिटनेस से संबंधित प्रमाण पत्र

उपलब्ध कराने और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच का निर्देश भी उपायुक्त द्वारा एमवीआई को दिया। गणतंत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के बाद लोग विभिन्न विभाग की झांकियों के दर्शन कर पाएंगे, उपायुक्त द्वारा इस दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मालूम कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, नीतियों पर आधारित तथा झारखंड की उत्कृष्ट कला, संस्कृति, परंपरा एवं धरोहर को प्रदर्शित करने वाली झांकियों का प्रदर्शन 11 विभागों द्वारा किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

बोकारो

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ कल मनाया जाएगा सेल स्थापना दिवस, तैयारी में जुटा बोकारो स्टील प्लांट

बोकारो। 24 जनवरी सेल स्थापना दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बोकारो स्टील प्लांट की ओर से तैयारी की जा रही है। पूर्वाहन 7:30 बजे सर्वप्रथम 'हैप्पी स्ट्रीट' कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। बोकारो स्टील प्लांट की विशेष पहल 'हैप्पी स्ट्रीट' द्वारा इस्पातनगरी में सकारात्मकता, स्वास्थ्य, और खुशहाली को बढ़ावा देने की मुहिम में नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इसे सफल बनाया। हैप्पी स्ट्रीट के समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चे, शहर के स्वयंसेवी संस्थान, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में जनसामान्य की भागीदारी होगी। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बी. के. तिवारी, अधिशासी निदेशक और अन्य अधिकारी भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से लोगों का उत्साहवर्धन करेंगे।
24 जनवरी को अपराह्न स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बोकारो क्लब के सिनेमा एरिना में एक भव्य संगीत संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा कई मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जिनमें नृत्य, संगीत, और अन्य प्रस्तुतियां शामिल होंगी। इस सांस्कृतिक संध्या में बोकारो के स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाएगा, जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सभी सेल कर्मी एवं उनके परिवार के सदस्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत संध्या में सादर आमंत्रित हैं। यह आयोजन न केवल महारत्न सेल के स्थापना दिवस की खुशी को साझा करने का एक अवसर होगा, बल्कि इसे सभी के लिए एक यादगार अनुभव बनाने का प्रयास भी होगा।

बोकारो में शांतिपूर्वक शुरू हुई जेईई मेन- 1 की परीक्षा, पहले दिन 33 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

बोकारो। इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित देश की सबसे प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य बुधवार को बोकारो में शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। पहले दिन यहां बनाये गए दोनों ही केंद्रों पर दोनों पालियों को मिलाकर कुल 658 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 33 कैंडिडेट अनुपस्थित रहे। एनटीए के सिटी कोआर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहा कि परीक्षा पूरी तरह से कदाचार-मुक्त शुरू हुई है। कहीं से भी किसी गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है। चास में नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल 111 में 105 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि छह अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र में दूसरी पाली में कुल 140 में 136 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और चार अनुपस्थित रहे। वहीं, चिकसिया में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल 220 में 208 कैंडिडेट ने परीक्षा दी। जबकि, 12 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में कुल 220 में 209 ने परीक्षा दी और 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डॉ. गंगवार ने परीक्षा के सुचारू एवं शांतिपूर्ण शुरूआत को लेकर केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों एवं जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है।

डालमिया भारत फाउंडेशन ने एक हजार से अधिक ग्रामीणों में बांटे कंबल

बोकारो। सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी सशक्त प्रतिबद्धता की कड़ी में भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनी डालमिया भारत फाउंडेशन ने बुधवार को बोकारो में एक सामुदायिक कल्याण को ले एक और कदम आगे बढ़ाया। डीबीएफ, डालमिया भारत लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शाखा है। इस पहल के तहत, गोड़ाबली उत्तर और दक्षिणी पंचायत, कनारी पंचायत, नरकारा पंचायत, जिला परिषद और ब्लॉक प्रमुख के गांववासियों के बीच 1,000 से अधिक कंबल वितरित किए गए, ताकि कड़ाके की ठंड से उन्हें राहत मिल सके। कंबल वितरण सुनील कुमार के भुसारी, यूनिट हेड, डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड, बोकारो और जिला परिषद सदस्य निशा हेम्ब्रम के नेतृत्व में किया गया। यह पहल डालमिया भारत फाउंडेशन की ग्रामीण समुदायों के सामाजिक-आर्थिक भलाई को सुधारने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो इसके संचालन क्षेत्रों में सतत आजीविका कार्यक्रमों और समर्थन उपायों के माध्यम से की जा रही है।

डीपीएस चास के 17 विद्यार्थी मैथ्स ओलंपियाड के शीर्ष 30 में शामिल

संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास बोकारो के विद्यार्थियों का गणित के क्षेत्र में जलवा देखने को मिला, जब विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन मैथ्स ओलंपियाड में राज्य में शीर्ष 30 रैंक के अंदर स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की। इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों में कक्षा-सातवीं के आलोक आनंद ने छठा, आदित्य कुमार ने आठवां, अनीश पांडेय तथा अरमान कुमार ने नौवां, आदित्य कुमार ने 11वां, आराध्या खंडेलवाल ने 12वां, सूरज कुमार दास ने 13वां, अनिकेत कुमार सिंह तथा कक्षा 12 के ऋषभ कुमार सिंह ने 14वां, कक्षा-आठवीं के हृषिकेष राज ने पंद्रहवां, कक्षा 12 के अंचित साहनी ने 18वां, सातवीं कक्षा के श्रेष्ठ रंजन ने 19वां, छठी के कुमार पृथ्वी सिंह ने 20वां, आठवीं के केशव डे, राजऋषि चक्रवर्ती, राजदीप मंडल तथा विराज अग्रवाल ने 25वां स्थान हासिल किया है। विद्यार्थियों की इस प्रकार की सफलता पर चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ऐसी परीक्षाएं छात्रों की कल्पना को प्रज्ज्वलित करती हैं और उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का अवसर प्रदान करती हैं।
विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि ओलंपियाड परीक्षाएं विद्यार्थियों को गणित के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है और ये उपलब्धियां उन्हीं प्रयासों का परिणाम है।

डेढ माह बाद शुरू हुआ कारो परियोजना का उत्पादन

संवाददाता

बेरमो/ बोकारो। सीसीएल बीएंडके एरिया के बंद कारो परियोजना का उत्पादन बुधवार से शुरू हो गया है। कोडरमा रीजन के डीजीएमएस की स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना का उत्पादन शुरू हुआ। परियोजना का शिफ्टिंग नहीं होने से खदान का विस्तार पिछले एक दिसंबर से ठप था। पिछले 27 दिसंबर को प्रबंधन ने खदान विस्तारीकरण में बाधा बने दुकान व मकान को विस्थापितों की सहमति से शिफ्टिंग कराने का काम किया था। तत्पश्चात कारो प्रबंधन ने परियोजना में ब्लास्टिंग को लेकर कोडरमा डीएमएस से पत्राचार किया था। जिसके बाद बुधवार को डीजीएमएस की ब्लास्टिंग स्वीकृति मिली। कारो परियोजना पदाधिकारी सुधीर सिंह ने बताया कि ब्लास्टिंग की स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना का कोयला उत्पादन शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वीकृति मिलने वाले पैच के भूगर्भ में लगभग 50 लाख टन कोयला रिजर्व है। बीएंडके प्रबंधन द्वारा कारो परियोजना प्रभावित कारो गांव के 134 आवासों को करगली गेट स्थित स्लैरी पौंड में शिफ्ट करना है। प्रबंधन द्वारा विस्थापितों को प्लॉट आवंटन करने के दिशा में पहल किया जा रहा है। पुनर्वास स्थल पर बीएंडके प्रबंधन की ओर से फिल्हाल मंदिर का निर्माण कराया जा चुका है। कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में कारो परियोजना को 17 लाख टन कोयला लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अनुरूप अब तक 16.40 लाख टन कोयला उत्पादन कर चुकी है। जबकि 3.75 लाख क्यूबिक मीटर ओबी निस्तारण किया गया है।

बोकारो के सात जूडो खिलाड़ी पुणे पहुंचे, राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे

बोकारो। बोकारो के सात जूडो खिलाड़ी अब झारखंड जूडो टीम के साथ कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुणे पहुंच चुके हैं। ये खिलाड़ी 22 से 25 जनवरी तक शिवा छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, वेलेवाडी पुणे महाराष्ट्र में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता में बोकारो से चयनित खिलाड़ी जयंत कुमार, राजवीर सिंह, प्रियांशु राज सिंह (एमजीएम स्कूल), खुशी उपाध्याय (क्रिसेंट पब्लिक स्कूल), जयश्री, इशिका कुमारी और प्रेशा कुमारी (गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 5) शामिल हैं। बोकारो जूडो संघ के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इन खिलाड़ियों का अथक परिश्रम और कड़ी मेहनत उनके चयन का कारण बने हैं।

पूर्व झाविमो प्रवक्ता रिंकी झा भाजपा में शामिल, पार्टी के लिए काम करने का लिया संकल्प

बोकारो। पूर्व झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) की प्रदेश प्रवक्ता और झारखंड हाईकोर्ट की अधिवक्ता रिंकी झा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय की उपस्थिति में रांची स्थित उनके आवास में भाजपा जॉइन की। रिंकी झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया और यह कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण से पार्टी के कार्यों में भाग लेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए वे अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

मकोली में आयोजित दस दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

संवाददाता

बेरमो/ बोकारो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के मकोली ग्राउंड में बुधवार को हिंदुस्तान क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित दस दिवासीय क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मैच का मुकाबला रजरप्पा 11 बनाम जाहिद 11 दुगदा के बीच खेला गया. पहले बल्लेबाजी करते हुए जाहिद 11 के खिलाड़ियों ने 12 ओवर में 120 रनों का लक्ष्य दिया. जवाबी पारी में रजरप्पा 11 के खिलाड़ियों ने 12 ओवर में 121 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत कर खिताब अपने नाम किया। मुख्य अतिथि कांग्रेस के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष छेदी नोनिया, शिवनंदन चौहान, स्पोंसर महेश सिंह, कन्हैया राय व पूर्व पार्षद आजाद चौहान ने विजेता टीम रजरप्पा 11 के खिलाड़ियों को नगद 25 हजार रुपए व बड़ा शील्ड तथा उपविजेता दुगदा 11 के खिलाड़ियों को नगद 15 हजार रुपए व छोटा शील्ड देकर सम्मानित किया। यहां मैन ऑफ दा सीरीज व मैन ऑफ दा मैच कन्हैया कुमार, बेस्ट कैच रोमी कुमार, बेस्ट फील्डर गौतम पांड्या, बेस्ट बल्लेबाज मुकेश कुमार व बेस्ट बॉलर का खिताब अमित कुमार को दिया गया। अंपायर की भूमिका महेश सिंह व राजा चौहान ने निभाई। मुख्य अतिथि श्री नोनिया ने कहा कि खेल हार जीत का है। हारने वाले टीम निराश न होकर प्रैक्टिस कर अपने खेल को उभारे। कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल की दुनिया से बाहर निकल कर अपने स्वास्थ्य को भी वक्त दें। कहा कि खेल से भाईचारा को भी बढ़ावा दिया जाता है। आयोजन को सफल बनाने में राजेश चौहान, अविनाश चौहान, अमित चौहान, सहेंदू चौहान, विजय कुमार, नीरज कुमार, हेमंत कुमार, मनीष कुमार, दीपक कुमार, रामाशीष कुमार, राजा चौहान, मो मेराज आदि ने अहम भूमिका निभाई।

ऑन लाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट में अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में ऑन लाइन जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन अनुमंडल अंतर्गत सभी प्रखंड के पंचायत सेवक के साथ किया गया। जिसमें मुख्य रूप से श्वेता गुड़िया जिला सहकारिता सह सांख्यिकी पदाधिकारी, सुमन गुप्ता जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, एनपी सिंह डिप्टी सुप्रिटेंडेंट फुसरो, शैलेन्द्र मिश्रा डीपीओ यूआईडी पदाधिकारी बोकारो एवं उपेंद्र कुमार यादव सहायक निबंधन सहयोग समिति पदाधिकारी के उपस्थिति में आयोजन किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने बताया कि आज के समय में सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं में भी जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र का बहुत महत्व है। जिससे ग्रामीणों को लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने आगे बताया कि जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को भी लांच किया गया है। वहीं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन गुप्ता ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के दस वर्ष पूर्ण होने पर सभी उपस्थित अधिकारी एवं पंचायत सेवकों को शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम को लेकर प्रथम बार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 22 जनवरी 2015 में इस कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया था। यह कार्यक्रम 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक सभी शहर, प्रखंड एवं गांव में चलाई जाएगी और लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुमंडल के सभी पंचायत सेवक एवं सुपर वाइजर सहित संबधित अधिकारी व कर्मचारी सैकड़ों की संख्या में मौजूद थे।

बीएसएल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का समापन

संवाददाता

बोकारो। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशानिर्देश में सड़क सुरक्षा के महत्व पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा माह हर साल जनवरी माह में मनाया जाता है। बीएसएल में मनाए गए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का समापन अधिशासी निदेशक संकार्य के कांफ्रेंस रूम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक संकार्य सी. आर. महापात्रा के साथ संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक, वरीय अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। समारोह के प्रारंभ में दिनांक 13-21 जनवरी तक मनाए गए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत किए गए गतिविधियों को वीडियो फिल्म के द्वारा दिखाया गया। तत्पश्चात सभी विभागों के पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार, सहायक महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) के द्वारा किया गया तथा मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं बी. के. सरतापे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के आयोजन में सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग के सहायक महाप्रबंधक नेहाल पासवान तथा सहायक प्रबंधक शशि सुमन का महत्वपूर्ण योगदान था।

सुखदेव भगत से मिले युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष

संवाददाता

बोकारो। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोहरदगा से सांसद सुखदेव भगत से मुलाकात की और बोकारो की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। खास तौर से औद्योगिक क्षेत्र के होने के बावजूद बेरोजगारी और विस्थापितों की समस्याओं को रखा। श्री शर्मा ने सांसद को बताया कि एक ओर जहां बोकारो को इस्पातनगरी के नाम से जाना जाता है, वहीं दूसरी ओर यहां के युवा छोटी-मोटी रोजगार के लिए भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। देव ने बताया कि बोकारो में स्थित प्रमुख कंपनियां, जैसे बोकारो स्टील प्लांट, सीसीएल, ओएनजीसी, ईएसएल, जिंदल और अन्य बड़ी व छोटी कंपनियां स्थानीय लोगों को नौकर समझकर उनके अधिकारों का उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने सांसद को स्मरण दिलाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा स्थानीय लोगों को 75 प्रतिशत रोजगार में प्राथमिकता देने की बात कही गई थी, लेकिन कई कंपनियां इसे नजरअंदाज कर रही हैं, जिसके कारण स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश बढ़ रहा है। शर्मा ने यह भी कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद से बड़े उद्योगपतियों द्वारा मजदूरों और आमलोगों का खुलेआम शोषण हो रहा है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि देश के बड़े उद्योगपति ही देश की दिशा-निर्देश चला रहे हैं। इसके साथ ही, बीएसएल द्वारा विस्थापित गांवों के लिए निर्धारित पेरीफेरल डेवलपमेंट फंड का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे विस्थापित गांवों की स्थिति अत्यधिक दयनीय हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जबकि शहर में क्वार्टरों की पर्याप्त उपलब्धता है, फिर भी विस्थापितों को क्वार्टर आबंटन में बीएसएल द्वारा कोताही बरती जा रही है। बोकारो के लोग समान काम के लिए समान वेतन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित भुगतान नहीं मिल रहा है। सांसद सुखदेव भगत ने देव शर्मा की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वे इन समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र पहल करेंगे।

खुटरी में झामुमो ने बनाए नए सदस्य

संवाददाता

बोकारो। जरीडीह प्रखंड खुटरी पंचायत के दर्जनों युवाओं और महिलाओं ने बुधवार को संयोजक मंडली के सदस्य मोहन मुर्मू के समक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों से बात करते हुए मुर्मू ने कहा कि पूरे जिले से 50 हजार युवा साथी पार्टी से जुड़ रहे हैं। सभी लोग आगामी 4 फरवरी को धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में पहुंचकर पार्टी का स्थापना दिवस मनाएं। कहा कि प्रखंड के 17 पंचायतों में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिला और प्रखंड संयोजक मंडली उत्साहित नये सदस्यों का स्वागत कर रही है। मौके पर पंसस राजाराम सोरेन, तुलसी मरांडी, आजाद अंसारी, सोनाराम मांझी, विभीषण मुर्मू , कार्तिक मांझी आदि मौजूद रहे।

तेनुघाट में हुआ गणतंत्र दिवस का पूर्वाभ्यास

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को लेकर चिल्ड्रेन पार्क में परेड अभ्यास जवाहर नवोदय विद्यालय, डी ए वी पब्लिक स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवास विद्यालय पेटरवार एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गोमिया के छात्र छात्राओं के द्वारा किया गया। परेड का निरीक्षण कार्यपालक दंडाधिकारी कनिष्क कुमार, अधिवक्ता सह पत्रकार वीरेंद्र प्रसाद और ओपी प्रभारी अजीत कुमार के द्वारा किया गया। 26 जनवरी को आठ बटालियन में परेड किया जाता है। जिसमें तेनुघाट अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं का अहम सहयोग रहता है। क्षेत्र के कई औद्योगिक संस्थाओं एवं विद्यालयों के द्वारा आकर्षक झांकियां दिखाई जाती है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की 10वीं वर्षगांठ का आयोजन

बोकारो। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की 10वीं वर्षगांठ 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक मनाई जाएगी। यह योजना बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए अथक प्रयासों का प्रतीक है। इस उत्सव में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे रैलियां, सांस्कृतिक आयोजन, सम्मान समारोह, और संकल्प गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। खासतौर पर इस अभियान के दौरान स्कूली छात्राएं, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सफल महिलाएं और सामुदायिक समूहों को शामिल किया जाएगा। 22 जनवरी को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता और अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी उपस्थित अधिकारियों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना से संबंधित शपथ दिलाई और इस अभियान के संदेश को देशभर में प्रचारित करने का संकल्प लिया।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, बोकारो

मूल वाद संख्या 32/2024

संजय कुमार धार .....आवेदक।

बनाम

संध्या देवी ..... विपक्षी।

नोटिस बनाम :

संध्या देवी पति संजय कुमार धार, पिता नन्दलाल पाल, पता मछली पट्टी नियर दूर्गा मन्दिर, मेन रोड, पोस्ट व थाना-चास, जिला-बोकारो, झारखण्ड।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक ने आपके विरूद्ध उपरोक्त वाद हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13 (1) (i-a) (i-B) के तहत न्यायिक पृथक्करण हेतु दाखिल किया है। आपको उपरोक्त मुकदमा में नजारत एवं रजिस्ट्री पोस्ट के माध्यम से सुचित किये जाने के बाद भी आप उपस्थित नहीं हो रहे है।

अतः आपको निर्देश दिया जाता है कि आप दिनांक 11.02.2025 को प्रातः 10.30 बजे दिन में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित हो तथा यदि कोई लिखित व्यान देना चाहे तो अपना लिखित ब्यान दाखिल करे अन्यथा उपरोक्त वाद की सुनवाई एकपक्षीय कर दी जायेगी।

ह./-

न्यायालय प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बोकारो।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मधुकरपुर निवासी पिंटू कुमार नायक के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन

बेरमो। बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के मधुकरपुर निवासी पिंटू कुमार नायक के हरियारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग को जिला परिषद की अध्यक्ष सुनीता देवी ने मंगलवार को बोकारो के आरक्षी अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले 12 जनवरी को मायापुर निवासी पिंटू कुमार नायक की अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर हत्या कर दी। लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन अपराधियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई करने में विफल रही है। इससे पूर्व एक प्रजापति युवक की अपराधियों द्वारा हत्या कर दी थी, जिसके अपराधियों की भी आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा और 12 जनवरी को कसमार के मधुकरपुर निवासी पिंटू कुमार नायक की अपराधियों ने घर में घुसकर हत्या कर दी। यदि एक सप्ताह के अंदर पुलिस प्रशासन द्वारा अपराधियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो स्नेही समाज, तेली युवा मंच, विस्थापित स्लैग कंपार्टमेंट मोर्चा, तैलीक कल्याण समिति एवं संबंधित मोर्चा आंदोलन करने को विवश होगी। जिप अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि बोकारो जिला आईटी सेल सहित प्रशासन तत्परता से कम कर रहा है लेकिन इस मामले में पुलिस प्रशासन कोताही बरत रही है। जिससे समाज के लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी ज्ञानेश्वर प्रसाद ने कहा कि अपराधी बेखौफ हो गए हैं। विधि व्यवस्था ठीक नहीं है। पुलिस प्रशासन का ढुलमुल रवैया से समाज में संतोष पनप रहा है इसलिए यदि कार्रवाई नहीं हुई तो समाज उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे।

दहेज हत्या के दोषी को दस वर्ष सश्रम कारावास

तेनुघाट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने जरीडीह थाना अंतर्गत तुपकाडीह निवासी बिनोद सिंह को दहेज हत्या के मामले में सिद्ध दोषी पाने के बाद दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। मालूम हो कि वाद की सूचिका धनबाद जिला के बाघमारा थाना अंतर्गत नवागढ़ निवासी उषा देवी जरीडीह थाना प्रभारी के पास बयान दर्ज कराया कि उसकी पुत्री की शादी बिनोद सिंह के साथ 13 मई 2022 को हुई थी। उन्हें 21/10/2022 की सुबह सूचना मिली कि उनकी पुत्री की तबीयत खराब हो गई है और उसे जैनामोड़ अस्पताल में भर्ती किया गया है। कुछ देर बाद पता चला कि उनकी पुत्री की मृत्यु हो गई है। सूचिका की पुत्री को उसके पति और ससुराल वालों के द्वारा दहेज को लेकर हमेशा प्रताड़ित किया जाता था। उनकी पुत्री को दहेज को लेकर दामाद बिनोद सिंह के द्वारा हत्या कर दी गई है। आरोप पत्र समर्पित होने के बाद मामला स्थानांतरित होकर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी के न्यायालय में आया। न्यायालय में उपलब्ध गवाह एवं दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बहस सुनने के बाद जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने दहेज हत्या के मामले में बिनोद सिंह को सिद्ध दोषी पाने के बाद दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू के साथ वरीय अधिवक्ता संजय कुमार सिंह ने बहस किया।

आंगनबाड़ी सहायिका चयन की आमसभा रद्द

सिंदरी। 22 जनवरी को गुरुद्वारा मोड़ स्थित पटेल नगर बारी बस्ती मैदान में आंगनबाड़ी सहायिका चयन के लिए आयोजित आमसभा को दस्तावेजों की कमी और सूचना प्रबंधन में खामियों के कारण रद्द कर दिया गया। बलियापुर ब्लॉक की सीडीपीओ श्रीमती अल्का रानी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में, वार्ड 55 के पार्षद साहेब राम हेंब्रम किसी कारणवश अनुपस्थित रहे, जबकि पूर्णिमा मरांडी, रूमा कुमारी सोरेन और सेविका लखी देवी उपस्थित थीं।सभा में शामिल होने वाले कई उम्मीदवारों, जैसे गीता देवी, फोकनी देवी, सरोजनी देवी, सुनीता बाउरी, सीता बाउरी, लखी बाउरी, पार्वती कालिंदी आदि के पास आवश्यक दस्तावेज जैसे जाति और आवासीय प्रमाण पत्र नहीं थे, जिससे चयन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर इस सभा के लिए कोई नोटिस नहीं भेजा गया और न ही घर-घर जाकर प्रचार किया गया। इसके परिणामस्वरूप कई उम्मीदवारों को समय पर जानकारी नहीं मिल पाई। सीडीपीओ श्रीमती अल्का रानी ने इस स्थिति को स्वीकार किया और कहा कि सूचना प्रबंधन में चूक हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आगामी तिथि पर प्रक्रिया को पारदर्शिता और उचित तरीके से दोबारा आयोजित किया जाएगा, ताकि उम्मीदवारों को बिना किसी समस्या के चयन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिल सके।

टेलीकॉम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

फुसरो। महिला कल्याण समिति ढोरी बोकारो द्वारा मंगलवार को ट्राई भारत सरकार के सौजन्य से किसानों के लिए सूरत पाण्डेय डिग्री कॉलेज गढ़वा में टेलीकॉम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में राहुल देव ए एसपी गढ़वा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएच अंशु एसडीओ बीएसएनएल गढ़वा, निकलेश चौबे प्रिंसिपल एसपीडी कॉलेज गढ़वा, केएन दूबे, पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा, रमाशंकर चौबे सचिव जनक विकास धारा गढ़वा, प्रो० उमेश सहाय, अखिलेश पाठक शिक्षक प्रतिनिधि, डॉ० अरविंद कुमार गुप्ता, प्रो० सत्यदेव कुमार, प्रो० धीरज मिश्रा ने भाग लिया। कार्यक्रम का विषय एसडीएम बीएसएनएल ने छात्र छात्राओं को ट्राई भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी प्रिंसिपल एसपीडी ने छात्र-छात्राओं को साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने हेतु जागरूक किया। मुख्य अतिथि ने टेलीकॉम उपभोक्ताओं के साथ हो रही साइबर अपराधियों द्वारा हो रही धोखाधड़ी और इससे बचने के उपायों और अपने पुलिस विभाग के अनुभवों के बारे में जानकारी दी। सीएजी मेंबर टाई झारखंड रीजन सह मकस महासचिव श्याम कुंवर भारती ने प्रतिभागियों को ट्राई की योजनाओं का कैसे लाभ उठाया जा सकता है पर प्रकाश डाला और बताया और कहा कि ट्राई के चैनल से जुड़ें ताकि सभी सूचनाओं से आप सभी अवगत होते रहेंगे। प्रोजेक्टर के माध्यम से ट्राई द्वारा निर्मित प्रेजेंटेशन और कई वीडियो दिखाकर जागरूक किया गया। कार्यकम के आयोजन में राजेश चौधरी और विकास कुमार गौतम ने सराहनीय योगदान दिया। सभा अध्यक्ष रामाशंकर चौबे के धन्यवाद ज्ञापन के बाद सभा की समाप्त की गई।

अनिश्चितकालीन चक्काजाम आंदोलन को लेकर छाई व कोयला ट्रांसपोर्टिंग रहा प्रभावित

संवाददाता

बेरमो। झारखंड ओवरलोड छाई, कोयला एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण समन्वय समिति द्वारा प्रदूषण के खिलाफ पूर्व घोषित अनिश्चितकालीन चक्काजाम आंदोलन के तहत बुधवार को फुसरो-जैनामोड़ मुख्य मार्ग में ओवरलोड छाई व कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे हाईवा का परिचालन बंद रहा। छिटपुट को छोड़कर कर ट्रांसपोर्टिंग में लगे हाईवा नहीं चले। इस दौरान सीसीएल व डीवीसी की छाई व

कोयला ढुलाई कार्य प्रभावित रहा। आंदोलनकारी सहित पिछरी के ग्रामीण सुबह से सड़क में उतरकर छाई व कोयला लदे हाईवा को रोका और चालक से वाहन को नहीं चलाने का आग्रह किया। इसके बाद हाईवा चालक ने अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर खड़ा कर दिया।

समिति अध्यक्ष सूरज महतो ने कहा कि हाइवा द्वारा हो रहे ट्रांसपोर्टिंग से छाई सड़क में जहां तहां गिरता है और उनके उड़ने वाले धूल कण से ग्रामीण काफी परेशान है। कहा कि वायु प्रदूषण से होने वाले गंभीर बीमारी से पिछरी, तांतरी, मानगो सहित आसपास के ग्रामीण त्रस्त हैं। कहा कि बीते 23 दिसंबर को बेरमो प्रखंड कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में हुई बैठक में बनी सहमति को अविलंब लागू किया जाय। बेरमो एसडीएम हाइवा ट्रांसपोर्टरों को यातायात नियमों को पालन करने एवं पानी छिड़काव करने का निर्देश जारी किया था। लेकिन वायु प्रदूषण पर रोकथाम नहीं किया गया। ट्रांसपोर्टर बैठक में हुए समझौते का पालन नहीं कर रहे हैं। मौके पर रामभजन लायक, जगेश्वर नायक, शिकारी सिंह, गोविंद रजवार आदि मौजूद थे।

प्रोजेक्ट छलांग द्वारा आयोजित खेल उत्सव में बच्चों की अद्धितीय प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन

संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के आदर्श +2 विद्यालय के खेल मैदान में अभिव्यक्ति फाउंडेशन द्वारा आयोजित खेल उत्सव का आयोजन एक बड़ी सफलता साबित हुआ। यह खेल उत्सव न केवल खेलों को बढ़ावा देने का एक प्रयास था, बल्कि इसके माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण कदम भी था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था झ जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को सुदृढ़ करना और स्थानीय बच्चों के खेल कौशल को निखारना। इस खेल उत्सव में गिरिडीह जिले के 24 विद्यालयों के 650 से अधिक बच्चों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और विभिन्न खेल स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खेलों में शामिल प्रतिस्पधाओं में खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स जैसी खेलें थीं, जिनमें बच्चों ने अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता का पूरा उपयोग किया। खास बात यह

थी कि इन खेलों में बालक और बालिका दोनों ने समान उत्साह और परिश्रम के साथ भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम और भी विशेष बन गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे से हुई और समापन शाम 4 बजे हुआ। इस दौरान बच्चों के जोश और उत्साह को देखते हुए, उनके साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों का उत्साह भी बहुत देखने योग्य था। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक विद्यालय से शिक्षकगण बच्चों के साथ पूरे समय उपस्थित रहे और उनका मार्गदर्शन करते रहे। खेलों के आयोजन में समुदाय के अभिभावकों, प्रमुख जनों और वालंटियर्स का भी सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ, जो कार्यक्रम की व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुआ। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता बच्चों को स्वर्ण, रजत, और कांस्य पदक के साथ-साथ ट्रॉफी भी प्रदान की गई। इन पुरस्कारों से बच्चों का मनोबल और भी ऊंचा हुआ और उन्होंने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा हर क्षेत्र में प्रकट होती है, चाहे वह गांव हो या शहर। प्रोजेक्ट छलांग, दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन की एक पहल है, जो झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के सहयोग से पिछले 3 वर्षों से गिरिडीह जिले के 50 विद्यालयों और राज्य के 8 जिलों में शारीरिक साक्षरता और 21 वीं सदी के कौशलों को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रही है।

अबुआ आवास की लंबित राशि को लेकर मुखिया संघ का आक्रोश

संवाददाता

हंटरगंज। बुधवार को खूंटीकेवाल पंचायत सचिवालय में प्रखंड मुखिया संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया संघ के उपाध्यक्ष योगेंद्र यादव ने की। इस दौरान संघ के सदस्यों ने अबुआ आवास योजना की लंबित राशि को लेकर सरकार पर नाराजगी व्यक्त की।मुखिया संघ के उपाध्यक्ष योगेंद्र यादव और सचिव सोनी देवी ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत गरीब लाभुकों को मकान निर्माण के लिए राशि दी जा रही है, लेकिन किस्तों का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है। लाभुक बार-बार प्रखंड कार्यालयों का

चक्कर लगा रहे हैं, जिससे उनकी परेशानियां बढ़ रही हैं। संघ ने बीडीओ और उपायुक्त से मांग की कि जल्द से जल्द लंबित राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि लाभुक समय पर अपना आवास पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि गरीब व्यक्ति अपनी सीमित आय के बावजूद योजना का लाभ लेने के लिए आश्रित हैं, लेकिन प्रशासन की सुस्ती उनके काम में बाधा डाल रही है। बैठक में मनोज पासवान, दिलीप दास, राम बाबू, बृज किशोर सिंह, दूधनाथ यादव और अजय कुमार समेत दर्जनों मुखिया उपस्थित थे। सभी ने मिलकर इस मुद्दे पर प्रशासन को ज्ञापन देने और समस्या के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की।

विधायक और जिप अध्यक्ष ने स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन किया

हंटरगंज। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि चतरा विधायक जनार्दन पासवान और विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर और फीता काटकर किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सहिया दीदियों ने पारंपरिक ढंग से अतिथियों का स्वागत किया। विधायक और जिप अध्यक्ष ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और खुद भी बीपी और आंखों की जांच करवाई। स्वास्थ्य मेले में करीब एक दर्जन काउंटर लगाए गए थे, जिनमें सबसे अधिक भीड़ आयुष्मान कार्ड बनवाने के डिजिटल काउंटर पर देखी गई। मेले में आए मरीजों का मुफ्त इलाज किया गया और दवाइयां भी वितरित की गईं। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य मेले से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान हो रही है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

चतरा। भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उपाध्यक्ष ब्रिज किशोर तिवारी और उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कार्यशाला में कक्षा 9 से 12 तक की प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्राएं, कबड्डी, ताइक्वांडो और स्केटिंग में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर प्रदर्शन करने वाली बालिकाएं, सेविका-सहायिका, पोषण सखी, और पंचायती राज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देना, उनके लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना, लिंग आधारित हिंसा और भेदभाव को समाप्त करना, और उनकी शिक्षा व पोषण को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के दौरान खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने कन्या भ्रूण हत्या और लिंग भेद के खिलाफ शपथ ली।

उन्होंने प्रतिज्ञा की कि लड़कियों को समान अधिकार और शिक्षा प्रदान की जाएगी, और उन्हें सशक्त नागरिक बनाने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

गिरिडीह में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्षों के समापन के उपलक्ष्य में विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों की बच्चियों ने मानव श्रृंखला बनाकर इस अभियान का संदेश फैलाया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज में लिंग आधारित भेदभाव को कम करने, बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की गईं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप ने बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बेटियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में व्याप्त गलत धारणाओं को समाप्त करने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बालिकाओं के लिए अधिक अवसरों का समर्थन करना, शिक्षा, कानूनी अधिकार, चिकित्सा, देखभाल, महिलाओं के प्रति हिंसा, और बाल विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर जागरूकता फैलाना है। श्रीमती कश्यप ने यह भी बताया कि यदि हम समाज में बेटी के जन्म को लेकर फैली गलत धारणाओं को दूर करने में सफल होते हैं, तो हम एक मजबूत और

सकारात्मक समाज की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान किशोरियों को उनके जीवन के चार मुख्य अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार और सहभागिता का अधिकार शामिल थे। साथ ही, बाल विवाह रोकने, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। यह जागरूकता अभियान समाज में महिला अधिकारों और समानता के प्रति एक नई दिशा देने का प्रयास है, जिससे एक समान और प्रगतिशील समाज की स्थापना हो सके। समारोह के अंत में समाज को यह संदेश दिया गया कि हमें लड़कियों के जन्मदर अनुपात को समान करना है और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को खत्म करना है।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बलियापुर। पलानी में बुधवार को एमएसडीआई सेंटर बेलगड़िया में माले नेत्री सीमा देवी के नेतृत्व में बेलगड़िया दुर्गा पूजा समिति द्वारा एएसजी आई हॉस्पिटल के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन बलियापुर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने फीता काटकर किया, जिससे इस सेवा कार्य की शुरूआत हुई। इस अवसर पर एएसजी आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ० संजय कुमार रजक और मैनेजिंग डायरेक्टर रवि कुमार सिन्हा ने शिविर की समस्त व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा शिवेश सिंह भी इस शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय रूप से जुड़े रहे। शिविर में मुख्य रूप से मकुन्दा पंचायत समिति के हीरालाल मोदक, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, बबलू बावरी, आमोद बावरी, राजा रवानी, कन्हाई रवानी, करण पांडे, प्रेम चौहान, बुंदेलश्वर पासवान, जितेंद्र साव, संजीत केशरी, विशाल पासवान, सूरज कुमार रजक सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस शिविर में आसपास के गांवों के सैकड़ों लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई और मुफ्त उपचार की जानकारी प्राप्त की।

कोयला श्रमिक के हितों की रक्षा यूनियन का दायित्व : राजेश

करीब 50 से ज्यादा श्रमिकों ने ली आरकेएमयू की सदस्यता आरकेएमयू के कार्य समिति की हुई ढोरी में बैठक

संवाददाता

बेरमो। श्रमिक संगठन राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन की बेरमो के ढोरी स्थित प्रधान कार्यालय में बुधवार को कार्य समिति की बैठक हुई। कार्यक्रम की शुरूआत संगठन के महामंत्री राजेश कुमार सिंह द्वारा आरकेएमयू के ध्वजारोहन से हुई।

इसके बाद प्रतिनिधियों ने संगठन के संस्थापक व पूर्व सांसद दिवंगत रामदास सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित की गई। संबोधित करते हुए

महामंत्री व जेबीसीसीआई के सदस्य राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस संगठन की नीव ही परिश्रमी श्रमिक भाइयों के आवाज को बुलंद करने व उनके अधिकार की रक्षा करने से हुई। महामंत्री श्री सिंह ने कहा कि पद आता है, जाता है।

लेकिन श्रमिकों का विश्वास बना तब संगठन बुलंदी पर और भरोसा खोया तो रसातल पर पहुंच जाता है। श्री सिंह ने सभी प्रतिनिधियों को मजदूरों की आवाज बने रहने की नसीहत दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन का हर एक कार्यकर्ता का एकमात्र लक्ष्य श्रमिकों का विश्वास अर्जित करने, उनके सुख-दुःख में भागीदार बनने व उनकी सुविधाओं को दिलाने की बात कही। श्री सिंह ने संगठन में शामिल होने वाले सभी लोगों को फूल माला और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन बीएंडके क्षेत्र के सचिव गजेंद्र प्रसाद सिंह ने किया।

यहां सीसीएल के सचिव ललन सिंह, रजहारा क्षेत्र से केएन पांडेय और कथारा क्षेत्र के सचिव विजय कुमार सिंह ने संगठन के द्वारा भविष्य में होने वाले कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय समिति के पदाधिकारियों की रूप रेखा पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में इन्होने रखे विचार

एनके क्षेत्र से सुनील कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य आकाश लाल सिंह, ढोरी क्षेत्र से महारूद्र सिंह, बरका सयाल क्षेत्र से देवेंद्र कुमार सिंह, हजारीबाग क्षेत्र से विनोद सिंह, अरगड्डा क्षेत्र से जन्मजय सिंह, पिपरवार क्षेत्र से भीम प्रसाद मेहता, मगध से मनिंदर सिंह, रजरप्पा क्षेत्र से प्रदीप प्रसाद आदि लोग ने अपने विचार संगठन की मजबूती को लेकर रखा।

ये लोग हुए राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन में शामिल

गोमिया क्षेत्र से जिला परिषद के सदस्य आकाश लाल सिंह, ढोरी क्षेत्र से अंगद सिंह, रवि साहनी, अभिषेक शर्मा, शंकर कुमार, चंदन गिरि, सतेंद्र चौहान, युगेश चौहान, गुप्तेश्वर चौहान, कोलेश्वर ठाकुर, दीपक चौहान, हेमंत मडल, सिकंदर चौहान, किशोर कुमार, संतोष दिगार, गिरिडीह क्षेत्र से दौलत हजाम, निरपत साव, सुगुण बाउरी, कुज्जू से पिंटू मंडल, संजय मुंडा, इंद्रदेव मंडल, कथारा से मो. जाफर, मो. असफाक सहित दर्जनों लोग थे।

मुख्य रूप से उपस्थित थे

सुशील कुमार सिंह, गणेश राम, मो मिनाजुल, विनय राम, मो नूर आलम, खगेश्वर रजक, सुधीर कुमार सिंह, शक्ति सिंह, नागवंत प्रसाद, लाल बहादुर सिंह, विकास सिंह, बैरिस्टर सिंह, कुंज बिहारी प्रसाद, रमेश स्वर्णकार, महेंद्र सिंह, सत्यप्रकाश सिन्हा, अभिजीत बाउरी, अनिल मोदी, मोहन शर्मा, रवींद्र साहनी, उमाशंकर कुमार, पंकज मंडल आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

स्थापना दिवस मनाने के लिए व्यापक आयोजन की बनाई योजना

सिंदरी। अखिल भारतीय बाउरी समाज कल्याण समिति का स्थापना दिवस 2 फरवरी को मैथन में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए समाज के सदस्य पूरी तैयारी में जुटे हुए हैं। सीमाटांड़ स्थित समीर बाउरी के आवास पर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में कार्यक्रम के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इस बैठक में समाज के प्रमुख सदस्य और कई गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे। समाज के सदस्य जैसे धनबाद ग्रामीण जिला अध्यक्ष तपन बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष डब्लू बाउरी, समाज के अन्य प्रमुख सदस्य प्रकाश बाउरी, विष्णु बाउरी, समीर बाउरी, सुजीत बाउरी, उमेश बाउरी, अभय बाउरी, कार्तिक बाउरी, मनोज बाउरी, विक्की बाउरी, राहुल बाउरी, राजीव बाउरी, मनोरंजन बाउरी, रंजीत बाउरी और अन्य कई समाज के प्रमुख लोग इस बैठक में शामिल हुए थे। इस बैठक में यह तय किया गया कि स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज के हर एक सदस्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि यह कार्यक्रम समाज की एकता, समृद्धि और भाईचारे का प्रतीक बने। समाज के योगदान और संस्कृति को सम्मानित करने के इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के बीच आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना और नए पीढ़ी को अपने समाज की धरोहर से परिचित कराना है।

जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

बलियापुर। बलियापुर रोड स्थित जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा 'हमारा संविधान, हमारा अभिमान' के तहत संविधान गौरव अभियान के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रोचक आयोजन में छात्र-छात्राओं ने कठिन प्रश्नों का सही जवाब देकर शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिन्हा, धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष सरवन राय, भाजपा के कोषाध्यक्ष, जेपी हॉस्पिटल और जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष प्रदीप मंडल, जिला महामंत्री मानस प्रसून, युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अमलेश सिंह ने अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष, धनबाद महानगर, जेपी ग्रुप का हॉस्पिटल और जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. किमी नित्यानंद मंडल ने आयोजन को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में डी फार्मा प्राचार्य नीलम सिंह, नर्सिंग प्राचार्य सोमनाथ भट्टाचार्य, असिस्टेंट प्रोफेसर गोपाल पासवान, असिस्टेंट प्रोफेसर श्याम प्रकाश राय, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियांशु कुमारी, ले. पुतुल मित्र, ले. मोनिका महतो, ले. वर्षा रानी, ले. लक्ष्मी कुमारी सहित समस्त स्टाफ, आमंत्रित अतिथि, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

संकल्प एजुकेशन ने मनाया देश प्रेम दिवस

कतरास। संकल्प एजुकेशन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के पूर्व संध्या पर कतरास स्थित अंगार पथरा में देश प्रेम दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्था द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विषय था ह्यदेश के प्रति हमारा कर्तव्यह्न। छात्रों ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और देशभक्ति को लेकर अपनी भावनाएँ साझा कीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक सहदेव महतो ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और उनके संघर्षों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए जो बलिदान दिया, वह हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने वर्तमान समाज की कुछ विकृतियों का भी उल्लेख किया और कहा कि, ₹हमें अपने कर्मों से देश को खुशहाल बनाना होगा।₹ इस अवसर पर संकल्प एजुकेशन के प्रबंध निदेशक मनोरमा देवी, शैलेंद्र यादव, रूपा महतो, इशिका कुमारी, शीतल कुमारी, रानी कुमारी, हर्षिका कुमारी, अक्षत कुमार, आयुष चरण शर्मा, मानवी कुमारी, दया कुमार राम, गोल्डन कुमार, विराट प्रकाश, अजय कुमार सहित कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपक कुमार साव, बैजनाथ केवट, सुभाष कुमार और ऋषि का विशेष योगदान रहा।

कुमारधुबी में रेलवे ने फिर चलाया बुलडोजर, 40 मकान ध्वस्त

कुमारधुबी। आसनसोल रेल मंडल ने कुमारधुबी क्षेत्र में एक बार फिर अवैध कब्जा हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान कुमारधुबी रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे स्थित लगभग 40 मकान, दुकान और खटालों को ध्वस्त कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण के लिए की जा रही है, जो दिल्ली से कोलकाता तक माल ढुलाई के लिए एक अलग रेल लाइन बनाए जाने का हिस्सा है। हालांकि, इस कार्रवाई से प्रभावित परिवारों ने विरोध जताया और पुनर्वास की मांग की। भाकपा के राज्य कमेटी सदस्य नागेन्द्र कुमार, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मुखिया पति संजय यादव सहित अन्य नेताओं ने कहा कि गरीबों को बेघर करने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। स्थानीय लोगों का कहना था कि पिछले दो वर्षों से आसनसोल रेल मंडल ने नोटिस देकर उन्हें अवैध कब्जे से हटने को कहा था, लेकिन किसी भी स्थानीय प्रशासन या जनप्रतिनिधि ने उन्हें बसाने की ठोस योजना नहीं बनाई।

धनबाद में साइबर ठगी के खिलाफ पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

सुनील जैन के घर से छह अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

धनबाद। धनबाद में साइबर ठगी के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद के आदेश पर साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस उपाधीक्षक के मार्गदर्शन में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। इस टीम ने धनसार थाना क्षेत्र के जोराफाटक रोड स्थित नंदलोक अपार्टमेंट में छापामारी की, जहां से साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हुआ।पुलिस ने इस छापामारी के दौरान नंदलोक अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 303 में रह रहे सुनील कुमार जैन के घर से

छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इन अभियुक्तों के पास से वह मोबाइल नंबर भी बरामद हुआ, जिसका उपयोग साइबर ठगी में किया जा रहा था। इन लोगों ने ऑनलाईन लोन दिलाने के नाम पर लोगों से विभिन्न तरह के कमीशन, रजिस्ट्रेशन चार्ज और अन्य प्रकार के शुल्क लेकर साइबर ठगी की थी। वे टेलीग्राम ऐप, फेसबुक मैसेंजर और व्हाट्सएप के जरिए लोगों से संपर्क कर फर्जी खाता खोलकर पैसे ट्रांसफर करवाते थे। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि अभियुक्तों ने जाँच से बचने के लिए दूसरों के नाम पर फर्जी सिम कार्ड भी खरीदी थी। बरामद मोबाइल नंबरों के खिलाफ तेलंगाना और राजस्थान राज्यों में साइबर ठगी के मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में आरोपियों पर 75,000 रुपये और 9,000 रुपये की ठगी का आरोप है।पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान 13 मोबाइल फोन, 14 सिम कार्ड और साइबर ठगी से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए। इस गिरोह के सदस्य विभिन्न राज्यो में साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे, और इसके खिलाफ राष्ट्रीय अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर कई शिकायतें भी दर्ज की गई हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में राहुल कुमार पासवान नालंदा, बिहार, राजीव रंजन नालंदा, बिहार, एन. विजय तेलंगाना, पी. अनिल कुमार तेलंगाना, श्रीनू तेलंगाना और रमेश रातोड़ा तेलंगाना शामिल हैं। इस कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों में पु०नि० अक्षय कुमार राम, पु०नि० बिष्णु गोस्वामी, पु०नि० रजीत कुमार, स०आ०नि० मो. इफ्तेखार अहमद, स०अ०नि० सुदर्शन राम, आ० दीपक कुमार पासवान, आ० मोतीलाल रविदास और आ० मुकेश कुमार महती शामिल थे। पुलिस ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर धनबाद में साइबर ठगी के खिलाफ एक बड़ी जीत हासिल की है और इसके साथ ही लोगों को साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूक किया है।

राजस्थानी धर्मशाला में पुलिस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम शिविर संपन्न

अधिकांश मामले भूमि संबंधित आए

संवाददाता

कतरास। कतरास राजगंज रोड स्थित राजस्थानी धर्मशाला में पुलिस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत तीसरे शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा, एसएसपी धनबाद एच पी जनार्दन, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, यातायात डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, सुनील कुमार शर्मा, और नगर प्रबंधक साबिर आलम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड सरकार और जीपी का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य है कि फरियादियों को तत्काल न्याय मिल सके और पुलिस व पब्लिक के बीच प्रगाढ़ संबंध स्थापित हो सके। वहीं, एसएसपी एच पी जनार्दन ने बताया कि कार्यक्रम में आए लोग अपनी

शिकायतें लिखित या मौखिक रूप से थाना में दर्ज कर सकते हैं और उन्हें शिकायत की पावती भी दी जाएगी।ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी और नागरिकों से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की तत्कालीन शिकायत हो तो 112 डायल करें। शिविर में आए अधिकांश मामलों में भूमि संबंधित शिकायतें थीं, इसके अलावा नगर निगम से संबंधित और मारपीट के मामलों पर भी चर्चा हुई। आकाश किनारी निवासी रंजीत साव ने नगर निगम के खिलाफ शिकायत करते हुए बताया कि उसने लगभग तीन महीने पहले अपनी मां गीता देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र नगर निगम कतरास कार्यालय में आवेदन किया था, लेकिन अब तक प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम के कर्मी बिचौलिए द्वारा पांच हजार रुपये की घूस की मांग कर रहे हैं।कार्यक्रम में कुल 50 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से कई का त्वरित समाधान किया गया। इस दौरान अंचल अधिकारी बाघमारा बाल किशोर महतो और बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत सभी थानों के प्रभारी/पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

संवाददाता

सिंदरी। सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में एक विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अशर्फी हॉस्पिटल धनबाद के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने अभिभावकों, समाज के लोगों, और विद्यालय के कक्षा नवम एवं एकादश के छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस शिविर में डॉक्टर जफर, डॉक्टर पल्लवी झा, शेख रौफ, विवेक, मरशीला, जुलिता, कमल, स्वेता, अंकित और महेश सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं।स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना और लोगों को समय पर स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करना था। डॉक्टर जफर ने विशेष रूप से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर बात की और बताया कि कैंसर आजकल सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक बन गया है। उन्होंने चेतावनी

दी कि यदि प्रदूषण और प्लास्टिक से बचाव नहीं किया गया, तो आने वाले 10-15 वर्षों में कैंसर के मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि हो सकती है। इस शिविर के आयोजन में विद्यालय परिवार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार, शशि भूषण कुमार गुप्ता सचिव, महेंद्र यादव कोषाध्यक्ष, सुनील कुमार पाठक प्राचार्य, भगवान सिंह कार्यक्रम प्रमुख और सरोज तिवारी ने सक्रिय रूप से सहयोग किया। शिविर में न केवल स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, बल्कि समाज को स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करने के लिए कई महत्वपूर्ण चचाएं और सेमिनार भी आयोजित किए गए। यह स्वास्थ्य शिविर समाज में एक स्वस्थ और जागरूक वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसे विद्यालय और समाज के हर एक सदस्य ने पूरी तरह से समर्थन दिया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थापना दिवस समारोह को लेकर हुई बैठक

संवाददाता

धनबाद। झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थापना दिवस समारोह की तैयारी के लिए 22 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पूर्व युवा प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप बर्मा के आवासीय परिसर खानुडीह बाघमारा में आयोजित हुई, जिसमें बाघमारा क्षेत्र के प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रदीप बर्मा ने की, और इस दौरान वरीय नेता रतिलाल टूडू ने भी संबोधन किया। रतिलाल टूडू ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि इस बार स्थापना दिवस समारोह को ऐतिहासिक बनाना है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक श्रीमती कल्पना मुर्मू सोरेन को आशीर्वाद देने के लिए इस आयोजन में शामिल होंगे। बाघमारा क्षेत्र से भी इस बार रिकॉर्ड तोड़ संख्या में लोग धनबाद पहुंचने वाले हैं, ताकि वे इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बन सकें। बैठक में टुंडी विधायक प्रतिनिधि बिरजू सोरेन, रंजीत महतो, बिनोद महतो, प्रेमा पाण्डेय, अताउर रहमान, मरियम खातून, और अन्य कई प्रमुख नेता उपस्थित थे। समारोह की सफलता को लेकर उपस्थित नेताओं ने अपने-अपने विचार साझा किए और बाघमारा क्षेत्र के कार्यकताओं को इस महत्वपूर्ण अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। बैठक के अंत में सभी ने मिलकर इस आयोजन की सफलता के लिए रणनीति बनाई और आगे की कार्यवाही की योजना बनाई।

किन्नरों ने किया हजरत चिमनी शाह बाबा की दरगाह पर चादर पोशी

धनबाद। अखिल भारतीय किन्नर समाज ने धनबाद के प्रसिद्ध दरगाह हजरत चिमनी शाह बाबा के 165 वें उर्स मुबारक के अवसर पर चादर पोशी की। इस धार्मिक आयोजन में किन्नर समाज के सैकड़ों सदस्य शामिल हुए और गाजे-बाजे के साथ नाच-गान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष छम छम देवी ने बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से हजरत चिमनी शाह बाबा की दरगाह पर चादर पेश कर रहे हैं और इसे उनके लिए विशेष सम्मान का प्रतीक मानते हैं। पूर्व संध्या को दरगाह पर मिलाद और कुरानखानी का आयोजन हुआ था, जिसके बाद लंगर भी आयोजित किया गया। छम छम देवी ने कहा कि दरगाह पर आने से उन्हें अपार शांति मिलती है और किन्नर समाज विशेष रूप से इस अवसर पर दुआ करता है कि देश की समृद्धि और समाज में खुशी बनी रहे। इस अवसर पर बबीता किन्नर, बोकारो अरुण किन्नर, रामगढ़ ज्योति किन्नर, गोमो श्वेता किन्नर, निर्मला किन्नर, राखी किन्नर, रेखा किन्नर, पिंकी किन्नर, अश्वनी किन्नर सहित कई अन्य किन्नर समाज के सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व डायरेक्टर आईडीपी सिंह के निधन पर गहरा शोक, समाज ने श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता

सिंदरी। भारतीय समाज के एक अद्वितीय और प्रेरणादायक नेता, पूर्व डायरेक्टर आई.डी.पी. सिंह का 20 जनवरी 2025 को दुखद निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि समाज के हर वर्ग में गहरा शोक व्याप्त हो गया है। उनके निधन के बाद से उनकी सेवाओं और योगदान को याद करते हुए, समाज के तमाम व्यक्तित्वों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय आई.डी.पी. सिंह एक उत्कृष्ट नेता, मार्गदर्शक और समाजसेवी थे। उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठन और संस्थान के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अपने सामाजिक कार्यों और संस्थान के प्रति अपने समर्पण के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। उनके नेतृत्व में संस्थान ने कई नई ऊंचाइयों को छुआ और वे समाज में सुधार और प्रगति के प्रतीक बने। श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए समाज के कई प्रमुख

व्यक्तित्व एकत्रित हुए, जिनमें प्रो० डीके सिंह कुलपति, जेयूटी रांची, प्रो० पंकज राय डायरेक्टर, बी.आई.टी. सिंदरी, उनके सबसे बड़े दामाद आशुतोष, उपकार केडिया, एस.पी. सिंह, उपेन्द्र प्रसाद, डी.के. ताती, अनिल सिंह, बृजेश झा, प्रो० राजीव कुमार, जे.एन. महतो, सुनील कुमार, रजक कुमार, अरुण कुमार सिंह, अमर कुमार, दिनेश के प्रभाकर, प्रो० सुनील कुमार, एस.पी. चौधरी, अशोक कुमार, डॉ० राजीव रंजन और कई अन्य शामिल थे। श्रद्धांजलि सभा में सभी ने स्वर्गीय आई.डी.पी. सिंह के योगदान और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया। सभा में यह कहा गया कि आई.डी.पी. सिंह का मार्गदर्शन और उनकी सेवाएं हमेशा समाज को प्रेरित करती रहेंगी। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन एक विशेष श्रद्धांजलि सभा के रूप में किया जाएगा, जिसकी तिथि और स्थान की घोषणा जल्द ही की जाएगी। समाज ने यह संकल्प लिया कि वे स्वर्गीय आई.डी.पी. सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलेंगे और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

जिले के 6 केन्द्रों पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर बुधवार को धनबाद के 6 केन्द्रों सहित झारखंड के सभी जिलों में तृतीय जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत थानों के लिए कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला, सिंदरी अनुमंडल के लिए जोरापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी सेंटर, डीएसपी विधि व्यवस्था अंतर्गत सभी थाना के लिए लूबी सर्कुलर रोड स्थित कला भवन, निरसा अनुमंडल के लिए निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज, डीएसपी हेडक्वार्टर 1 अंतर्गत थाना के लिए हरदेव धर्मशाला गोविंदपुर, डीएसपी हेडक्वार्टर 2 अंतर्गत सभी थाना की जनता के

लिए टुंडी स्थित मॉडल स्कूल लथुरिया में शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उन्होंने अपनी शिकायत के समाधान के लिए अधिकारियों को आवेदन दिए। एसएसपी ह्रदीप पी जनार्दनन ने कला भवन में आयोजित शिविर का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उनके साथ सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी सुमित कुमार, धनबाद थाना प्रभारी व अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर एसएसपी ने कहा कि झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर पुलिस को आम जनों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से झारखंड के सभी जिलों में आज ऐसे शिविरों का तीसरी बार आयोजन किया गया है। शिविर में आमजन पुलिस के वरीय पदाधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या बता रहे हैं। आमजनों की परेशानी से पुलिस अवगत हो रही है। पीड़ित को जल्दी न्याय दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का प्रयास किया जा रहा है। अन्य विभाग की शिकायत को लेकर संबंधित विभाग को प्रेषित किया जा रहा है। साथ ही विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान जिन शिकायतों का निबटारा तत्काल संभव नहीं होगा, वैसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा। अभियान के उद्देश्य से गठित विशेष सेल यह सुनिश्चित करेगा कि जिन शिकायतों का निबटारा शिविर में नही हुआ वैसे मामलों का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर किया जा सके। इस अवसर पर सिटी एसपी अजीत ने कहा कि जन शिकायत समाधान शिविर के तहत शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तरीय विशेष सेल का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से शिकायतों का निवारण विभिन्न चरणों में किया जाएगा। कार्यक्रम में नागरिकों की समस्या को समझते हुए व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग अपनी शिकायत व्हाट्सएप नंबर 9470589467 तथा ईमेल आईडी पर भी सीधे दर्ज करा सकते हैं। वहीं कार्यक्रम में शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने के लिए पुलिस पदाधिकारी के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पारा लिगल वॉलेंटियर भी शिविर में उपस्थित रहे।

प्रज्ञा केंद्रों के संचालकों को सरकार द्वारा निर्धारित दर 30 प्रति प्रमाण पत्र लेने का आदेश

संवाददाता

बलियापुर। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अंचल अधिकारी और जन सूचना पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को एक महत्वपूर्ण और कठोर निर्देश जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रज्ञा केंद्रों द्वारा आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए निर्धारित शुल्क 30 प्रति प्रमाण पत्र होना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को तीनों प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है, तो प्रज्ञा केंद्रों द्वारा एक साथ 90 की राशि ली जानी चाहिए। इस आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि कोई प्रज्ञा केंद्र संचालक इस निर्धारित शुल्क से अधिक राशि मांगता है, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रवीण कुमार ने ब्लॉक समन्वयक को इस आदेश की जानकारी दी है और उनसे इसे लागू करने के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी प्रज्ञा केंद्र संचालक प्रमाण पत्र बनाने के शुल्क को तख्ते पर अंकित करें, ताकि कोई भी नागरिक भ्रमित न हो और वे उचित शुल्क का भुगतान करें। यह आदेश सरकारी नियमों और नागरिकों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि समाज के गरीब और मध्यम वर्गीय नागरिक किसी प्रकार के शोषण से बच सकें। प्रशासन का यह प्रयास नागरिकों को सही और पारदर्शी सेवाएं देने का है, जिससे लोग सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी अतिरिक्त बोझ के उठा सकें।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है। - रामधारी सिंह दिनकर

युद्धमुक्त विश्व के ट्रंप के संकल्पों की रोशनी

राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा। निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये। विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा।

जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज-व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह-जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है। अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है।

हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है। युद्ध की आशंका को खत्म करने के लिए हाथियारों का जखीरा बढ़ाया जा रहा है। पहले बीमारी पैदा की जा रही है, फिर उसके इलाज का उपाय ढूंढा जा रहा है। इसमें अब तक अमेरिका की ही सर्वाधिक भूमिका रही है, लेकिन अब उसके नये राष्ट्रपति की युद्धमुक्त विश्व संरचना की सोच से दुनिया में शांति एवं अमन कायम होगा। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता। वह सदैव अपने पीछे दुख भरी यादें छोड़कर जाता है। युद्ध से किसी मां का बेटा उसे बिछड़ जाता है, किसी बहन का भाई उससे बिछड़ जाता है, कोई स्त्री अपने पति को खो देती है, कोई बेटी अपने पिता को खो देती है। इस तरह युद्ध केवल जान लेता है। इसके अलावा युद्ध से संपत्ति भी नष्ट होती है एवं विकास अवरूद्ध होता है। इसके विपरीत यदि सब जगह शांति हो, लोग आपस में नहीं लड़ें, देशों में आपस में युद्ध नहीं हो, तो विकास होता है। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति के तेवर-कलेवर को तो बदला ही है और वह वहां लोकतंत्र को भी बदलने जा रहे हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनकी टीम के अनेक दिग्गज परिवर्तन के आकांक्षी हैं। न जाने कितने परिवर्तन ट्रंप के शासन में लागू होंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि ट्रंप की नई टीम अमेरिकी परंपराओं का यथासंभव निर्वाह करते हुए ही देश को फिर से महान बनाएगी।

बारूदी धुएं में कराह रही मानवता के कल्याण के लिए उद्घोष

संजय तिवारी

विश्व संत्रस्त है। अनेक देश युद्ध की विभीषिका में हैं। मानवता कराह रही है। स्त्रियों, वृद्धों, मासूम बच्चों की लाशें गिनती से बाहर हैं। पश्चिम में बारूद ही बारूद है। भारत के पास -पड़ोस में भी बारूदी धुएं से वातावरण दूषित है। मनुष्य ही मनुष्य का दुश्मन बनकर रक्त पिपासु हो गया है। किसी देश का नाम लें यह जरूरी नहीं किंतु दृश्य भयावह हैं। कई वर्षों से असमान में तोप, रॉकेट और सुपरसोनिक युद्ध विमान कोहराम मचाए हुए हैं। ऐसे माहौल में भारत की सनातन संस्कृति अपने सृष्टि पर्व के माध्यम से विश्व के कल्याण का उद्घोष कर रही है। गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी तट पर प्रयाग राज में करोड़ों लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह अद्भुत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वगुरु भारत का सपना साकार हो रहा है। प्रयाग की धरती से भारत विश्व को मानवता और लोक कल्याण का संदेश दे रहा है।

भारत की संस्कृति, अध्यात्म और आस्था के आगे विश्व नतमस्तक है। धरती का हर कोना प्रयागराज से आकर्षित है। सभी यहां आना चाहते हैं। सभी पवित्र त्रिवेणी में डुबकी भी लगाना चाहते हैं। यह वास्तव में विश्व के अन्वेषकों और चिंतनशील शोधार्थियों के लिए कौतुक जैसा है। ऐसा क्यों है, यह विचारणीय है। अभी कुछ ही दिन हुए, 26 दिसंबर 2024 को द हिंदू ने हिंसाग्रस्त विश्व के हालात पर रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2024 में कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय संघर्ष हुए, जिन्होंने भू-राजनीतिक परिदृश्य और वैश्विक स्थिरता को चुनौती दी। यूक्रेन में चल रहे युद्ध से लेकर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव तक, इस वर्ष गठबंधनों में बदलाव और विनाशकारी सैन्य अभियान देखने को मिले। इन संकटों का प्रभाव उनके तत्काल क्षेत्रों से कहीं आगे तक फैला, जिसने दुनिया भर में राजनयिक संबंधों और रणनीतिक प्राथमिकताओं को प्रभावित किया। रिपोर्ट में कहा गया कि बीते वर्ष की शुरूआत रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध 2022 के युद्ध को जारी रखने के साथ हुई , जिसका उद्देश्य उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को अपनी सीमाओं की ओर बढ़ने से रोकना था। अक्टूबर 2023 में उग्रवादी समूह हमास ने गाजा में

हमला किया, जिसमें 1,000 से अधिक लोग मारे गए और फिलिस्तीन के विरुद्ध इजरायल की ओर से बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई की गई। जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ा, इजरायल की लड़ाई ईरानी प्रॉक्सी के खिलाफ अन्य क्षेत्रों में भी फैल गई, जिनमें हमास भी शामिल है। यमन में हूती विद्रोहियों ने जहाजों और अन्य जहाजों को रोका और उन पर हमला किया जिन्हें उन्होंने इजरायल की सहायता करने वाला बताया। लेबनान में हिज्बुल्लाह के आतंकवादियों ने सीमा पर इजरायल के साथ गोलीबारी की। सितंबर में, इजराइल ने हिज्बुल्लाह के पेजिंग उपकरणों को निशाना बनाया, जिससे दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए।

नवंबर में एक युद्धविराम समझौते ने क्षेत्रीय तनाव को कम कर दिया। हालाँकि, सीरियाई विद्रोहियों ने ईरान समर्थित असद सरकार के खिलाफ तेज हमले शुरू कर दिए और उनकी सरकार को गिरा दिया, जिससे हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के साथ ही यूक्रेन को अमेरिका से मिलने वाले समर्थन में बदलाव आने की संभावना बनी। इस बीच, क्षेत्र में ईरानी प्रॉक्सी कमजोर हो गए हैं, जिससे इजरायल को अपनी क्षेत्रीय स्थिति को और मजबूत करने का मौका मिल गया है। सशस्त्र संघर्ष स्थान और घटना डेटा (अउछएऊ) डेटाबेस हर संघर्ष घटना और उससे जुड़ी मौतों को रिकॉर्ड करता है। इस डेटा के आधार पर, संघर्ष सूचकांक तैयार किया जाता है। सूचकांक प्रत्येक देश को चार मापदंडों के आधार पर रैंक करता है- घातकता (मृत्यु की संख्या), खतरा (नागरिकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं की संख्या), प्रसार (हिंसा कितनी व्यापक है) और विखंडन (गैर-राज्य सशस्त्र, संगठित समूहों की संख्या)।

इन मापदंडों के आधार पर प्रत्येक देश को संघर्ष श्रेणी और रैंकिंग दी जाती है। 12 दिसंबर 2024 से पहले के 12 महीनों के लिए 10 देशों को चरम संघर्ष वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। ये हैं- फिलिस्तीन, म्यांमार, सीरिया, मैक्सिको, नाइजीरिया, ब्राजील, लेबनान, सूडान, कैमरून और कोलंबिया। जैसे-जैसे 2024 खत्म होने को आ रहा था, नए और चल रहे युद्धों के कारण संघर्ष क्षेत्रों में मौतों में वृद्धि हो रही थी जो 2025 के आरम्भ में अभी बढ़ ही रही है। 2024 में साल एक जनवरी से 13 दिसंबर तक, युद्धों, विस्फोटों, दूरस्थ हिंसा और नागरिकों के खिलाफ हिंसा में 200,000 से अधिक लोग मारे गए। इस मृत्यु दर का लगभग आधा हिस्सा मुख्य रूप से तीन देशों से आता हैः यूक्रेन, फिलिस्तीन और म्यांमार। हालांकि वास्तविक मौतों का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है।

पिछले वर्षों में, अफगानिस्तान में संघर्ष से संबंधित मौतों का एक बड़ा हिस्सा रहा है, खासकर तालिबान द्वारा सरकार पर कब्जा करने से पहले। हालाँकि, पिछले वर्षों में, यूक्रेन और फिलिस्तीन में होने वाली मौतों ने मरने वालों की संख्या में एक बड़ा हिस्सा बना लिया है।

इस बीच, म्यांमार में सरकार को उखाड़ फेंकने वाले एक सैन्य तख्तापलट के बाद, देश ने भी हाल के वर्षों में बढ़ती मृत्यु दर में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह कितना अमानवीय है कि विश्व केवल मौतों के सामान जुटाने और आंकड़े इकट्ठा करने में लगा है।2024 में इस तरह की हिंसा के कारण हर महीने औसतन लगभग 5,500 मौतें हुईं, जो 2023 में लगभग 5,300 प्रति माह और 2020 में लगभग 3,100 प्रति माह थी। जैसे-जैसे साल 2024 खत्म हो रहा था, ये संकट अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संघर्ष समाधान और मानवीय हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता की कड़ी याद दिलाते रहे। इस रिपोर्ट में सबकुछ सत्य नहीं है किंतु सत्य के काफी निकट अवश्य है। वैश्विक परिदृश्य में सनातन भारत की यह खगोलीय महाविज्ञानिक घटना अपने 46 दिनों की इस अवधि में बहुत कुछ स्थापित करने वाली है। यह सनातन भारत की आत्मिक शक्ति है जिसके आगे दुनिया नतमस्तक है। यही है कुंभ और यही है भारत की वह भारतीय सनातनी परंपरा जो भारत को विश्वगुरु बना देती है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष : बालिकाओं को बनाना होगा आत्मनिर्भर

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में हर साल 24 जनवरी को लड़कियों को सशक्त बनाने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के महत्व को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना, इसे मनाने का मुख्य उदेश्य है। हमारे देश में बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है।

लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है- आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं। भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद वह अनेकों कुरीतियों की शिकार हैं। ये

कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है।

समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है। देखा जाय तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो कभी भी बेटिया किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नहीं, हम सबकी एक जिम्मेदारी है। तो इसमें कोई गलत नहीं है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते हैं तो हम सबका यही फर्ज बनता है कि हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ायें। उन्हें इतना सशक्त बनायें कि खुद गर्व से कह सकें कि देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं।

दुश्कर से दुश्कर कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। समाज के पढ़े-लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनौने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेंगें ना ही किसी को करने देगें तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर जिले का पूरे देश में मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है।

इस योजना ने भारत में सीएसआर में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए जरूरी भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेंगे।

कब तक अनसुलझा रहेगा नेताजी की मौत का रहस्य?

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फामोर्सा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने

नेताजी सुभाष जयंती (23 जनवरी) पर विशेष

दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्रायः संदिग्ध माना गया और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

दरअसल, नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था।

नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया। एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के बाद अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है।

हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था।

ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी। आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हुई हो या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

आज का राशिफल

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम लाभ देगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा।

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा।

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। व्यावसायिक प्रगति होगी।

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। काम में आ रही बाधा दूर होगी।

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।शुभ समाचार भी मिलेंगे।

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा।

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत की जांच के लिए प्रधानमंत्री को पत्र भेजा गया

हजारीबाग। प्रख्यात लेखक और स्तंभकार विजय केसरी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की रहस्यमयी मौत की फिर से जांच कराने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 77 साल बाद भी नेताजी की मौत की गुत्थी अनसुलझी है। पत्र में केसरी ने लिखा कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में नेताजी की मौत होने का दावा किया गया था, लेकिन कई सवाल आज भी अनुत्तरित हैं। अगर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो उसका मलबा कहां गया? अगर नेताजी जल गए थे, तो प्राथमिक उपचार कहां हुआ? उनकी मौत की तस्वीर और अंतिम संस्कार से संबंधित दस्तावेज अब तक क्यों नहीं मिले ? केसरी ने बताया कि आजादी के बाद तीन आयोग गठित किए गए, जिनमें से दो ने नेताजी की मौत की पुष्टि की, जबकि एक ने इसे खारिज कर दिया। कि एनडीए सरकार की घोषणा के अनुसार सभी फाइलों को सार्वजनिक किया जाए और नेताजी की मौत से जुड़े रहस्य पर से पर्दा हटाया जाए। केसरी, जो नेताजी पर 50 से अधिक लेख लिख चुके हैं, ने कहा कि यह राष्ट्रीय कर्तव्य है कि आजाद हिंद फौज के संस्थापक के जीवन और उनकी मौत के रहस्यों को सुलझाया जाए। उनका यह प्रयास देशवासियों को नेताजी के योगदान को बेहतर समझने में मदद करेगा।

एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन, प्रखंड की महिलाएं हुई लाभान्वित

हजारीबाग/कटकमदाग। कटकमदाग प्रखंड में एकदिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। इस मेले का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य जीतन राम, प्रमुख विनीता देवी और मुखिया द्वारा किया गया। इस मेला में कुल 20 स्वास्थ्य स्टॉल लगाए गए थे, जहां स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग की गई।इस शिविर में करीब 275 लोगों को स्वास्थ्य जांच और दवाइयां दी गई, जबकि 25 फाइलेरिया रोगियों को दवाएं प्रदान की गईं। आयुष्मान योजना के तहत 65 लोगों को कार्ड बनाए गए। शिविर में मलेरिया और टीबी के संभावित रोगियों का स्पूतूम जांच किया गया, और 25 लोगों का एक्सरे भी किया गया। इसके अतिरिक्त, 21 लोगों का कुष्ठ रोग जांच भी किया गया। शिविर में बच्चों और किशोरों को स्वच्छता और हाइजीन के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर के आयोजन में डॉ० भूषण राणा, चिकित्सा पदाधिकारी जय नारायण मिस्त्री, बीपीएम संतोष कुमार शर्मा, और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के सफल आयोजन में स्थानीय स्वयंसेवकों का भी बड़ा योगदान रहा। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला और उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन, अधिकांश मामले जमीन विवाद से जुड़े हुए

हजारीबाग। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर और राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान करना था। यह आयोजन हजारीबाग समाहरणालय परिसर में सुबह 11 बजे से प्रारंभ हुआ, जहां फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस अवसर पर आईजी ए विजयलक्ष्मी सहित जिला के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।कार्यक्रम में फरियादियों ने अपनी शिकायतों के आवेदन जिला पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह को सौंपे, जिन्हें सूचीबद्ध किया गया ताकि उनका समाधान निर्धारित समय में किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान कई मामलों का तुरंत समाधान भी किया गया। पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि अधिकतर शिकायतें जमीन विवाद से संबंधित थीं, जिन्हें संबंधित कार्यालयों को अग्रसारित किया जाएगा।पुलिस कप्तान ने विश्वास दिलाया कि इस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के माध्यम से सभी शिकायतों का समाधान किया जाएगा, और यह कार्यक्रम आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, क्योंकि इसमें सभी अधिकारी एक ही मंच पर एकत्र होकर जनता की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्वास्थ्य मेले का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

हजारीबाग । हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदर प्रखंड के ओरिया स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के इस प्रयास की सराहना की। स्वास्थ्य सेवाओं का हुआ व्यापक प्रचार-प्रसार स्वास्थ्य मेले में स्थानीय नागरिकों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की गई थी। इनमें निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श, दवाइयों का वितरण, टीकाकरण और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी प्रमुख थीं। इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड के पंजीकरण और वितरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

डीसी ने की कटकमदाग अंचल व प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण

संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने कटकमदाग अंचल और प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण करते हुए उपस्थित पंजी, रोकड़ पंजी, म्यूटेशन, भूमि हस्तांतरण, अवैध जमाबंदी, नीलाम पत्रवाद और जन शिकायत पंजियों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाया कि कैशबुक और कई अन्य महत्वपूर्ण पंजियों को अद्यतन नहीं किया गया है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण में उपायुक्त ने सभी प्रमुख पंजियों की स्थिति देखी, जिसमें आगत-निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, पेंशन पंजी, सैरात पंजी, और अन्य दस्तावेज शामिल थे। उपायुक्त ने सीओ और बीडीओ से कार्यालय में कर्मियों की उपस्थिति की जानकारी ली और नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मियों को अपनी कार्यशैली में सुधार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अंचल और प्रखंड के सभी विभागीय अधिकारी, अभियंता, पंचायत सचिव, जनसेवक, और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस सांस्कृतिक संध्या की तैयारियां जोरों पर, 12 कार्यक्रम हुए चयनित

संवाददाता

हजारीबाग। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। नगर भवन में सदर एसडीओ राजकिशोर प्रसाद के नेतृत्व में कलाकारों की चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। इसमें 15 स्कूल-कॉलेजों और सांस्कृतिक संस्थाओं के बच्चों और कलाकारों ने भाग लिया, जिनमें से 12 कार्यक्रमों का चयन किया गया।चयन प्रक्रिया में स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य प्रहलाद सिंह संस्कृति कर्मी, शोभा सिन्हा, डॉ० धीरज कुमार, जादूगर एन.ए. चौधरी और मंच संचालक मनोज सिन्हा शामिल थे। ये चयनित कलाकार 26 जनवरी की शाम नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक जैसी प्रस्तुतियां शामिल होंगी। एसडीओ ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से बच्चों और युवाओं को अपने कला प्रदर्शन का मंच मिलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन और कमेटी मिलकर काम कर रहे हैं।

विधायक प्रदीप प्रसाद एक्शन मोड में, सड़क और नाली समस्या के समाधान का निर्देश

संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को मैन रोड और सदर अस्पताल के पास खराब सड़क और नाली की समस्या का निरीक्षण किया। लंबे समय से क्षेत्र में सड़क और नाली की स्थिति जर्जर बनी हुई थी, जिससे स्थानीय नागरिकों को कठिनाई हो रही थी। विधायक ने मौके पर नगर निगम और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को बुलाकर त्वरित समाधान के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों से कहा कि यह सड़क मुख्य मार्ग के साथ अस्पताल के पास स्थित है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र की खराब सड़क के कारण एक गर्भवती महिला टोटो से गिरकर घायल हो गई थी, जिससे नागरिकों में भारी आक्रोश था। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। विधायक ने मौके पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी रंजीत बरनवाल से चर्चा की। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस क्षेत्र में काम शुरू होगा। स्थानीय नागरिकों ने विधायक के इस कदम की सराहना की और उम्मीद जताई कि इस बार समस्या का स्थायी समाधान होगा। विधायक ने कहा कि जनहित से जुड़ी समस्याओं को सुलझाना उनकी प्राथमिकता है और कार्य को शीघ्र पूरा किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल की सीआर्म मशीन खराब, आथोर्पेडिक सर्जरी में हो रही गंभीर बाधा

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ऑथोर्पेडिक ऑपरेशन थिएटर में सीआर्म मशीन के खराब होने से हड्डी के मरीजों के ऑपरेशन में गंभीर रुकावट आ रही है। कई मरीज पिछले 20 दिनों से भर्ती हैं, लेकिन सर्जरी नहीं होने के कारण उन्हें भारी परेशानी हो रही है। चिकित्सकों के मुताबिक, बिना सीआर्म मशीन के इन मरीजों की सर्जरी संभव नहीं है। इस समस्या का समाधान न होने से अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज में भी देरी हो रही है, और उनकी स्थिति और बिगड़ने का खतरा बना हुआ है।इस मामले का संज्ञान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने लिया। जब एक मरीज मुकेश राम के परिजनों ने इस मुद्दे को लेकर सांसद से शिकायत की, तो उनके निर्देश पर सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक प्रो० डॉ० अनुकरण पूर्ति से मुलाकात की। रंजन चौधरी ने इस गंभीर समस्या को देखते हुए अधीक्षक से तत्काल सीआर्म मशीन को ठीक करवाने का आग्रह किया ताकि मरीजों के ऑपरेशन में हो रही देरी को रोका जा सके।अधीक्षक प्रो० डॉ० अनुकरण पूर्ति ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को आश्वस्त किया कि सोमवार तक सीआर्म मशीन बनकर तैयार हो जाएगी और इसके बाद सभी जरूरी आथोर्पेडिक ऑपरेशन किए जाएंगे। कि इस अस्पताल में सीआर्म मशीन खराब हुई है। हर दो-तीन महीने में मशीन में तकनीकी खामियां सामने आती हैं, जिसके कारण मरीजों को सर्जरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस बार भी स्थिति गंभीर हो गई है, क्योंकि ऑपरेशन में देरी से मरीजों की तकलीफ और बढ़ सकती है।रंजन चौधरी ने इस समस्या को लेकर अधीक्षक से एक स्थायी समाधान का आग्रह किया, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या का सामना न करना पड़े और मरीजों को इलाज में कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि अगर इस मशीन का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, तो मरीजों को बार-बार ऑपरेशन में देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस मुद्दे पर अब अस्पताल प्रशासन द्वारा स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की उम्मीद है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

हजारीबाग। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय राजकीय बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय हजारीबाग में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 350 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने छात्राओं को बाल विवाह निषेध, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, और चाइल्ड लाइन जैसी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। नई दिल्ली में इस योजना पर आधारित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं को दिखाया गया। इसके साथ ही छात्राओं को महिला अधिकार और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले पंपलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का महत्व समझाया गया और उन्हें इसकी शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, विद्यालय के शिक्षक, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था।

बाबासाहेब ने हमें संविधान दिया, भाजपा ने किया अपमानः नरसिंह प्रजापति

संवाददाता

हजारीबाग। कटकमसांडी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत अंबेडकर सम्मान मार्च का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की साजिश रची, लेकिन 2024 के आम चुनावों में देश की जनता ने इसे नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है और अब अपनी खीझ संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर निकाल रही है। प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने कहा कि बाबासाहेब ने देश को जो संविधान दिया है, वह हर भारतीय का गौरव है। लेकिन भाजपा ने इसे अपमानित करने की कोशिश की है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके शब्द अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर... इतना नाम अगर भगवान का लिया होता तो स्वर्ग मिल जाता संविधान निमार्ता का अपमान है और यह भाजपा की मानसिकता को दशार्ता है। 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र में यह घटना संसदीय इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय बन गई। कार्यक्रम में गोविंद राम, बिनोद कुशवाहा, मनोज नारायण भगत, निसार खान, और सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने बाबासाहेब के सम्मान में संविधान की रक्षा का संकल्प लिया।

हजारीबाग यूथ विंग ने मेगा रक्तदान शिविर के लिए रांची के सदर अनुमंडल पदाधिकारी से की मुलाकात

हजारीबाग । हजारीबाग यूथ विंग के कार्यकारिणी सदस्य विकास तिवारी ने बुधवार को रांची सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) उत्कर्ष कुमार से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी देना और आगामी 3 मार्च को आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में उन्हें बतौर अतिथि आमंत्रित करना था। विकास तिवारी ने संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन के निदेशानुसार यह महत्वपूर्ण मुलाकात की।* उन्होंने उत्कर्ष कुमार को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर संस्था की ओर से किए जा रहे कार्यों और उनके उद्देश्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। विकास तिवारी ने इस अवसर पर बताया कि हजारीबाग यूथ विंग समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता जैसे विषयों पर संस्था की अब तक की उपलब्धियों और प्रयासों का जिक्र किया। विशेष रूप से, उन्होंने रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है ।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

सांस्कृतिक आकाश के ध्रुव-तारे का पर्यायः मनोज सिन्हा

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। हजारीबाग के निवासी मनोज सिन्हा ने कला, साहित्य और रंगमंच के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वे न केवल एक सशक्त अभिनेता, निर्देशक।और लेखक हैं, बल्कि उन्होंने कला के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण के द्वारा हजारीबाग का नाम रौशन किया है। आज वे कला और साहित्य जगत में एक मील का पत्थर बन चुके हैं, जिनका सफर चार दशकों से भी अधिक समय से लगातार जारी है। मनोज सिन्हा की कला यात्रा 1974 में शुरू हुई, जब वे स्कूल के दिनों में सीसीएल आर्केस्ट्रा क्लब कुजू से जुड़े और मोहम्मद रफी, मुकेश, हेमंत कुमार जैसे मशहूर गायकों के गानों से गायकी की शुरूआत की। इसके बाद, उनके माता-पिता और शिक्षकों के प्रोत्साहन से उनका कला और साहित्य के क्षेत्र में विकास हुआ। 1984 में उन्होंने रंगमंच पर अभिनय करना शुरू किया और अब तक 51 से अधिक नाटकों में अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया। भूख, ताबूत, कालचक्र के घेरे में, जामुन का पेड़, खामोश प्रोग्राम जारी है, आखिरी ईंट का ठस्सा, विदाई कांड जैसे नाटकों में उनके अभिनय ने उन्हें अखिल भारतीय पहचान दिलाई। इसके अलावा, उन्होंने 8 अंग्रेजी नाटकों, 12 नृत्य नाटिकाओं और 5 एकल नाटकों में अभिनय और निर्देशन किया।1991 में, जब वे दूरदर्शन से जुड़े, तो उन्होंने हजारीबाग ज़िले की पहली टेलीफिल्म मीर कल्लू की गवाही का लेखन और निर्देशन किया। इसके बाद, दुल्हों का डिस्काउंट सेल, डॉक्युमेंट्री फिल्म एक व्यक्तित्व बुलु इमाम सोहराय, कोहबर आर्ट जैसी कई टेलीफिल्मों और म्यूज़िकल सीरियलों का निर्देशन किया, जो लगातार विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से प्रसारित होते रहे। मनोज सिन्हा ने विष वृक्ष, प्रेमचंद की कहानियाँ, निशांत, तस्वीर, जननी जैसे सीरियल्स में अभिनय किया और हिंदी टेलीविजन में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। सिर्फ अभिनय ही नहीं, मनोज सिन्हा ने साहित्यिक कृतियों का भी योगदान दिया। उनकी 17 कहानियां, 38 कविताएं, 8 नाटक और 47 आलेख राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके साथ ही, आकाशवाणी पर उनकी 16 कहानियां, 4 नाटक और 7 वार्ताएं प्रसारित हो चुकी हैं।मनोज सिन्हा की उपलब्धियों का दायरा केवल रंगमंच और सिनेमा तक सीमित नहीं है। वे सामाजिक और साहित्यिक आंदोलनों में भी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने डायन कुप्रथा, दहेज उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, उग्रवाद उन्मूलन, बाल विकास, ह्यूमन ट्रैफिकिंग और ऊर्जा संरक्षण जैसे सामाजिक मुद्दों पर काम किया है। साथ ही, वे विभिन्न कला महोत्सवों के आयोजक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संयोजक भी रहे हैं।उनकी आवाज और संवाद अदायगी ने भी उन्हें टॉक शो एंकर और श्रेष्ठ उद्घोषक के रूप में पहचान दिलाई है। वे अब तक 1100 से भी अधिक ज़िला स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के मंचों पर सफलतापूर्वक संचालन कर चुके हैं।मनोज सिन्हा की कला यात्रा न केवल एक अभिनेता या निर्देशक के रूप में उनके योगदान तक सीमित है, बल्कि उन्होंने अपने सामाजिक कार्यों और प्रेरक मार्गदर्शन से हजारों युवाओं को कला और रंगमंच से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। आज भी, उनका यह सांस्कृतिक, साहित्यिक और सामाजिक कार्य अनवरत जारी है और वे युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। उनकी उपलब्धियों और योगदान के कारण, मनोज सिन्हा न केवल हजारीबाग, बल्कि समग्र झारखंड के सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे हजारीबाग की शान हैं, जिनकी कला और प्रतिबद्धता आज भी निरंतर चमकती है।

अयोध्या राम मंदिर की स्थापना के एक वर्ष पूरा होने पर कदमा में जश्न का माहौल

संवाददाता

हजारीबाग। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कदमा स्थित चित्रगुप्त नगर के हनुमान मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन हुआ। इस अवसर पर अखंड कीर्तन पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ महावीर मंदिर में अखंड कीर्तन पाठ के साथ हुआ, जो पूरे 24 घंटों तक चला। मंगलवार से शुरू हुआ यह कीर्तन पाठ बुधवार दोपहर तक जारी रहा।अखंड कीर्तन के बाद भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में महिलाएं विशेष रूप से पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर पहुंची। हनुमान मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था, और मंदिर में दुधिया रोशनी से वातावरण को और भी आकर्षक बना दिया गया था। मंदिर में आकर्षक विद्युत सजावट देखने के लिए भक्त देर शाम तक जुटे रहे और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। पूजा समिति के सदस्य अभिषेक और मनीकेत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस आयोजन से इलाके में सुख-समृद्धि बनी रहती है और लोगों में धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन से समुदाय में एकता और भाईचारे का संदेश मिलता है। हालांकि, हिंदू पंचांग के अनुसार 11 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की सालगिरह थी, लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से 22 जनवरी को यह कार्यक्रम मनाया गया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

कालीघाट : एक घर में लगी आग

कोलकाता। मंगलवार रात कालीघाट में एक घर में आग लग गई। घटनास्थल पर कई दमकल गाड़ियां पहुंचीं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम सम्या भट्टाचार्य है। वह और उसकी पत्नी उस घर में रहते थे। लेकिन उस रात सम्या घर पर अकेली थी। लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। हालांकि, अग्निशमन विभाग का प्रारंभिक अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

लॉरी की चपेट में आने से 1 की मौत

कोलकाता। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर एक और भयानक सड़क दुर्घटना। कोहरे के कारण एक लॉरी ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दी। एक ब्यक्ति की मौत हो गया है। दो अन्य लोग घायल हो गए, जिनका गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना आज यानि बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे नदिया के शांतिपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर घटी। सुबह घने कोहरे के कारण हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गये। घायलों को शांतिपुर स्टेट जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दिगनगर निवासी मछली व्यापारी काशेम दफादार रोज की तरह गोविंदपुर मछली मंडी से मछली लेकर दीगनगर की ओर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से रेत से लदा एक लारी आया और मछली व्यापारी काशेम दफादार को टक्कर मार दी। वहीं पिकअप में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। शांतिपुर थाने की पुलिस और रानाघाट थाने की पुलिस जिले के कई उच्च अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 12 काफी देर तक अवरुद्ध रहा।

दुकानदार ने नाबालिग लड़की से किया रेप!

कोलकाता। किराने की दुकान को जाने पर बिपत्ति। बीरभूम के सिउरी में दुकानदार पर नाबालिग ग्राहक से बलात्कार का आरोप। घटना के बाद से आरोपी लापता है। उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाटजन बाजार क्षेत्र में हंगामा मच गया है। उत्तेजित जनता ने दुकान में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। टायर जलाये गए है। पुलिस ने आरोपी के भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पता चला है कि नाबालिग सिउरी के हाटजन बाजार का निवासी है। आरोपी प्रदीप कीर्तनिया की इलाके में किराने की दुकान है। ग्यारह वर्षीय लड़की मंगलवार रात प्रदीप की दुकान पर गई थी। उस समय दुकान में कई अन्य लोग भी थे। प्रदीप की दुकान के सामने एक घर है। घर में मौजूद महिला का दावा है कि उसने प्रदीप को सभी खरीदारों को सामान देने के बाद भी नाबालिग को काफी देर तक खड़ा रखते देखा। फिर, जैसे ही दुकान खाली हुई, वह उसे अंदर ले गया। वह बहुत देर तक वापस नहीं आया। इसमें महिला को संदेह हुआ। पड़ोसियों को फोन करके मामले की जानकारी दिए। सभी लोग मिलकर प्रदीप के घर गए, लेकिन नाबालिग उन्हें नजर नहीं आई। तब तक उसे पिछले दरवाजे से बाहर निकला गया। हालांकि, पड़ोसियों का दावा है कि आरोपी ने दबाव में आकर अंततः मामला कबूल कर लिया। इस बीच नाबालिग ने घर जाकर पूरी घटना बताई। उसी रात पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा दी गई। पुलिस नाबालिग को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले गई। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार सुबह से ही हाटजन बाजार क्षेत्र में आंदोलन शुरू हो गया। उत्तेजित भीड़ ने आरोपी की बंद दुकान में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। टायर जलाये। महिलाओं ने सड़क जाम कर दिया। बाद में पुलिस की मौजूदगी से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। आरोपी के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय पार्षद पबित्र दास ने कहा कि पुलिस को व्यवस्था करनी होगी।

आईआईएम बैंगलोर ने ईएसजी और स्थिरता पर हिंदी में अपना पहला एमओओसी पाठ्यक्रम शुरू किया

कोलकाता। आईआईएम बैंगलोर ने अपना पहला हिंदी विशाल ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) शुरू करने की घोषणा की है, जिसका शीर्षक है सिद्धांत से व्यवहार तकः व्यवसाय में ईएसजी और स्थिरता का कार्यान्वयन, जो स्वयं पर आधारित है। यह भारत सरकार की एक पहल है, जिसे विविध विषयों में मुफ्त, उच्च-गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जैसे-जैसे पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) तथा स्थिरता के उभरते मेगाट्रेंड उद्योग प्रथाओं को नया आकार दे रहे हैं, यह कार्यक्रम एमबीए और बीबीए छात्रों, कार्यरत पेशेवरों और अधिकारियों के लिए आदर्श है, जिसका उद्देश्य सतत विकास और समग्र मूल्य सृजन की समझ को गहरा करना है। टीसीआई-आईआईएमबी सप्लाई चेन सस्टेनेबिलिटी लैब के सीओओ डॉ. आदित्य गुप्ता इस कोर्स के प्रशिक्षक होंगे। टाटा ग्रुप, टीवीएस ग्रुप, जिंदल ग्रुप, वर्जिन मोबाइल और मोजर बेयर जैसी कंपनियों में अपार कॉर्पोरेट अनुभव के साथ, डॉ. आदित्य गुप्ता ने टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बढ़ावा दिया है और ईएसजी प्रथाओं को अपनाने में मदद की है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को उनसे बातचीत करने और सीखने का अवसर मिलेगा। स्वयं पाठ्यक्रम में वीडियो व्याख्यान, ई-पाठ्य, स्व-मूल्यांकन और चर्चा मंच शामिल हैं। जबकि यह पाठ्यक्रम सभी के लिए निःशुल्क है, छात्र मामूली परीक्षा शुल्क देकर परीक्षा के लिए नामांकन कर सकते हैं और प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिम चंपारण में तीन लड़कियां बरामद

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला के शिकारपुर थाना स्थित अलग अलग जगहो से अपहृत दो नाबालिग समेत तीन लड़कियो को पुलिस ने बरामद किया है। हालांकि अपहर्ता पकड़ में नही आ सके। दो नाबालिग को सूरत शहर से बरामद किया गया है तो एक लड़की शादी रचाने के बाद स्वयं थाने पहुंच गई। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि ट्यूशन पढ़ने जाने के दौरान नगर की दो नाबालिग लापता हुई थी।वही कॉलेज जाने के दौरान एक लड़की गायब हुई थी।उन्होने बताया कि बरामद दो नाबालिग समेत तीनो लड़कियों को न्यायालय में बयान के लिए भेजा गया है।न्यायालय के आदेश पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने ने बताया कि थाना क्षेत्र से दो अन्य लड़कियां गायब हुई है।

उमगांव भेजा गया सड़क निर्माण कार्य प्रारम्भ

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले में भारत माला प्रोजेक्ट के तहत उमगांव से भेजा मधुबनी बायपास रोड का निर्माण कार्य का शुभारम्भ बुधवार को हुआ। डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने कार्यस्थल का लिया जायजा।डीएम ने तीव्र गति से पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बताया कि शीघ्र कार्य निष्पादन को प्रत्येक शुक्रवार प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की जाएगी ।भारत माला प्रोजेक्ट की इस सड़क निर्माण से भारत- नेपाल अन्तराष्ट्रीय व्यापार और पर्यटन के साथ-साथ सामरिक महत्व प्रदान होगी। मधुबनी जिला अंतर्गत भारत माला प्रोजेक्ट के तहत उमगांव से भेजा -मधुबनी बायपास रोड का निर्माण कार्य प्रारम्भ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा व परियोजना निदेशक, सुपौल द्वारा मिथिला चित्रकला संस्थान में बुधवार आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

सीएम ने की समीक्षा बैठक, कहा बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी

फारबिसगंज आरओबी निर्माण सहित मेडिकल कॉलेज की घोषणा

एजेंसी

अररिया । अररिया में प्रगति यात्रा के क्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फारबिसगंज में जाम की समस्या से निजात को लेकर सुभाष चौक पर रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण के साथ जिले में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर मेडिकल कॉलेज निर्माण सहित अन्य योजनाओं की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कुसार्कांटा प्रखंड के डुमरिया पंचायत में सुन्दरनाथ धाम का विकास करने की घोषणा की। ताकि दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके तथा इस क्षेत्र के लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो सके। अररिया-कुसार्कांटा-कुआड़ी-सिकटी पथ का चौड़ीकरण, अररिया जिला मुख्यालय में आधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण करने,सैफगंज से सुकैला (भाया-महथावा, भरगामा) पथ का चौड़ीकरण करने,फारबिसगंज शहर में सुभाष चौक पर आरओबी का निर्माण, अररिया, कुसार्कांटा, नरपतगंज, फारबिसगंज, भरगामा, रानीगंज, सिकटी प्रखंड में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराने की घोषणा की।

सीएम ने समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि अररिया में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कराया जायेगा। इससे यहाँ के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के लिए एक टीम को कल भेजा जाएगा,ताकि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना शीघ्र हो सके।

सीएम के समक्ष सुभाष चौक, आरओबी समेत मांस फैक्ट्री का मुद्दा उठा

अररिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा के दौरान अररिया आगमन पर समीक्षा बैठक में फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने कई महत्वपूर्ण मांगों को रखा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की मुख्यमंत्री ने फारबिसगंज के सुभाष चौक पर जाम की समस्या से निदान के लिए लगातार मांग की जा रही सुभाष चौक पर रेलवे ओवर ब्रिज के जल्द निर्माण की घोषणा की।

इस मौके पर विधायक केसरी ने बताया की मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई की फारबिसगंज नगर परिषद के सुभाष चौक रेलवे ढाला पर जाम कि समस्या के निदान हेतु रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य को मंजूरी दिया गया था, परंतु आरओबी निर्माण में हो रहे देरी से आमजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायक केशरी ने बताया कि हलहलिया पंचायत के सुकसेना गांव के मध्य में अवस्थित तीन पशुवधशाला वर्ष 2014 से कार्यरत है। वर्ष 2015-16 से लगातार विधानसभा में प्रश्नकाल, शून्यकाल एवं ध्यानाकर्षण सहित माननीय को व्यक्तिगत 3 हजार लोगों के हस्ताक्षर युक्त प्रार्थना पत्र देने के बावजूद आज तक बंद नहीं हुआ है। मख्खी लगने से डायरिया, त्वचा रोग, कैसर रोग, गर्भवती महिला को सात महीने तक उल्टी आना, ऐसे तमाम गंभीर रोग से जुड़ी बातों को विधानसभा पटल पर रखते आया हूं।

मध्यमग्राम से पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार व्यक्ति बांग्लादेशी

संवाददाता

कोलकाता। फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार पलाश बिस्वास से पूछताछ में सनसनीखेज जानकारी सामने आई है। वह इस देश का निवासी ही नहीं है। वह वास्तव में बांग्लादेश से आया घुसपैठिया है। उसने पुलिस को जो नाम बताया वह उसका असली नाम नहीं था। उसका नाम, उपनाम, पता सब कुछ फर्जी है। उन्हें मंगलवार को उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम से गिरफ्तार किया गया। जांचकताओं ने फर्जी पासपोर्ट मामले में अपनी जांच का विस्तार कर दिया है। वहां से पलाश बिस्वास को गिरफ्तार कर लिया गया। कई पूछताछ के बाद एक के बाद एक जानकारी सामने आई। और उस सूचना से घुसपैठ की घटना प्रकाश में आई। पलाश बिस्वास का मानना है कि यह पहचान वास्तविक नहीं है। वह वास्तव में बांग्लादेश का निवासी है। गिरफ्तार व्यक्ति का असली नाम चयन बरुआ है। उसका घर बांग्लादेश के कॉक्स बाजार के कुट बाजार क्षेत्र के हल्दिया फलांग में है। उन्होंने कॉक्स बाजार के आलम मॉडल स्कूल से आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की। वह 2021 के मध्य में अवैध रूप से असम की सीमा पार कर भारत में घुस आया था। वह अपना असली नाम और पहचान छिपाते हुए दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता में भी कई जगहों पर काम करता था। इसके बाद उन्होंने उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में अपना अड्डा स्थापित किया। उन्होंने गंगानगर इलाके में एक मकान किराये पर लेकर रहना शुरू कर दिया। जांचकर्ताओं को पता चला है कि यह व्यक्ति सुमन बरुआ नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ इस देश में आया था।

संजय की फांसी की अर्जी पर हाईकोर्ट में सीबीआई की चुनौती

संवाददाता

कोलकाता। राज्य आरजी कर मामले में प्रत्यक्ष पक्ष नहीं था। इसके बावजूद, सियालदह अदालत के फैसले को चुनौती देने वाले मामले का आधार क्या है? सीबीआई ने राज्य के आवेदन को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सवाल उठाया है कि क्या राज्य का आवेदन स्वीकार्य है भी या नहीं। इस मामले पर सुनवाई अगले सोमवार को हाईकोर्ट के जस्टिस देबांशु बसाक और जस्टिस मोहम्मद शब्बार रशीदी की खंडपीठ में होगी।

इस दिन उच्च न्यायालय में राज्य द्वारा दायर मामले की स्वीकार्यता पर सवाल उठाते हुए सीबीआई के वकील ने कहा, यदि मामले में सीधे तौर पर शामिल तीन पक्ष - परिवार, सीबीआई या दोषी - ने उच्च न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटाया है, तो फिर सीबीआई कैसे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है? राज्य सरकार यह आवेदन कैसे दायर करेगी? न्यायमूर्ति देबांशु बसाक ने यह भी पूछा, आपकी राय में, इस आधार पर कौन मामला दर्ज कर सकता है कि उचित सजा नहीं दी गई है? राज्य के वकील ने कहा कि इस मामले में चारों पक्ष-परिवार, राज्य, सीबीआई और आरोपी - केस दर्ज करा सकते हैं।

राज्य सरकार सीआरपीसी की धारा 377 और 378 के तहत आवेदन कर सकती है। राज्य द्वारा मामला दर्ज करने, जांच और कानून-व्यवस्था के पक्ष में महाधिवक्ता का बयान राज्य का मामला है। आरजी कर मामले की जांच शुरू में राज्य पुलिस द्वारा की गई थी। बाद में यह मामला सीबीआई के हाथों में चला गया। अतः राज्य मुकदमा दायर कर सकता है।

इसके बाद न्यायाधीश ने पूछा, परिवार अदालत के बाहर क्या राय व्यक्त कर रहा है, इस पर हमारा कोई अधिकार नहीं है, लेकिन क्या उनके बिना यह मुकदमा चलाना संभव है? अगर हम जानना चाहें कि परिवार क्या सोचता है, तो क्या आपको कोई परेशानी है? हम उनके विचार भी सुनना चाहते हैं। राज्य का कहना है कि उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। फिर जज ने पूछा, क्या परिवार को इस मामले के बारे में पता है? राज्य सरकार ने कहा कि परिवार को मामले की जानकारी नहीं दी गई। अदालत यह भी जानना चाहती है कि क्या आज परिवार को सूचित करना संभव है। राज्य ने कहा कि हां, आज परिवार को सूचित करना संभव है। राज्य के वकीलों ने कहा कि राज्य के पास इस फैसले की प्रति नहीं है। सियालदह अदालत से केवल तीन लोगों को प्रमाणित प्रतियां दी गई हैं। सीबीआई, परिवार और आरोपी। यह मामला ऑनलाइन अपलोड किये गए निर्देशों के आधार पर दायर किया गया था। राज्य की कानूनी सहायता द्वारा अपराधी को एक वकील भी उपलब्ध कराया गया है। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। उस दिन इस मामले की स्वीकार्यता पर निर्णय लिया जाएगा।

जंगल में वायुसेना का नोटिस, 'घुसपैठियों को मार दी जाएगी गोली ', ममता बोलीं 'आनहेल्दी लाइन'

संवाददाता

कोलकाता। घुसपैठियों को गोली मार दी जाएगी, वायु सेना ने बक्सर के जंगल में एक नोटिस जारी किया है। अलीपुरद्वार की बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस मुद्दे पर भड़क गईं। उनका सवाल है कि वायुसेना ऐसा नोटिस कैसे दे सकती है? उन्होंने कहा, आनहेल्दी लाइन। इस दिन उन्होंने बक्सय में होम स्टे, रिसॉर्ट्स और होटलों से उत्पन्न जटिलताओं के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, जो कोई भी घर पर रहना चाहता है, यह उसका निर्णय है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को यहां कोई आपत्ति नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ने इस दिन 'घुसपैठियों को गोली मार दी जाएगी' बोर्ड के साथ वायुसेना को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, हमारे यहां वायुसेना वन विभाग, डीएम, एसपी समेत किसी से भी सलाह लिए बिना ऐसा नोटिस कैसे जारी कर सकती है? इसके अलावा, यह वर्ड बहुत अस्वास्थ्यकर है। क्या ऐसा नोटिस दिया जा सकता है? इसके बाद ममता ने वायुसेना को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, यदि किसी ने इसकी योजना बना ली है, तो यह सोचने का कोई कारण नहीं है कि हम हार मान लेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बक्सय में होम स्टे, रिसॉर्ट और होटलों को लेकर लंबे समय से जटिलताएं रही हैं। कई होटलों और होम स्टे को बंद करने का नोटिस दिया गया है। न्यायालय में इसका पानी गया है। इसका खामियाजा पर्यटकों को भुगतना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अलीपुरद्वार में एक बैठक में इन सभी मुद्दों पर बात की। होम स्टे क्यों बंद रहेंगे? ममता बनर्जी ने भी इस पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, जो कोई भी घर पर रहना चाहता है, यह उसका निर्णय है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण को यहां कोई आपत्ति नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के होम स्टे बंद किए जा रहे हैं, उन्हें अदालत में जाकर लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि जंगल को साफ करके कोई आवास बनाया गया तो भवन निर्माण योजना को मंजूरी देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ममता ने यह भी स्पष्ट किया कि जंगल सफारी के नाम पर पर्यटकों से अतिरिक्त पैसे नहीं वसूले जा सकते।

फिर गिरी ऊंची इमारतें, स्थानीय लोग में दहशत

संवाददाता

कोलकाता। बाघाजतिन घटना की छाया अब टांगरा पर पड़ा है। क्रिस्टोफर रोड पर निमार्णाधीन एक बहुमंजिला इमारत ढह गई। इस घटना से तीव्र दहशत फैल गई है। हालांकि, वहां कोई नहीं था क्योंकि घर निमार्णाधीन था। परिणामस्वरूप, कोई हताहत नहीं हुआ।

बताया जा रहा है कि क्रिस्टोफर रोड पर इस बहुमंजिला इमारत का काम काफी समय से चल रहा था। बताया गया है कि यद्यपि बाहरी हिस्से का प्रारंभिक कार्य पूरा हो गया था, परन्तु अंदरूनी भाग का कार्य अभी भी लंबित है। इसी बीच बुधवार की सुबह एक भयानक घटना घटी! स्थानीय लोगों ने बहुमंजिला इमारत को एक तरफ झुकते हुए देखा। बाघाजतिन के घाव ताजा थे, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बगल में एक और ऊंची इमारत है और स्वाभाविक रूप से वहां के निवासी भी डरे हुए हैं। नगर पालिका को तुरंत सूचित किया गया। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा क्यों हुआ और किसकी लापरवाही के कारण पूरी तैयारी से पहले ही यह आपदा आ गई।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह कोलकाता नगर निगम के वार्ड 99 के बाघाजतिन चत्तर स्थित विद्यासागर कॉलोनी में एक मकान ढह गया था। निचली मंजिल लगभग नष्ट हो गई थी। घटना की प्रारंभिक जांच में कोलकाता नगर पालिका ने कहा कि बहुमंजिला इमारत बिना अनुमति के बनाई गई थी। प्रमोटर सुभाष रॉय और आठ निवासियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इसमें कहा गया है कि प्रशासन को सूचित किये बिना ही रखरखाव का काम शुरू कर दिया गया। मिट्टी की जांच किए बिना ही 'हाइड्रोलिक जैकिंग' का काम किया जा रहा था। बाद में प्रमोटर को गिरफ्तार कर लिया गया।

भारतीय सेना में पाकिस्तानी जासूस, सीबीआई पर मामले की जांच में रिश्वत लेने का आरोप

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता उच्च न्यायालय ने भारतीय सेना में पाकिस्तानी जासूसों के आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। उस मामले की जांच के दौरान सीबीआई पर रिश्वत लेने का आरोप उठा है। सीबीआई पर मामले को महत्वहीन बनाने के सनसनीखेज आरोप लगाए गया हैं। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने याचिकाकर्ता के आरोपों के जवाब में सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने का आदेश दिए है।

भारतीय सेना में एक बड़ी साजिश चल रही है। इस गिरोह का काम नागरिकता सहित सभी दस्तावेजों में जालसाजी करके पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय सेना में भर्ती कराना है। उस आरोप के आधार पर न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने पहली बार 2023 में सीबीआई जांच का आदेश दिए थे। मंगलवार को बिष्णु चौधरी ने जस्टिस घोष की अदालत में आरोप लगाया कि सीबीआई जांच टीम में इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी इमरान इस मामले के मुख्य आरोपी महेश चौधरी से तीन लाख रुपये की रिश्वत लेकर मामले को हल्का करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिष्णु ने आरोप लगाया कि यह महेश चौधरी ही है जो फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाता था और भारतीय सेना में पाकिस्तानी जासूसों की भर्ती करता था। वादी ने अदालत में आगे आरोप लगाया कि इस गिरोह के खिलाफ बोलने पर उसे लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। वह किसी भी दिन मारा जा सकता है। शिकायतकर्ता के सभी आरोपों को सुनने के बाद अदालत ने सीबीआई को जांच की प्रगति पर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

इसके अलावा हुगली के मोगरा थाने को भी शिकायतकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी। इस मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई अधिकारी प्रदीप त्रिपाठी को सौंपा गया है। न्यायाधीश ने सभी दस्तावेज अदालत और उनके समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

हावड़ागामी गया एक्सप्रेस में चली गोली, युवक की मौत

कोलकाता। हावड़ागामी गया एक्सप्रेस में चली गोली। एक युवक की कथित तौर पर नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृत युवक का नाम धर्मेंद्र कुमार साह (32) है। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला कि युवक का पारिवारिक विवाद जमीन को लेकर बढ़ गया था। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यही हत्या का कारण है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार को बिहार के किऊल स्टेशन से रवाना होने के बाद दोपहर करीब 3:45 बजे हुई। चार लोगों ने धर्मेन्द्र को एक बिना सुरक्षा वाले कमरे में घेर लिया। फिर उसने रिवाल्वर निकाला और उसके सिर में गोली मार दी। धर्मेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। यात्रियों के शोर मचाने पर जब ट्रेन रुकी तो बदमाश भाग गए।आरपीएफ ने किऊल रेल पुलिस के साथ मिलकर इस घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के बैग से कई जमीन के कागजात और संबंधित दस्तावेज बरामद किए। संदेह है कि यह हत्या पारिवारिक विवाद का परिणाम है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बंधु यादव के निधन से शोक की लहर

हरिहरगंज। प्रखंड क्षेत्र के भांवर गांव के प्रतिष्ठित समाजसेवी बंधु यादव का अज्ञात बीमारी के कारण अचानक निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से पूरे गांव और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार गांव के समीप श्मशान घाट पर संपन्न हुआ।बंधु यादव के निधन पर क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी कमलेश कुमार यादव ने कहा कि बंधु यादव का निधन क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। जिप प्रतिनिधि राजेश राम और पंचायत समिति सदस्य हीरालाल यादव ने भी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बंधु यादव हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। मृतक के परिवार के सदस्यों ने बताया कि बंधु यादव समाज के हर वर्ग के लिए एक प्रेरणास्रोत थे। गांव में उनकी सक्रियता और विकास कार्यों में उनकी भागीदारी को लोग हमेशा याद रखेंगे। उनके निधन से ग्रामीणों में शोक व्यापार है। इस शोक के अवसर पर पूर्व मुखिया जितेंद्र मेहता, समाजसेवी सत्येंद्र मेहता, शिक्षक गोपाल यादव और वार्ड सदस्य सरवन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सुदूर क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

मेदिनीनगर। सर्दी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने जिले के विभिन्न प्रखंडों में जरूरतमंद गरीबों और बेसहारा लोगों के बीच कंबल वितरण अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और डालसा के अध्यक्ष नीरज कुमार श्रीवास्तव ने किया। डालसा सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभियान विशेष रूप से उन गरीबों और असहाय लोगों को मदद पहुंचाने के लिए चलाया गया जो ठंड के कारण अत्यधिक परेशानी झेल रहे हैं। वितरण के लिए पीएलवी को जिम्मेदारी सौंपी गई, जिन्होंने जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जरूरतमंदों की पहचान की। अभियान के तहत रामगढ़, पांडु, विश्रामपुर, पंडवा, चैनपुर, पोलपोल और नीलांबर-पीतांबरपुर सहित दर्जनों गांवों में कंबल वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सर्दियों में गरीब और बेसहारा लोगों को राहत पहुंचाना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निदेर्शानुसार, यह सुनिश्चित किया गया कि वितरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और प्रभावी हो। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल सर्दियों के मौसम में उनके लिए जीवन रक्षक साबित होती है। डालसा ने यह भी स्पष्ट किया कि वह गरीबों और वंचितों के हित में लगातार कार्य करता रहेगा। इस कंबल वितरण कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह और राहत देखने को मिली।

पलामू में जन शिकायत समाधान शिविर, पुलिस और जनता के बीच बढ़ा विश्वास

मेदिनीनगर। पलामू जिले में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान करने का प्रयास किया गया। शहर थाना परिसर समेत जिले के सभी अनुमंडल थानों में यह शिविर आयोजित किया गया। शहर थाना परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन आईजी सुनील भास्कर ने किया। इस अवसर पर एसपी रीष्मा रमेशन, एएसपी ऑपरेशन राकेश सिंह, एएसपी दिव्यांश शुक्ला, एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया, जबकि कुछ शिकायतों को आगे की कार्रवाई के लिए दर्ज किया गया। इस पहल से जनता और पुलिस के बीच विश्वास बढ़ा है।जनता ने इस कार्यक्रम को एक सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि इससे पुलिस और नागरिकों के बीच संवाद बेहतर हुआ है। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया कि इस तरह के शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए शिक्षकों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

हरिहरगंज। हरिहरगंज के सीता प्लस टू विद्यालय में दिव्यांग बच्चों की पहचान और उनकी सहायता के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन राजीव चौबे, मास्टर ट्रेनर विनोद कुमार, पवन कुमार गुप्ता और कार्यक्रम प्रबंधक शशिकांत कुमार ने किया। उन्होंने प्रधानाध्यापकों को बताया कि वे अपने-अपने विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की पहचान करें और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आगे बढ़ें। कार्यक्रम में 180 प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। शिक्षकों ने इसे एक सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि यह दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और अन्य सुविधाएं प्रदान करने में सहायक होगा। प्रशिक्षण में अनुपम ज्योति, संतोष राय, ममता कुमारी, अजय प्रसाद राय, पुष्पम मैडम और अन्य शिक्षकों ने हिस्सा लिया। यह पहल सरकार की दिव्यांग बच्चों के कल्याण की योजनाओं का हिस्सा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरतों के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

निकम्मा खनन पदाधिकारी के चलते पलामू में बालू की किल्लत: रूचिर

डाल्टनगंज के विधायक आलोक चौरसिया के समर्थक विधायक प्रतिनिधि खुल्लम-खुल्ला ट्रैक्टर से बालू की ढुलाई कर रहे हैं

संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने ब्यान प्रसारित कर कहां की खनन पदाधिकारियों एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी के उदासीन रवैया के चलते शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते एवं सुलभ दरों पर अभी तक बालू का उठाव चालू नहीं हुआ। उल्टा बालू के किल्लत में ट्रैक्टर व्यवसायी गरीब ट्रैक्टर चालक मजदूर दिन रात भटक रहे हैं वह अपने ही घरों में बालू के लिए तरस रहे और प्रशासन खाली पड़े हुए ट्रैक्टर को भी जब्त करते हुए दिख रही है वहीं बालू ढोने जा रहा था वही चंद अमीरजादों जो प्रशासन को मोटी रकम खिला रहे हैं उनको बालू उठाने में खुल्ला छुट दिया जा रहा है एवं छोड़ दिया जा रहा है वही डाल्टनगंज के विधायक आलोक चौरसिया के समर्थक विधायक प्रतिनिधि खुल्लम-खुल्ला ट्रैक्टर से बालू की ढुलाई कर रहे हैं और चैनपुर थाना प्रभारी सहित पलामू जिला प्रशासन मुख्य दर्शक बनकर देख रही है यह दोहरा नीति पलामू जिला प्रशासन को निरंकुश बना रहा है। एवं आम जनता भी कानून को दोहरी रूप से देख रही है। सरकार इन बालूघाट को चिन्हित कर अभिलंब सस्ते एवं सुलभ दर पर आम जनता को बालू उपलब्ध करावें तथा बालू माफियाओं एवं इसमें संलिप्त प्रशासनिक पदाधिकारी को दंडित करने का काम करें। अन्यथा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी शहर के व्यावसायिक वर्गों को साथ लेकर बालू के सवाल पर पलामू उपायुक्त के मुख्य मार्ग को जाम करेगी साथ ही साथ मैं आम जनता से भी अपील करना चाहता हूं कि आप सब इस आंदोलन में साथ दे और अपना ट्रैक्टर हाईवे लेकर डीसी के गेट को जाम करने में हमारा साथ दें।

सादिक चौक कोयल नदी पुल के पास चला जांच अभियान

संवाददाता

मेदिनीनगर। सादिक चौक कोयल नदी पुल के पास एक सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें मुख्य रूप से चार पहिया और दोपहिया वाहनों की जांच की गई। इस अभियान के दौरान पाया गया कि कई दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट पहने और ट्रिपल लोड में गाड़ी चला रहे थे। इसके परिणामस्वरूप, 14 दोपहिया वाहनों को जप्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया, और इन वाहनों को जिला परिवहन कार्यालय पलामू में चालान फाइन के लिए भेजा गया। इसके अलावा, एक ट्रक को नो एंट्री में पकड़ा गया, जिसे चालान फाइन हेतु भेजा गया। जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 दोपहिया मोटरसाइकिलों का चालान फाइन 16,569 राशि के लिए और 2 टेंपो ई रिक्शा का सवारी गाड़ी के रूप में चालान फाइन 2,300 राशि का हुआ है। इसके साथ ही, व्यवहार न्यायालय पलामू से 7 मोटरसाइकिलों का चालान फाइन 7,000 राशि के लिए आया है। इस प्रकार, कुल मिलाकर चालान फाइन की राशि 23,569 बनती है।यह अभियान सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण साबित हुआ, और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम करेगा।

जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान ने सदर प्रखंड में भरी हुंकार

संवाददाता

मेदिनीनगर। जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी ने सदर प्रखंड में एक व्यापक जनसभा का आयोजन किया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों को बनाए रखने के लिए जनजागरण करना था। कार्यक्रम का संचालन 20 सूत्री उपाध्यक्ष रामानंद पाठक ने किया। जनसभा को संबोधित करते हुए जैश रंजन पाठक ने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह देश संविधान, महात्मा गांधी के विचारों और डॉ० भीमराव अंबेडकर की सोच से चलता है। भाजपा और आरएसएस संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी उनके मंसूबों को कभी पूरा नहीं होने देगी। उन्होंने संविधान और मनुवाद के बीच की लड़ाई को रेखांकित करते हुए कहा कि जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत यह कहते हैं कि भारत को आजादी 1947 में नहीं मिली, तो यह संविधान और स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को नकारने का प्रयास है। संविधान के निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों को मिटाने की कोशिश कर रही है। सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विनोद तिवारी, शमीम अहमद, रायन ईश्वरी प्रसाद सिंह, अरविंद पासवान, देवी, सुमन देवी, शोभा देवी, और अन्य कई नेता उपस्थित रहे।

इरफान शाहिद ने नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन कर खिलाड़ियों को दिया प्रोत्साहन

संवाददाता

हरिहरगंज। नगर पंचायत क्षेत्र के बंजारी मोहल्ला स्थित मैदान में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष पद के संभावित प्रत्याशी और समाजसेवी इरफान शाहिद ने फीता काटकर किया। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र के कई युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि इरफान शाहिद ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक विकास का एक प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि खेल से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार होता है। इरफान शाहिद ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ियों को बड़े मंच पर पहचान बनाने का मौका मिल सकता है। टूर्नामेंट के पहले मैच में परता और भालूवाड़ी की टीमों ने हिस्सा लिया। भालूवाड़ी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 79 रन बनाए। इसके जवाब में परता की टीम 74 रनों पर सिमट गई, जिससे भालूवाड़ी ने यह मुकाबला 5 रनों से जीत लिया। मैच के दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष आदिल ज्या, उपाध्यक्ष साबिर, सचिव नेहाल आलम, फील्ड इंचार्ज सब्बू आलम सहित अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के खेलप्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जो खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे थे।

शौकत खान ने गढ़वा एसडीओ संजय कुमार को राष्ट्रीय ध्वज से किया सम्मानित

संवाददाता

गढ़वा। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति लोगों में सम्मान और जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से पिछले एक दशक से निरंतर कार्य कर रहे शौकत खान ने गढ़वा अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार को उनके उत्कृष्ट जनसेवा कार्यों के लिए राष्ट्रीय तिरंगा, अशोक चिन्ह और ₹गरीबों का अनोखा बैंक₹ मेगजीन भेंट कर सम्मानित किया। शौकत खान ने इस मौके पर कहा कि संजय कुमार एक ऐसे प्रशासनिक अधिकारी हैं, जो न केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन बखूबी करते हैं, बल्कि मानवता की सेवा में भी हर समय समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि गढ़वा में संजय कुमार की कार्यशैली ने आम नागरिकों के दिलों में उनकी एक विशेष जगह बनाई है। शौकत खान ने यह भी कहा कि संजय कुमार ने विधानसभा चुनाव से लेकर अन्य प्रशासनिक कार्यों में अपनी कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण पेश किया है। संजय कुमार ने सम्मान ग्रहण करते हुए शौकत खान के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शौकत खान का तिरंगा सम्मान समारोह और समाजसेवा का कार्य समाज में प्रेरणा का स्रोत है। संजय कुमार ने बताया कि शौकत खान अब तक दो लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित कर चुके हैं और उनकी निस्वार्थ सेवा समाज में नई दिशा प्रदान कर रही है।इस अवसर पर कई स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएनएम कॉलेज भवन में शिफ्टिंग और कंडम भवनों का ध्वस्तीकरण कार्य का निरीक्षण

संवाददाता

मेदिनीनगर। स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा दिये गए निर्देशों के आधार पर जीएनएम कॉलेज के भवन में ओपीडी शिफ्टिंग और कंडम भवनों को ध्वस्त करने का कार्य जोरों पर है। इस कार्य की प्रगति और मूल्यांकन के लिए पलामू उपायुक्त ने एक विशेष टीम का गठन किया था, जिसने बुधवार को निरीक्षण किया और कार्य की स्थिति का आकलन किया।
निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने एमएमसीएच अधीक्षक और अस्पताल प्रबंधक को जीएनएम कॉलेज के प्रमुख द्वारों पर स्पष्ट साइनएज लगाने के निर्देश दिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर कमरे में कौन सा विभाग का ओपीडी संचालित हो रहा है। इसके अलावा, उन्होंने बिजली पोल की शिफ्टिंग की दिशा में अंडरग्राउंड वायरिंग कराने की आवश्यकता पर बल दिया। इस योजना के अंतर्गत टीबी कार्यालय और वार्ड को अस्थायी रूप से संस्कार भवन में शिफ्ट करने की योजना भी बनाई गई है, जिसे जिला उपायुक्त की सहमति के बाद कार्यान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही हॉस्पिटल रोड के चौड़ीकरण और स्क्रैप आदि की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि कई ओपीडी जीएनएम कॉलेज के भवन में शिफ्ट हो चुके हैं, साथ ही कुछ लैब भी अब यहां कार्य कर रही हैं। नगर आयुक्त ने शिफ्टिंग के कार्य में और तेजी लाने की आवश्यकता जताई। इस निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सिविल सर्जन डॉ. अनिल, और एमएमसीएच अधीक्षक समेत कई विभागों के डॉक्टर भी उपस्थित थे।

बरवाडीह थाना परिसर में आयोजित जन शिकायत समाधान शिविर में जनता को मिला न्याय

संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह थाना परिसर में मुख्यमंत्री झारखंड सरकार के निर्देशानुसार जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भरत राम ने किया। इसमें अंचलाधिकारी मनोज कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार, छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह और अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना था। कार्यक्रम में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 15 शिकायतों का निपटारा मौके पर ही किया गया। इसके अलावा, 11 मामलों पर गहन जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। शिविर में सबसे अधिक मामले भूमि विवाद और चोरी से संबंधित थे। इसके अलावा महिला अत्याचार से जुड़ा एक मामला भी आया, जिसे प्राथमिकता से सुलझाया गया। बरवाडीह थाना क्षेत्र के 25 मामलों में से 14 का समाधान ऑन द स्पॉट किया गया। छिपादोहर थाना के 10 मामलों में से 1 का समाधान किया गया और शेष मामलों की जांच जारी है। मनिका थाना से 8 मामले प्राप्त हुए, जिन पर कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। इस शिविर के दौरान पुलिस प्रशासन ने पूर्व में चोरी गए मोबाइलों को बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा। इससे जनता का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से उनकी समस्याओं का समाधान सरल और शीघ्र हो सकता है। जन शिकायत समाधान शिविर में अधिकारियों ने जनता को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार के शिविरों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग भी नागरिकों ने की।

समस्या गढ़वा सदर अस्पताल अव्यवस्थाओं और दलाली का बना अड्डा

नर्स ने महिला के साथ की मारपीट नहीं हुई कार्रवाई

संवाददाता

गढ़वा। सदर अस्पताल का नाम एक बार फिर गलत कारणों से सुर्खियों में है। अस्पताल में निजी प्रैक्टिस के लिए दलालों की सक्रियता, कर्मचारियों द्वारा मरीजों का शोषण और दुर्व्यवहार के मामले आम हो गए हैं। हाल ही में प्रसव वार्ड में एक महिला के साथ नर्स द्वारा मारपीट का मामला सामने आने के बाद अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के सिगसिगी गांव निवासी आरती कुमारी (पति दीपक चंद्रवंशी) को 17 जनवरी 2025 की रात

गढ़वा सदर अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया गया। 18 जनवरी को सुबह करीब 7 बजे महिला का प्रसव हुआ। प्रसव पीड़ा के दौरान लेबर वार्ड में मौजूद नर्स नैन कुमारी ने महिला के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उसे थप्पड़ मारे, जिससे उसकी कनपटी पर चोट के निशान बन गए। प्रसव के बाद नवजात शिशु की हालत नाजुक हो गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे गढ़वा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से भी स्थिति में सुधार न होने पर बच्चे को रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।इस घटना की सूचना किसी व्यक्ति ने जिप अध्यक्ष शांति देवी को वाट्सएप पर दी। मंगलवार को शांति देवी अस्पताल पहुंचीं और मामले की गहन जांच की। उन्होंने पीड़िता के परिवार से फोन पर संपर्क कर पूरी जानकारी ली। शांति देवी ने नर्स नैन कुमारी का प्रतिनियोजन रद्द कर उसे मूल पदस्थापन वाले अस्पताल भेजने का निर्देश दिया।

स्थायी समस्याएं: दलाली और दुर्व्यवहार

गढ़वा सदर अस्पताल लंबे समय से अव्यवस्थाओं का शिकार है। निजी प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए दलाल सक्रिय हैं।
मरीजों और उनके परिजनों से पैसे वसूले जाते हैं।
कर्मचारियों और चिकित्सकों की लापरवाही और दुर्व्यवहार की शिकायतें लगातार सामने आती हैं।हालांकि जिप अध्यक्ष के निर्देश पर नर्स के खिलाफ कार्रवाई हुई है, लेकिन अस्पताल की व्यापक समस्याओं का समाधान अभी भी दूर है। प्रशासन की ओर से केवल औपचारिक कदम उठाए जाते हैं, जिससे व्यवस्थाओं में कोई ठोस सुधार नहीं हो पाता।गढ़वा सदर अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाएं और कर्मचारियों की मनमानी मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बन गई हैं। यदि प्रशासन ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह स्थिति और बिगड़ सकती है।

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला छतरपुर का भव्य आयोजन

संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर प्रखंड में आयोजित प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख, 20 सूत्री कार्यक्रम के अध्यक्ष, अंचल पदाधिकारी, नौडीहा पंचायत के मुखिया और अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना और गंभीर बीमारियों की जांच कर उनका समय पर उपचार करना था। मेले में टीबी, कुष्ठ, रक्तचाप, मधुमेह, सिकल सेल एनीमिया, एचआईवी और सिफलिस जैसी बीमारियों की जांच की गई। साथ ही शिशु स्वास्थ्य, किशोरी स्वास्थ्य, एएनसी टेस्ट और आयुष कार्यक्रम के तहत विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। सिविल सर्जन डॉ० अनिल सिंह ने इस अवसर पर 30 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट वितरित की। यह पहल मरीजों के पोषण स्तर को सुधारने और उनकी बीमारी से लड़ने में मदद करने के उद्देश्य से की गई। कार्यक्रम में डॉ० संजय कुमार रवि, डॉ० राहुल कुमार, डॉ० मंसूर अली, बीडीएम अमित कुमार सिंह, बीएएम उमाकांत सहाय, बीपीएम अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति रही। मेले में कुल 1371 मरीजों का उपचार कर उन्हें निशुल्क दवाएं प्रदान की गईं।

संक्षिप्त खबरें

टेलर और कैटरीना की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया ओपन महिला युगल के सेमीफाइनल में

मेलबर्न। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी ने बुधवार को चीन की झांग शुआई और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच की जोड़ी को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। खेले गये मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त झांग और म्लादेनोविच को टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 70 मिनट में 6-1, 7-5 से हराया। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी सेमीफाइनल में रूस की मीरा एंड्रीवा और डायना श्नाइडर की जोड़ी से भिड़ेगी।

सोनीपत में हाफ मैराथन होगी नौ फरवरी को

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में हाफ मैराथन आगामी 09 फरवरी को होगा। यह जानकारी बुधवार को उपायुक्त (डॉक्टर) मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन में अलग-अलग श्रेणियों में हजारों धावक भागीदारी करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। उपायुक्त ने बताया कि दिल्ली और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजन पिछले कुछ समय में हरियाणा के बड़े शहरों फरीदाबाद, गुरुग्राम और पानीपत में आयोजित किए गए हैं। उसी तर्ज पर सोनीपत हॉफ मैराथॉन भी आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन वेबसाइट पर शुरू हो चुका है। मैराथन का शुभारंभ दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल परिसर से होगा और यह शहर के मुरथल रोड सेक्टर 14-15 डिवाइडिंग रोड, महाराणा प्रताप चौक, ट्रक यूनियन, दीवान फार्म से होते हुए वापस मुरथल विश्वविद्यालय जाएगा। डॉ. कुमार ने बताया कि 21 किलोमीटर ओपन केटेगरी में हॉफ मैराथन में विजेता को (महिला व पुरुष) एक-एक लाख रुपये, फर्स्ट रनर को (पुरुष और महिला) को 75 हजार रुपये, सेकेंड रनर को 50 हजार रुपये ईनाम दिया जाएगा। इसके अलावा भी विभिन्न श्रेणियों में कुल दस लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय खेलों में उप्र को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, 31 खेलों में 340 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तर प्रदेश ने अब तक की सबसे अच्छी तैयारी की है। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होने वाले खेलों के लिए उप्र से 31 खेलों के 340 खिलाड़ी हिस्सा लेने जाएंगे। इसमें सबसे ज्यादा एथलेटिक्स के 50 खिलाड़ी होंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों के कोच और मैनेजमेंट भी सलाह देने व व्यवस्था के लिए वहां जाएगा। खास बात यह है कि एथलेटिक्स में जाने वाले खिलाड़ियों में पुरुष की अपेक्षा महिला खिलाड़ी ज्यादा है। 23 पुरुष खिलाड़ी तो 27 महिला खिलाड़ी अपना जौहर दिखायेंगे। इसके अलावा तैराकी, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बाक्सिंग, कयाकिंग, कयाकिंग केनोइंग, साइकिलिंग, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, हैंडबाल, बीच हैंडबाल, हाकी, जूडो,कबड्डी, बीच कबड्डी, मलखंभ, रोइंग, शूटिंग, स्क्वाश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलान, बीच वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, वुशू, योगासन, कलारीपयट्टी, मार्डर्न पेंटाथलान खेल में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में 195 पुरुष और 145 महिला खिलाड़ी हैं। वहीं इन खिलाड़ियों के साथ 94 आफिशियल लोग भी रहेंगे। इस संबंध में उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने बताया कि इस बार ज्यादा संख्या में गोल्ड आने की उम्मीद है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाने में रोहित और विराट अहम् भूमिका निभाएंगे : मोहम्मद कैफ

- दोनों सफेद गेंद के बेहतरीन खिलाड़ी हैं
- पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को खेला जाएगा

नई दिल्ली। एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय टीम के कप्तान एवं दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ की है। उनका मानना है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को जीत दिलाने में रोहित शर्मा और विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। दोनों सफेद गेंद के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कैफ ने

अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली अहम योगदान देंगे। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। दोनों लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। जितना भी खेलें, उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं।

मुझे विश्वास है कि वे जितना भी खेलेंगे अच्छा खेलेंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित तेज बल्लेबाजी करके आपको शुरुआत देते हैं और विराट कोहली उस शुरुआत का इस्तेमाल कर आखिर तक बल्लेबाजी करते हैं और रन बनाते हैं, तो ऐसे दोनों दिग्गज बल्लेबाजों को प्यार दो। चैंपियंस ट्रॉफी में इनका बड़ा रोल होने वाला है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा का हालिया टेस्ट फॉर्म भले ही बहुत अच्छ न रहा हो लेकिन 2023 के विश्व कप में दोनों ने कमाल का खेल दिखाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरूआत 19 फरवरी को होगी और 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में आयोजित की जाएगी। भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत यूएई में अपने मैच खेलेगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

38वें राष्ट्रीय खेलों की तैराकी प्रतियोगिता के लिए हल्द्वानी में विशेष प्रशिक्षण शुरू

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। खेल विभाग इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम हल्द्वानी में खिलाड़ियों के लिए तैराकी का विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।

प्रशिक्षण में उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों से भी खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा और प्रदर्शन के लिए स्विमिंग पूल में विशेष पूल हीटिंग सिस्टम भी लगाया गया है, ताकि ठंड के मौसम में भी खिलाड़ी बिना किसी बाधा के प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। यह कदम खिलाड़ियों को उनकी तकनीक और सहनशक्ति को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि खेलों में तैराकी की प्रतियोगिता आयोजित करना एक

चुनौती थी। तैराकी के लिए स्विमिंग पूल समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की जरूरत थी। विशेष रूप से सर्दी के मौसम में भी पूल के तापमान को 22 डिग्री के आसपास रखना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर स्विमिंग पूल तैयार किया गया और अब उत्तराखंड तैराकी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी तक चलेंगे, जिसमें देशभर के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले से पहले रोहित ने नेट्स पर बहाया पसीना

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच से पहले अपनी घरेलू टीम मुंबई के साथ जमकर नेट्स पर अभ्यास किया। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ यह मैच 23 से 26 जनवरी तक मुंबई के बीकेसी स्थित शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रोहित शर्मा की नेट्स पर अभ्यास करते एक तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ कैप्शन लिखा 'द हिटमैन शो'।

गत चैंपियन मुंबई की टीम गुरुवार से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ बीकेसी के शरद पवार क्रिकेट अकादमी में मैच खेलेगी। मैच के लिए रोहित शर्मा को मुंबई की 17 सदस्यीय टीम में शमिल किया गया है। उनके साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल किए गए हैं। रोहित पिछले 10 साल में पहली बार रणजी ट्रॉफी का मैच खेलेंगे। रोहित ने मुंबई के लिए आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और फिर चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए मुंबई टीम:- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, आयुष म्हात्रे, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), आकाश आनंद (विकेटकीपर), तनुष कोटियन, शम्स मुलानी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, सिलवेस्टर डिसूजा, रोयस्टन डियाज, कर्ष कोठारी।

डॉ. मनसुख मांडविया ने खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला और पुरुष टीम से की मुलाकात

नई दिल्ली। एजेंसी

केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत में खेले गए पहले खो-खो विश्व कप का खिताब जीतने वाली पुरुष और महिला टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात करके दोनों टीमों बधाई दी। मांडविया ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस बात की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, "पहले खो-खो वर्ल्ड कप को जीत कर इतिहास रचने वाली भारत की महिला और पुरुष टीम के साथ भेंट की। भारत के पारंपरिक खेल को विश्व स्तर गौरव दिलाने के लिए दोनों टीम को

बधाई एवं भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। पूरे देश को आप पर सभी पर गर्व है।" नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बीते रविवार को खेले गए पहले खो-खो विश्व कप 2025 के फाइनल मुकाबले में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया। महिलाओं के फाइनल में भारतीय महिला खो-खो टीम ने शुरुआत से ही नेपाल महिला टीम पर दबदबा बनाये रखा और 78-40 के एकतरफा स्कोर के साथ जीत दर्ज की।

खो-खो के पहले विश्वकप में भारत की महिला टीम के चैम्पियन बनने के बाद पुरुष टीम ने भी खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की। फाइनल में नेपाल पुरुष टीम को हराकर भारतीय पुरुष टीम विश्व विजेता बनी। कप्तान प्रतीक वाइकर और टूर्नामेंट के स्टार खिलाड़ी रामजी कश्यप के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय पुरुष टीम ने नेपाल के खिलाफ फाइनल में 54-36 से जीत दर्ज की।

वैभव ने की शानदार बल्लेबाजी, राज गार्डेन पहुंचा सेमीफाइनल में

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन के क्वार्टर फाइनल मैच में मल्टी फेसीलिटी क्रिकेट को हराकर राज गार्डेन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में वैभव यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 53 रन बनाये। राज गार्डेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 217 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज प्रमोद कुमार ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं शिवम ने 31 रन बनाये। वहीं अविनाश यादव ने पांच चौकों की मदद से 51 रन बनाये। वहीं वैभव यादव ने नौ चौकों की मदद से 53 बाल पर 53 रन का योगदान दिया। अनुज ने 34 रन बनाये। वहीं मल्टी फे-केल्टी की पूरी टीम 214 रन बनाकर आउट हो गयी और राज ने तीन रन से मैच को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

व्यापार

शेयर बाजार में तेजी का रुख, उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी उछल

नई दिल्ली। एजेंसी

एक दिन पहले मंगलवार की जोरदार गिरावट के बाद शुरुआती कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख है। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मास्यूटिकल्स और टेक महिंद्रा

के शेयर 2.31 प्रतिशत से लेकर 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, अडाणी एंटरप्राइजेज और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 2.83 प्रतिशत से लेकर 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,379 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 536 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,843 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

काबरा ज्वेल्स की धांसू लिस्टिंग से खिले निवेशकों के चेहरे

नई दिल्ली। एजेंसी

गोल्ड और डायमंड की ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी काबरा ज्वेल्स ने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत की। इस जोरदार शुरुआत के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243.20 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इसे हाथों हाथ लिया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 255.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। काबरा ज्वेल्स का 40 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 356.02 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 154.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में रिखव सिक्योरिटीज की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही डबल हुआ निवेशकों का पैसा

नई दिल्ली। एजेंसी

ब्रोकरेज, बैंकिंग सर्विसेज और इन्वेस्टिंग फैसिलिटी मुहैया कराने वाली कंपनी रिखव सिक्योरिटीज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग एसएमई सेगमेंट के लिए तय मैक्सिमम परमीसिबल लिमिट 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 163.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस शेयर में और तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये उछल कर 171.57 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले ही दिन कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। रिखव सिक्योरिटीज का 71.62 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से

17 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 307 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 170.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 616.42 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 251.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 71.62 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 20 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं।

आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों और आईटी सॉफ्टवेयर्स, कंप्यूटर्स और लैपटॉप की खरीदारी करने में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 17.6.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 19.10 करोड़ और 2023-24 में 42.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 23 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से दो युवक की मौत

महोबा। कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुगौरा चौकी के पास तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया गया है। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। जनपद मुख्यालय के मुहाल आलमपुरा निवासी दीप सिंह (20), बउआ (18), प्रदीप (16) और रुपेंद्र (17) कबाड़ बेचने का काम करते हैं। मंगलवार को चारों लोग कबाड़ बेचने कबरई कस्बा गए थे। जहां कबाड़ बेचने के बाद रात में चारों लोग एक बाइक से घर लौट रहे थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

राजगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह टोला नाका के नजदीक एलएनटी कंपनी प्लांट के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसकी 30 वर्षीय पत्नी को गंभीर चोटें लगी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार हाइवे स्थित एलएनटी कंपनी के प्लांट के सामने राजगढ़ तरफ से जा रहे फार्मट्रिक ट्रेक्टर ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी।

एपीएफ ने भारत और चीन की सीमा सुरक्षा के लिए 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट बनाने का प्रस्ताव रखा

काठमांडू। नेपाल की सीमा सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहे सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) ने भारत और चीन की सीमा पर 425 नए बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। इस समय एपीएफ के पास दोनों अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सिर्फ 254 सुरक्षा पोस्ट है, जो सीमा निगरानी के लिहाज से नाकाफी हैं। एपीएफ के आईजीपी राजू अर्याल ने बताया कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और सीमापार से अपराध नियंत्रण के लिए गृह मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में 425 नए बीओपी बनाने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि इनमें से 350 बीओपी भारत-नेपाल सीमा पर और शेष चीन की सीमा पर बनाए जाने का प्रस्ताव है।

6.78 ग्राम चिट्टा बरामद, आरोपित गिरफ्तार

धर्मशाला। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत नशा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में रैहन में दो लोगों से 6.78 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस थाना रैहन के तहत खेहर में गश्त के दौरान अभिषेक मनकोटिया पुत्र हरपाल, तथा वंश मनकोटिया पुत्र कुलवंत सिंह दोनो निवासी बतराहन, तहसील फतेहपुर जिला कांगडा के कब्जे से 6.78 ग्रांम हीरोईन/चिटटा बरामद करने में सफलता हासिल की है। उपरोक्त आरोपितों को गिरफतार करके उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि उपरोक्त मामले में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

चरस और चिट्टा बरामद, तीन गिरफ्तार

शिमला। शिमला शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने मंगलवार देर शाम दो अलग-अलग मामलों में कुल 7.450 ग्राम चरस और 109.660 ग्राम चिट्टा बरामद करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी पंजाब के जालंधर व कपूरथला के रहने वाले हैं। पहले मामले में थाना छोटा शिमला में जिला शिमला के स्पेशल सेल ने रोहित शर्मा निवासी नवबहार को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। रोहित शर्मा के कब्जे से 7.450 ग्राम चरस और 17.410 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

यामुनानगर में हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

यमुनानगर। अपराध शाखा-2 की टीम ने 35 ग्राम हेरोइन के साथ युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। आगामी पूछताछ के लिए पुलिस द्वारा तीन दिन का रिमांड मांगा गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंचार्ज राजकुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव नाहर ताहरपुर के पास एक युवक नशीले पदार्थों के साथ घूम रहा है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

जोधपुर। मंडोर रोड- सांसी बस्ती के बीच में एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस बारे में पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई कर शव परिजन को सुपुर्द किया है। महामंदिर पुलिस ने बताया कि घटना को लेकर तिलक नगर हरिजन बस्ती के रहने वाले नरेश कुमार पुत्र सुरेश धारू ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी माताजी 50 वर्षीय शारदा मंडोर रोड- सांसी बस्ती से रेलवे ट्रेक से निकल रही थी और अचानक आई ट्रेन की चपेट में आ गई और उनकी मौत हो गई।

नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी

सोनीपत। सोनीपते जिले के एक पुलिस सिपाही से रेलवे में नौकरी का झांसा देकर 13 लाख 26 हजार ठगने का मामला सामने आया है। ठगी का शिकार सिपाही हरियाणा सरकार के एक मंत्री के सुरक्षा गार्ड रह चुके हैं। पुलिस ने मामले में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। थाना बहालगढ़ में दी गई शिकायत में पुष्पलता ने बताया कि वह ओमेक्स सिटी, सोनीपत में रहती हैं और उनके पति देवेंद्र सिंह पुलिस में कार्यरत हैं।

महाकुंभ में योगी एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने लगाई डुबकी

● मिर्जापुर-प्रयागराज तक बनेगा एक्सप्रेस-वे
● बागपत, हाथरस और कासगंज में होगा मेडिकल कॉलेजों का निर्माण

महाकुंभनगर। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में महाकुम्भ त्रिवेणी संकुल पर हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में जनहित के कई बड़े फैसले लिए गए। इसके तहत प्रयागराज रीजन डवलपमेंट की स्थापना होगी, जिसके तहत आसपास के जिलों को मिलाकर उनका सुनियोजित विकास कराया जाएगा। पश्चिमी क्षेत्र के बागपत, हाथरस और कासगंज जिलों में मेडिकल कालेजों का निर्माण होगा। प्रयागराज, वाराणसी और आगरा नगर निगम अपने बांड जारी कर सकेंगे, जिससे निगमों की वित्तीय हालत में सुधार हो सकेगा। साथ ही मीरजापुर से प्रयागराज छह लेन का एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने संगम में डुबकी लगाई।

महाकुंभ में बुधवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में हुए फैसलों को बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में पीपीपी मोड पर बागपत, हाथरस और कासगंज में मेडिकल कालेजों के निर्माण को मंजूरी दी गयी है। जल्द ही उन पर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। बलरामपुर में अटल जी के नाम से केजीएमयू का सेंटर बनेगा। प्रयागराज, वाराणसी और आगरा नगर निगम बांड जारी कर सकेंगे। अब तक लखनऊ और गाजियाबाद नगर निगम के लिए ही बांड जारी किये जा रहे हैं। प्रयागराज के लिए एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए बांड जारी होगा।

काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद काशी वैश्विक पटल पर छा रहा है। उन्होंने बताया कि वाराणसी-विंध्य को एक डेवलेपमेंट रीजन बनाने की कार्यवाही को भी आगे बढ़ाया जायेगा। इससे यहां के न केवल पर्यटन की दृष्टि से यहां पर रोजगार के सृजन में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। चित्रकूट और प्रयागराज को भी गंगा एक्सप्रेस के साथ जोड़ने की कार्यवाही हो रही है। प्रयागराज में यमुना नदी पर सिग्नेचर ब्रिज के समानांतर एक नए पुल के निर्माण प्रस्ताव को स्वीकृति मिली। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से प्रदेश के 62 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो को उच्चीकृत किया जाएगा। इसके अलावा पांच सेंटर फॉर इनोवेशन, इंवेंनशन, इन्क्यूबेशन एंड ट्रेनिंग की स्थापना किये जाने के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

महाकुंभ में नौ करोड़ श्रद्धालुओंने किया स्नान

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रयागराज के महत्व को सभी देख रहे हैं। वह वैश्विक मंच पर प्रयागराज दिखाई दे रहा है। पिछले एक सप्ताह के अंदर सवा नौ करोड़ श्रद्धालुओं ने आकर प्रयागराज संगम में स्नान किया है। वह अविस्मरणीय और अकल्पनीय है।

डिफेंस पालिसी नए सिरे से बनेगी

मुख्यमंत्री ने बताया कि खासतौर पर प्रदेश के जो महत्वपूर्ण मामले हैं, उनमें डिफेंस से संबंधित जो पालिसी पर भी विचार हुआ है। मौजूदा डिफेंस पालिसी 2018 में बनी थी, उसे नये सिरे से बनाये जाने के बारे में चर्चा हुई है। साथ ही एफडीआई के अंतर्गत जो-जो निवेश प्रदेश में हुआ है, उस पर भी विचार हुआ है। उन्होंने बताया कि युवाओं को स्मार्ट फोन और टेबलेट उपलब्ध कराने के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है।

उद्योंगों को मिलेंगी रियायतें

उप्र औद्योगिक निवेश व रोजगार प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत प्रदेश में मेगा श्रेणी की आद्योगिक इकाइयों हेतु विशेष सुविधाएं एवं रियायतें दिए जाने के प्रस्ताव को प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इसके अलावा एफडीआई एवं फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति के तहत मेसर्स अशोक लीलैंड को आवंटित भूमि के लिए यूपीसीडा को दिए जाने वाली सब्सिडी धनराशि के भुगतान के बारे में इम्पावर्ड कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

एक्सप्रेस-वे का बिछेगा जाल

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस महाकुंभ को ध्यान में रखकर प्रयागराज के साथ—साथ इस पूरे क्षेत्र का सांस्कृतिक दृष्टि से विकास किया गया, वह प्रधानमंत्री का विजन है।गंगा एक्सप्रेस-वे प्रयागराज से मिजार्पुर और मिजार्पुर से संत रविदास नगर होते हुए काशी, चंदौली और गाजीपुर होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे में जुड़ेगा। इसके अलावा वाराणसी और चंदौली से मिनी एक्सप्रेसवे सोनभद्र को जोड़ते हुए नेशनल एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा।

भाजपा ने जनता के आकांक्षाओं को पूरा करने का काम किया है: अरुण

रायपुर। एजेंसी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि, नगरीय निकायों के लिए आज से नामांकन की प्रकिया प्रारंभ हो गई है। इस चुनाव को लेकर लोगों में भारी उत्सुकता है, शहर की जनता विकास के लिए भाजपा को चुनेगी, क्योंकि पिछले एक साल में भाजपा सरकार ने जनता के आकांक्षाओं को पूरा करने का काम किया है। शहरों के सुव्यवस्थित विकास, सफाई, प्रकाश, जल व्यवस्था को बेहतर कार्य किया है। निश्चित रूप से इस बार नगरीय निकाय के चुनाव में कमल खिलेगा। श्री साव ने चुनाव तैयारियों को लेकर कहा कि, भाजपा की संभाग स्तर की बैठक हो गई है। आज जिले की चयन समिति की बैठकें है। कल संभाग समिति की बैठकें है। पार्टी समय पर प्रत्याशियों का चयन कर लेगी और समय पर घोषित प्रत्याशियों के नामांकन हो जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं की पत्नी और कुछ जगह मारपीट की घटना पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है।

इनके बड़े नेता राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद चलाते है तो निचले स्तर के नेताओं को लगता है कि यहां भी चलेगा। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस में आपसी झगड़े हैं, अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहे है। जो अभी से आपस में लड़ रहे है तो जनता इस पर कैसे भरोसा करेगी। जनता ने तय कर लिया है इन्हें घर बैठाने के लिए, ताकि ये आपस में ऐसे ही लड़ते रहे। शहरों के विकास का काम भाजपा करती है, इसलिए शहर की जनता भाजपा को चुनेगी। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, निकायों में कांग्रेस ने सिर्फ भ्रष्टाचार कर शहरों के विकास को अवरुद्ध किया है। इन्होंने जन हितों की अवहेलना की है। इन सारे मुद्दों लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। कांग्रेस ने पांच सालों में नगरीय निकायों में क्या किया और इन एक साल में हमने क्या इसे बताएंगे।

कार्रवाई को लेकर साव ने कहा कि, पीएससी घोटाला छत्तीसगढ़ के नौजवानों के सपनों को तोड़ने वाला है। भूपेश बघेल की एक मात्रा सरकार है, जिसने युवाओं के सपने को तोड़ने, बेचने का काम किया। जिस राज्य का मुखिया या सरकार ने नौजवानों की भविष्य की चिंता ना हो, वो राज्य के भविष्य के बारे में क्या सोचेंगे। पर जिन लोगों ने भी छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपने को तोड़ने का काम किया है, कोई भी बचेगा नहीं, ये विष्णु का सुशासन सरकार है। पीएससी घोटाले में जिन जिन का नाम है, कोई भी बख्शा नहीं जाएगा। सीबीआई तेज गति से मामले में जांच कर रही है।

डॉ. जयशंकर ने अमेरिकी समकक्ष व एनएसए के साथ की द्विपक्षीय बैठक

वॉशिंगटन। एजेंसी

डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद मंगलवार को क्वाड के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक हुई जिसमें अमेरिका के नवनियुक्त विदेश मंत्री मार्को रुबियो, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। जापान की तरफ से ताकेशी इवाया और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व किया।

चार देशों के समूह क्वाड का उद्देश्य इंडो पैसिफिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। बैठक के बाद जारी साझा बयान में कहा गया कि हम चारों देशों का दृढ़ विश्वास है कि समुद्री क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय कानून, आर्थिक अवसर, शांति, स्थिरता और सुरक्षा, भारत-प्रशांत के लोगों के विकास और समृद्धि को दर्शाता है। हम किसी भी एकतरफा कार्रवाई का दृढ़ता से विरोध करते हैं जो बलपूर्वक या जबरदस्ती यथास्थिति को बदलने का प्रयास करती है। साथ ही कहा हम बढ़ते खतरों के बावजूद क्षेत्रीय समुद्री,आर्थिक और तकनीकी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में लिखा, आज वाशिंगटन डीसी में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। हमारी चर्चाओं में बड़े पैमाने पर सोचने, एजेंडे को मजबूत करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई गई। आज की बैठक साफ संदेश देती है कि अनिश्चित और अस्थिर दुनिया में क्वाड वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत बना रहेगा।

भारत सेवाश्रम संघ कर रहा समाज सेवा में मिशाल कायम : महंत

महाकुम्भ नगर। दूधेश्वर पीठाधीश्वर व पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरि जहां एक और सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, वहीं समाज सेवा के क्षेत्र में भी मिसाल कायम कर रहे हैं। उनके कार्यो से प्रभावित होकर ही विश्व भर में समाज व मानव सेवा करने वाली विश्व के प्रमुख संस्था भारत सेवाश्रम संघ द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। भारत सेवाश्रम संघ द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में महंत नारायण गिरि को माल्यार्पण कर, पटका पहनाकर व स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि महंत नारायण गिरि ने नशे जैसी सामाजिक बुराईयों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। महंत गिरि ने कहा कि भारत सेवाश्रम संघ जो पूरे विश्व में सनातन धर्म व भारत की वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के साथ पूरे विश्व में सामाजिक सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, बुजुर्गों की सेवा की मिसाल कायम कर रही है। भारत सेवाश्रम संघ की स्थापना वर्ष 1917 में सन्त आचार्य श्रीमद् स्वामी प्रणवानन्द महाराज ने की थी। पूरे भारत ही नहीं पूरे विश्व में इसके केन्द्र हैं। दैवी आपदा, सामाजिक मेले आदि पर इसके कैम्प लगाकर सेवा और सहायता का कार्य करते हैं।

भ्रूण लिंग की जांच करते डॉक्टर व दलाल गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम ने अवैध रूप से भ्रूण लिंग की जांच करते हुए डॉक्टर और दलाल को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने ग्राहक बनकर अस्पताल में दबिश की और 30 हजार रुपए में सौदा पक्का किया। जिसके बाद पूरा मामला उजागर हो गया। आरोपियों में डॉटर सुंदरपाल चौहान और योगेश नामक युवक शामिल है। डॉ सुंदरपाल बल्लभगढ़ भगत सिंह कॉलोनी में चौहान क्लीनिक चलाता है। दूसरा आरोपी योगेश मोहना रोड रेनड्यू अस्पताल में काम करता है। फरीदाबाद नोडल अधिकारी पीएनडीटी डॉ हरीश आर्य ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बल्लभगढ़ में कुछ डॉक्टरों, नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्रों का एक गिरोह अवैध रूप से भ्रूण लिंग जांच कराता है और लोगों से पैसे वसूलता है। विभाग की टीम ने मुखबिर की सुचना पर डॉ सुंदर पाल से ग्राहक बनकर लिंग जांच कराने को लेकर 30 हजार में सौदा पक्का कर लिया। 5 हजार रूपए सुंदरपाल के खाते में ऑनलाइन भेज दिए गए।

प्रयागराज में कैबिनेट बैठक कर राजनीतिक संदेश देना चाहती है सरकार : अखिलेश

लखनऊ। एजेंसी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों के मन में महाकुम्भ को लेकर आस्था है। बहुत सारे लोग हैं, जो गंगा स्नान कर आये होगें और फोटो भी नहीं डाली होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को समाजवादी पार्टी के रामगोविन्द चौधरी, राजेन्द्र चौधरी सहित स्थानीय नेताओं के साथ स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कुम्भ और प्रयागराज वो स्थान नहीं, जहां राजनीति–राजनैतिक कार्यक्रम व फैसले लिए जाएं। कैबिनेट ही राजनीतिक है। सरकार राजनीतिक संदेश देना चाहती है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता

पार्टी सबसे बड़ी भूमाफिया बन कर सामने आयी है। किसी भी जिले की रजिस्ट्री चेक कर लीजिए। मेरी बात सही न लगे तो लखनऊ, गोण्डा, अयोध्या की जमीनों की रजिस्ट्री को तत्काल चेक कर लीजिए। ये वक्फ की जमीन को केवल कब्जा करना चाहते हैं। विवाद खत्म नहीं करना चाहते हैं। विवाद बढ़ाना चाहते हैं। किस तरह समाज में नफरत फैले, जिसका सहारा लेकर भाजपा के लोग राजनीति कर सकें। पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सोचिए जो यह फैसला हो गया कि अमेरिका में रहने वाले भारतीय वापस आएंगे तो सरकार क्या करेगी।

22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने ट्रम्प के बर्थराइट पॉलिसी बदलने के खिलाफ किया मुकदमा दायर

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बर्थराइट पॉलिसी बदलने के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह पॉलिसी अमेरिका में जन्मे बच्चों को उनके माता-पिता के इमिग्रेशन स्टेटस को नजरअंदाज कर नागरिकता की गारंटी देती है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को शपथ ग्रहण के साथ जारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जो अमेरिकी संविधान में बर्थराइट पॉलिसी को बदलने की बात करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बर्थराइट पॉलिसी को लेकर दी गई मंजूरी कानूनी अड़चनों में फंसती दिख रही है।

कौन-कौन से राज्य हैं खिलाफ

ट्रम्प के आदेश के साथ अमेरिका सहित दुनिया भर में हलचल मच गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प के आदेश के खिलाफ कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट और सैन फ्रांसिस्को के साथ 18 राज्यों ने फेडरल अदालत में मुकदमा कर दिया है। न्यू जर्सी और दो शहरों के साथ कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, उत्तरी कैरोलिना, रोड आइलैंड, वर्मोंट और विस्कॉन्सिन भी ट्रम्प के आदेश के खिलाफ मुकदमे में शामिल हुए हैं। न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल मैट प्लैटकिन ने कहा कि राष्ट्रपतियों के पास व्यापक शक्तियां होती हैं लेकिन वे राजा नहीं होते।

कानूनी चुनौतियों का सामना करेंगे: व्हाइट हाउस

मुकदमा दायर होने के बाद व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि वह अदालत में राज्यों का सामना करने के लिए तैयार है। इन मुकदमों को वामपंथी प्रतिरोध का विस्तार बताया।

ट्रम्प ने देश की बर्थराइट पॉलिसी की यह कहते हुए आलोचना की थी कि यह नीति अवैध आव्रजन को प्रोत्साहित करती है। इसी वजह से दोबारा सत्ता में आते ही ट्रम्प ने इस नीति को बदलने संबंधी आदेश जारी कर दिए। 1868 में किए गए अमेरिका के संविधान के 14वें संशोधन के मुताबिक, देश में पैदा हुए सभी बच्चों को जन्मजात नागरिकता दी जाती है। संशोधन का मकसद पूर्व में देश में गुलाम बनाए गए लोगों को नागरिकता और समान अधिकार देना था। संविधान के मुताबिक, अमेरिका में जिन बच्चों का जन्म हुआ, उनके अधिकार क्षेत्र के अधीन वो अमेरिका और जिस भी राज्य में पैदा हुए वहां के नागरिक बन जाते हैं।

आस्था सनातन की परम्पराओं के अनुसार महाकुंभ में अद्धितीय व्यवस्थाएं की गयी

सनातनी संस्कारों पर चलने से ही धर्मान्तिरण व लव जिहाद पर लगेगी रोक : नीरज

● सनातन के विचार पूरी दुनिया में फैलाने की आवश्यकता है
● सनातन का प्रभाव बढ़ेगा तभी विश्व का कल्याण होगा

महाकुंभनगर। एजेंसी

बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि सनातन के मूल्यों पर सनातन की परम्परा पर अपने सनातनी होने पर अपने हिन्दू होने पर गर्व होना चाहिए कि हम हिन्दू हैं। हमारे सनातनी और हिन्दू जीवन मूल्य हैं, उनका पालन करने की रीति-नीति व संस्कारों पर चलने की आवश्यकता है। इससे ही धर्मान्तरण व लव जिहाद पर रोक लगायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सनातन के विचार पूरी दुनिया में फैलाने की आवश्यकता है। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः व वसुधैव कुटुम्बकम को मानने वाले हैं। सनातन का प्रभाव बढ़ेगा तभी विश्व का कल्याण होगा। नीरज दौनेरिया ने कहा कि सनातन की अनुभूति कितनी गहरी होती है, उसकी आस्था कितनी अधिक निष्ठावान होती है, समर्पण युक्त होती है। भक्ति में कितनी शक्ति होती है, महाकुंभ में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है। इस धरा पर अगर सबसे पहले कुछ था तो सनातन था। प्रयागराज महाकुंभ पूरी दुनिया को सनातन की जड़ें कितनी गहरी हैं सनातन कितना प्राचीन है। उन्होंने कहा कि 2025 का प्रयागराज महाकुंभ 144 वर्षों के बाद आया है।

हमारे कोई जरूर ऐसे पुण्य जागृत हुए हैं हमसे जरूर पूर्व जन्म में कोई पुण्य कार्य हुआ है जिसके कारण यहां आ सके और यहां का विहंगम दृश्य देख सके। अपनी इन आंखों से करोड़ों लोगों को संगम की तरफ जाते हुए देखा। बड़े-बड़े संत जिनके नाम हम सुनते हैं जो सनातन के मर्मज्ञ हैं ऐसे महान संतों को उनके अखाड़ों को नागाओं की साज-सज्जा उनके धार्मिक चिन्हों साथ गंगा के ओर जाते हुए गौरव की अनुभूति होती है कि हमारे सनातन में कितनी गवार्नुभूति होती है। महाकुंभ में करोड़ों लोग यहां आये समरस होकर आये। न जाति न पांति। हिन्दुओं को जो बांटने की बात करते हैं। करोड़ों लोग यहां आये। दुनिया में इतना विशाल कोई आयोजन कोई कर नहीं कर सका। यहां सनातन की परम्परा के अनुसार स्वतः आयोजन हो जाता है। बिना किसी निमंत्रण के करोड़ों लोग डुबकी लगाने आते हैं।

महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के बारे में उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ स्वयं एक संत व सन्यासी हैं। कुंभ का क्या महत्व होता है वह जानते हैं। उन्होंने सहृदयता के भाव से अद्धितीय व्यवस्था की है। उन्होंने बताया कि पहले के कुंभ में हम भी रह चुके हैं लेकिन इतने बड़े पैमाने पर इतनी व्यवस्थाओं के साथ पहली बार की गयी है।

पूरा मेला क्षेत्र साफ सुथरा दिख रहा है। सनातन के प्रति गहरी जानकारी मिल रही है। जो कल्पवासी यहां आये उनकी क्या आवश्यकताएं हैं उनके लिए कुटिया बनायी गयी है। सनातन की परम्पराओं के अनुसार योगी आदित्यनाथ ने अद्धितीय व्यवस्थाएं की है। न भूतो न भविष्यति। योगी आदित्यनाथ वर्तमान समय में अपने सनातन के विचारों को लेकर अपने निर्णय को लेकर उन निर्णयों को पालन कराने के मामले में हिन्दू जनमाानस के बीच व्यापक जगह बनाई है।

नशे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करे सरकार : गहलोत

जयपुर। एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देशभर में नशे के बढ़ती समस्या पर चिंता जाहिर करते हुएराजस्थान सरकार से विशेष तौर पर गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर पर फोकस कर नशे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की जिससे युवाओं के भविष्य को बर्बाद होने से बचाया जा सके। पूर्वमुख्य मंत्री गहलोत ने बुधवार को इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि पूरे देश में नशे की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले आमतौर पर कॉलेज में जाने पर बच्चों का नशे के प्रति रुझान दिख सकता था परन्तु अब स्कूली बच्चों से बात करने पर पता चलता है कि अब स्कूल भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। 10वीं, 12वीं के बच्चे भी शराब और ड्रग्स की ओर बढ़ रहे हैं। बच्चों द्वारा हर छोटे-बड़े सेलिब्रेशन में शराब का सेवन किया जा रहा है जो पूरे समाज के लिए गंभीर चिन्ता का विषय है। उन्होंने सलाह देते हुए अपील की कि हम सभी को सरकार एवं समाज दोनों के तौर पर ये सोचना होगा कि क्या पैसा कमाना, स्वयं के लिए सुख-सुविधाएं जुटाते रहना या अन्य प्राथमिकताएं हमारे बच्चों के भविष्य से अधिक जरूरी हैं?

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुंदरता और स्वास्थ्य का अच्छा दोस्त नारियल पानी

हरा नारियल शीतल प्रकृति का, पौष्टिक व रक्त विकारों को नष्ट करने वाला फल है। नारियल का पानी प्यास बुझाने में सहायक होता है। नारियल का पानी गुणों का भंडार है। इसके नियमित सेवन से कई लाभ हैं:

- हैजा होने पर नारियल का पानी देना लाभकारी होता है। शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद देता है।
- गुर्दे की पथरी या पेशाब में जलन होने पर नारियल का पानी पीना हितकर है।
- नारियल के पानी से चेहरा धोने पर दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि में लाभ होता है और त्वचा की कांति बढ़ती है।
- गर्भवती महिलाएं यदि कच्चा नारियल थोड़ा-सा प्रतिदिन लें या नारियल पानी का सेवन करें तो बच्चा सुंदर और गोरे रंग का होता है।
- नारियल पानी से आंखें धोने पर आखों की ज्योति बढ़ती है।
- नारियल पानी के सेवन से पाचन शक्ति बढ़ती है।
- नारियल पानी हृदय रोगियों के लिए भी हितकर माना जाता है।
- नकसीर आने पर प्रतिदिन 100 से 125 मिलीलीटर नारियल पानी 100 से 125 मिलीलीटर नारियल पानी 10 दिन तक खाली पेट पीने को दें। लाभ मिलता है। नारियल पानी संक्रामक रोगों में भी रोगी को आराम देता है।
- बार-बार प्यास लगने पर नारियल का पानी प्यास बुझाता है।
- नारियल पानी में यह सबसे महत्वपूर्ण लाभ है कि इसमें किसी प्रकार का कोई एसिड मिला नहीं होता।

सावधानी: अत्यधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। अधिक लम्बे समय तक इसका सेवन न करें।

घरेलू फेस पैक बढ़ाएं सौंदर्य

- तैलीय त्वचा की महिलाओं के लिए चंदन और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बहुत उपयोगी है। इस पैक को बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी व चंदन पाऊडर को समान मात्रा में लें और उसमें गुलाब जल मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं, लाभ होगा।
- त्वचा के कालेपन को दूर करने के लिए संतरे के रस को थोड़ी-सी मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाऊडर व हल्दी को मिलाकर उसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। कुछ ही सप्ताह में आप देखेंगी कि आपकी त्वचा में आश्चर्यजनक निखार आ गया है।
- चेहरे की त्वचा को निखारने के लिए पपीते के गूदे में चंदन पाऊडर व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं।
- चेहरे की रंगत काली पड़ गई हो तो बादाम और शहद को समान मात्रा में लेकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं। चेहरे पर मुंहासों के दाग व धब्बे हो गए हों तो उस पर नीम के पत्तों को पीस कर उसका पैक लगाने से चेहरे की त्वचा साफ व दाग-धब्बों रहित हो जाती है।
- पुदीने को पीस कर उसमें थोड़ी-सी पिसी हल्दी और बेसन मिलाकर इसका पैक चेहरे पर लगाएं। यह फेस पैक त्वचा को कांतिमय बनाने में बहुत उपयोगी है।
- अरहर की पिसी दाल में दही मिक्स करके इसका पैक चेहरे पर लगाएं और सूखने पर इसे धीरे-धीरे रगड़कर साफ कर लें। यह फेस पैक चेहरे के दाग-धब्बों के लिए बहुत उपयोगी है।

शुष्क त्वचा पर संतरे के रस में शहद मिलाकर त्वचा पर सूखने तक लगाएं, लाभ होगा

मेकअप के कुछ नए फंडे

प्राचीन समय से ही सुंदर लगना महिलाओं को प्रिय लगता है तब नानी-दादी जो भी घरेलू उपाय खुद करती थीं, वही वे आगे बेटियों को बताती थीं इसलिए वही पुराने उपाय आगे चलते जाते थे मगर अब तो महिलाएं पढ़-लिख कर बहुत आगे तक जा चुकी हैं।

अब उन्हें नए जमाने के साथ सौंदर्य साधनों के फंडों को भी बदलना चाहिए। उन्हें तोड़ देने चाहिएं पुराने प्रयोग और अपनाने चाहिएं नए प्रयोग। बस ध्यान देना चाहिए कि नया प्रयोग आप पर फूहड़ न लगे। ड्रैस के अनुसार और अवसर के अनुसार उनका प्रयोग करना चाहिए।

रैड लिपस्टिक मानी जाती है कि बहुत लाऊड लगती है। ऐसा नहीं है। यदि आप ब्राऊनिश रैड या मैरूनिश रैड लगाती हैं तो ये अक्सर सब पर जंचती हैं। बिल्कुल रैड लिपस्टिक सभी पर नहीं जंचती। हॉट रैड लिपस्टिक जब भी लगाएं उसके साथ मेकअप बहुत कम करें। आई मेकअप भी बिल्कुल हल्का करें। हॉट रैड लिपस्टिक के साथ डार्क मेकअप अच्छा नहीं लगता। वैसे आजकल रैड कलर फैशन में है।

पाऊडर यदि कम मात्र में एकसार चेहरे और गर्दन पर लगाया जाए तो चेहरा आकर्षक लगता है और पाऊडर की मोटी परत लगाई जाए तो त्वचा पपड़ीदार फलैकी लगती है इसलिए जब भी पाऊडर लगाएं, एकस्ट्रा पाऊडर को ब्रश से झाड़ कर कम कर दें। पुराने लोगों का मानना है कि पाऊडर लगाने से महिला उम्र से बड़ी लगती हैं।

हाथों और पैरों की उंगलियों की नेल पालिश पहले लोग एक ही रंग की लगाते थे। बहुत सालों तक इसी प्रयोग को अपनाया जाता रहा है। अब लोग हाथों और पैरों की उंगलियों पर अलग-अलग नेल पालिश लगाते हैं।

पहले लिपग्लॉस बस 40 वर्ष तक की महिलाएं लगाती थीं पर अब 30 वर्ष के बाद लिपग्लॉस लोग अक्सर नहीं लगाते। फिर भी आप लिपग्लॉस लगना चाहें तो पहले होंठों पर लिप बाम लगाएं, फिर लिप डिफाइनर से लिप को आकार देकर उसमें लिपग्लॉस लगाएं ताकि लिपग्लॉस होंठों से बाहर न फैले।

पहले महिलाएं लिपस्टिक लगाते समय लिप लाइनर से आऊट लाइन बनाती थीं और उसमें लिपस्टिक लगाती थीं। नए फैशन में लिपस्टिक सीधी होंठों पर लगाई जाती है क्योंकि इससे नैचुरल लुक आती है। इससे होंठ सॉफ्ट रहते हैं। वैसे आजकल लाइट शेड की लिपस्टिक ज्यादा पसंद की जाती है। अगर आप आऊटलाइन लगाना ही चाहते हैं तो हल्की आऊट लाइन करें और उसे ब्लैंड कर लें।

शिमरी मेकअप आज का नया फंडा है। यह मेकअप यदि ढंग से किया जाए तो आपको जन्नत बना देता है। शिमर का प्रयोग आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं। कैमल, पिंक शिमर वाला मेकअप आप दिन और रात कभी भी कर सकते हैं। लिपस्टिक त्वचा से मेल करती लगाएं। यह नया फंडा है। पहले लोग ड्रैस और मेकअप अनुसार लिपस्टिक के रंग का चयन करते थे, अब त्वचा से मेल खाती लगाते हैं।

आंखों के प्राकृतिक रंग से मेला खाता आईशैडो लगाने से आंखों की तरफ ध्यान ही नहीं जाता। नए फंडे के अनुसार शैडो का रंग आंखों के प्राकृतिक रंग से विपरीत होना चाहिए, जैसे ग्रीन आंखों वाले को पर्पल, मोव, सिल्वर, गोल्ड या कोसल टोन वाला आई शैडो लगाना चाहिए। नीली आंखों वाले को लाइट पिंक पीच, कॉपर, ब्रांज और गोल्ड लगाना चाहिए। भूरी आंखें वालों को एमरल्ड ग्रीन, मोव, पर्पल, डीप प्लम शेड का प्रयोग करना चाहिए।

त्वचा को निखारें

त्वचा पर कृत्रिम प्रसाधनों का प्रयोग कम से कम करें। अगर किसी सौंदर्य प्रसाधन का प्रयोग करें भी तो अच्छी कम्पनी व अच्छी क्वालिटी का ही लें और प्रयोग से पूर्व हाथ की त्वचा पर उसके प्रभाव को जान लें।

हमारी त्वचा को हर मौसम प्रभावित करता है चाहे वह गर्मी हो या सर्दी या बरसात। गर्मियों में त्वचा को गर्मी और पसीने का सामना करना पड़ता है तो सर्दियों में खुश्की और बारिशों में त्वचा को संक्रमण का डर रहता है। इसके अतिरिक्त बढ़ते सौंदर्य प्रसाधनों का त्वचा पर प्रयोग भी त्वचा पर हानिकारक प्रभाव डालता है क्योंकि इन सौंदर्य प्रसाधनों में कई कृत्रिम रसायन मिले होते हैं और इनका नियमित प्रयोग त्वचा पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। त्वचा को इन सब प्रभावों से बचाने के लिए आवश्यक है त्वचा की नियमित देखभाल:-

- प्रतिदिन त्वचा पर धूल-मिट्टी की परत जमती है और इसकी प्रतिदिन सफाई करना आवश्यक है इसलिए सौम्य साबुन से स्नान करें और चेहरे पर फेस वाश का प्रयोग करें क्योंकि यह त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखता है। त्वचा को पोंछते समय भी हल्के हाथों से तौलिए से पोंछें। चेहरे की त्वचा नाजुक होती है इसलिए इसे रगड़कर न पोंछे।
- त्वचा पर माइश्चराइजर अवश्य लगाएं क्योंकि यह त्वचा की प्राकृतिक नमी बरकरार रखता है।
- प्राय: हम चेहरे की त्वचा पर तो अधिक ध्यान देते हैं पर गर्दन, बाहें, टांगों, हाथों, पीठ, पैरों की त्वचा को अनदेखा कर देते हैं। शरीर की सम्पूर्ण त्वचा की देखभाल बहुत आवश्यक है और जो अंग खुले रहते हैं, उनकी तरफ तो विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। स्नान करते वक्त इनकी सफाई की ओर भी ध्यान दें। सप्ताह में एक बार मैनीक्योर और पैडीक्योर अवश्य करवाएं। गर्दन और पीठ को भी हल्के हाथों से ब्रश से अच्छी तरह साफ करें। बहुत अधिक रगड़ें नहीं, नहीं तो पीठ और गर्दन पर निशान पड़ सकते हैं।
- रात को सोने से पहले त्वचा पर ओवरनाइट नरिशिंग क्रीम या बॉडी लोशन लगाएं व मसाज करें। इससे त्वचा में रक्त संचार बढ़ेगा और त्वचा की कोमलता बनी रहेगी। आपको मुंहासों की शिकायत है तो आप रात को एंटीसैप्टिक क्रीम का प्रयोग करें क्योंकि रात को यह अधिक असरदायक होती है।
- 25 वर्ष की आयु के पश्चात 15 दिन पश्चात फेशियल करवाएं। इससे चेहरे की त्वचा में कसाव आएगा और त्वचा पुष्ट बनेगी। बढ़ती उम्र में तो झुर्रियों को रोकने में फेशियल बहुत प्रभावी है।
- तेज धूप त्वचा को नुकसान पहुंचाती है। सूर्य की अल्ट्रावायलैट किरणों के हानिकारक प्रभाव से त्वचा कैंसर तक भी हो सकता है। जब भी धूप में बाहर जाएं तो सन स्क्रीन का अवश्य प्रयोग करें। यह त्वचा को सूर्य की बुरी किरणों से तो सुरक्षा देती है, साथ ही त्वचा का सांवलापन भी रोकती है। सनस्क्रीन का प्रयोग सभी खुले रहने वाले अंगों जैसे हाथ, बांहों, गर्दन, चेहरे आदि पर करें।
- त्वचा को बेजान व रूखेपन से बचाने के लिए प्रतिदिन 10-12 गिलास पानी अवश्य पिएं। धूम्रपान, अल्कोहल चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741